जीवन दर्शन

स्वयं पर विजय प्राप्त कर लेना सबसे श्रेष्ठ और महानतम विजय होती है- प्लेटो

दैनिक
ग्लोबल हेराल्ड

LOCAL TO GLOBAL

महानगर संस्करण

www.globalherald.news

मंगलवार 19 नवंबर, 2024 ■ वर्ष 13 ■ अंक 280 ■ इंदौर-भोपाल से प्रकाशित ■ पेज 8 ■ मूल्य रु 2.00

आईपीएल नीलामी में इन स्पिनरों पर मोटी रकम...

पृष्ठ 8 पर

न्यूज ब्रीफ

ट्रंप सरकार के कैबिनेट से पाकिस्तान को हुई टेंशन भारत कनेक्शन बना वजह

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में बड़ी जीत हासिल करते हुए डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में वापसी का रास्ता साफ कर लिया है। चुनाव में जीत के बाद अब ट्रंप अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति बनेंगे। 20 जनवरी, 2025 को ट्रंप अमेरिकी राष्ट्रपति के तौर पर दूसरी बार शपथ लेंगे और उनकी शपथ ग्रहण के लिए एक बड़े कार्यक्रम का आयोजन होगा। यह आयोजन अमेरिकी कैपिटल बिल्डिंग में होगा, जो अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन डी.सी. में स्थित है। ट्रंप की सरकार बनते ही नए कैबिनेट का भी गठन होगा और अलग-अलग मंत्रालयों की जिम्मेदारी अलग-अलग सदस्यों को मिलेगी। ट्रंप ने अपने प्रशासन के लिए कई सदस्यों को चुन लिया है। हालांकि ट्रंप का कैबिनेट अब पाकिस्तान की चिंता की वजह बन गया है।

पूर्व मुख्यमंत्री के हत्यारे को फांसी या माफी!

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से बलवंत सिंह राजोआना की दया याचिका पर फैसला लेने का आग्रह किया। बलवंत सिंह राजोआना 1995 में पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह की हत्या के मामले में मौत की सजा पाए हुए हैं। राजोआना को करीब तीन दशक पहले हुई हाई-प्रोफाइल राजनीतिक हत्या में उनकी भूमिका के लिए मौत की सजा सुनाई गई थी। सुप्रीम कोर्ट का हस्तक्षेप उनकी दया याचिका के लंबे समय से लंबित समाधान में तेजी लाने का प्रयास है। न्यायमूर्ति बीआर गवई, न्यायमूर्ति पीके मिश्रा और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ ने राष्ट्रपति से दो सप्ताह के भीतर याचिका पर विचार करने का अनुरोध किया। आज विशेष रूप से मामले को रखे जाने के बावजूद भारत संघ की ओर से कोई भी उपस्थित नहीं हुआ।

महाराष्ट्र और झारखंड में थमा चुनाव प्रचार, 20 नवंबर को होगा मतदान

नई दिल्ली। झारखंड और महाराष्ट्र में सोमवार को चुनाव प्रचार थम गया है। अब महाराष्ट्र की सभी सीटों और झारखंड की दूसरे चरण की सीटों पर 20 नवंबर को मतदान होगा। दोनों ही राज्यों में 23 नवंबर को वोटों की गिनती की जाएगी। सभी दलों ने दोनों राज्यों में मतदाताओं को लुभाने के लिए पूरी ताकत झोंक दी। बता दें कि महाराष्ट्र की 288 विधानसभा सीटों और झारखंड की दूसरे चरण की 38 सीटों पर बुधवार को वोट डाले जाएंगे। झारखंड में पहले चरण का मतदान 13 नवंबर को समाप्त हो गया था। झारखंड की 38 सीटों पर होगी वोटिंग झारखंड की 38 सीटों पर 20 नवंबर को मतदान होगा। इसके लिए सोमवार को चुनाव प्रचार थम गया।

दिल्ली की एयर क्वालिटी बेहद खतरनाक, विजिबिलिटी 150 मीटर, 100 फ्लाइट्स देरी से पहुंचीं, 12वीं तक सभी क्लास ऑनलाइन

'हमसे पूछे बगैर ग्रैप-4 नहीं हटेगा' वायु प्रदूषण पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, दिल्ली सरकार को लगाई फटकार

नई दिल्ली ■

दिल्ली में प्रदूषण पिछले 6 दिनों से बेहद खतरनाक लेवल पर बना हुआ है। सोमवार सुबह यहां औसत एक्यूआई 481 रिकॉर्ड किया गया। अशोक विहार और बवाना में एक्यूआई 495 दर्ज किया गया।

गुरुग्राम में एक्यूआई लेवल 576 तक पहुंच गया। प्रदूषण के कारण छाई धुंध से पालम समेत कुछ इलाकों में विजिबिलिटी घटकर 150 मीटर रह गई। इस कारण 100 फ्लाइट्स ने देरी से उड़ान भरी। एयर इंडिया, इंडिगो और स्पाइसजेट की 15 फ्लाइट्स डायवर्ट की गईं। इनमें से 13 फ्लाइट्स जयपुर, एक लखनऊ और एक देहरादून डायवर्ट हुईं। बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए कमीशन फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट ने 18 नवंबर 2024 की सुबह 8 बजे से दिल्ली-एनसीआर में बदले हुआ ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (ग्रैप) के चौथे फेज को लागू कर दिया है। दिल्ली सीएम आतिशी ने बढ़ते प्रदूषण को मेडिकल इमरजेंसी बताया है। उन्होंने कहा कि भाजपा शासित राज्यों में पराली जलाने से दिल्ली की हवा प्रदूषित हो रही है। आतिशी ने ये ऐलान भी किया कि दिल्ली में 19 नवंबर से 12वीं तक की सभी क्लास ऑनलाइन लगेंगीं। अब तक 10वीं और 12वीं को छोड़कर बाकी क्लासेस ऑनलाइन की गई थीं। इधर, दिल्ली यूनिवर्सिटी ने 23 नवंबर तक ऑनलाइन क्लासेस चलाने का फैसला किया है। 25 नवंबर से फिजिकल क्लासेस दोबारा शुरू होंगी।

दिल्ली में मंगलवार से सभी क्लासेस ऑनलाइन

दिल्ली में ग्रैप-4 के लागू होने साथ ही कई तरह के प्रतिबंध लगाए गए हैं। 12वीं तक सभी क्लासेस ऑनलाइन क्लास चलाने को कहा गया है। साथ ही बच्चों, बुजुर्गों, सांस और दिल के मरीजों, पुरानी बीमारियों से पीड़ितों को घर के अंदर रहने की सलाह दी गई है। उधर, हरियाणा के भी 5 जिलों के प्राइमरी स्कूलों को बंद करने का आदेश जारी किया गया है। 14 जिलों में ग्रैप-4 के प्रतिबंध भी लागू किए गए हैं।

2,200 से ज्यादा पुरानी गाड़ियां जब्त कीं

दिल्ली परिवहन विभाग ने 1 अक्टूबर से 15 नवंबर के बीच 2,234 ज्यादा गाड़ियां जब्त कीं, जो बेहद पुरानी थीं। राजधानी में बिगड़ती वायु गुणवत्ता को देखते हुए यह कदम उठाया गया। इनमें 10 साल से ज्यादा पुराने 260 डीजल चार पहिया, 1,156 पेट्रोल दोपहिया वाहन और 15 साल से ज्यादा पुराने 818 पेट्रोल तीन और चार पहिया वाहन शामिल हैं। यह कार्रवाई दिसंबर तक चलेगी। जब्त वाहनों की स्क्रैपिंग या बिक्री के लिए एक ऑनलाइन पोर्टल शुरू किया है।

महाराष्ट्र के पूर्व गृहमंत्री अनिल देशमुख पर पत्थर से हमला

नागपुर ■

महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री और राकांपा (शरद गुट) के नेता अनिल देशमुख पर सोमवार रात नागपुर के काटोल विधानसभा क्षेत्र में हमला हुआ। अनजान शख्स ने उनके ऊपर पत्थर फेंका जिससे अनिल देशमुख के सिर में चोट लगी और वे गंभीर रूप से घायल हो गए। अनिल का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें उनके सिर से खून बहता दिख रहा है। वे तौलिए से अपने सिर को बांधे हुए हैं।

कांग्रेस ने नेता बाला साहब थोराट ने हमले की निंदा करते हुए कहा कि डिप्टी सीएम देवेन्द्र फडणवीस के जिले में एक पूर्व गृह मंत्री के साथ मारपीट किए जाने से सवाल उठता है कि राज्य में कानून का राज है या गुंडों का? वहीं भाजपा ने आरोप लगाया है कि ये एक चुनावी 'स्टंट' है। काटोल विधानसभा क्षेत्र के बीजेपी प्रभारी अविनाश ठाकरे ने कहा है कि देशमुख ने अपने ही कार्यकताओं से पथराव कराया है। अनिल देशमुख के बेटे सलिल काटोल विधानसभा क्षेत्र से एनसीपी के उम्मीदवार हैं। चुनाव प्रचार के आखिरी दिन देशमुख ने पूरे दिन क्षेत्र में प्रचार किया। शाम को नरखेड में उनकी बैठक हुई। बैठक खत्म होने के बाद वे कार्यकताओं के साथ कार से काटोल के लिए निकले थे।

मणिपुर हिंसा- 7 जिलों में अगले दो दिन इंटरनेट बैन

नई दिल्ली/इंफाल ■

मणिपुर में एक बार फिर हिंसा के कारण हालात बिगड़ते नजर आ रहे हैं। राज्य के 9 में से 7 जिलों में इसका असर है। 16 नवंबर को शुरू हुई हिंसा सोमवार को भी जारी रही। इसे ध्यान में रखते हुए मणिपुर सरकार ने 7 जिलों इंफाल पश्चिम, इंफाल पूर्व, बिष्णुपुर, काकचिंग, कांगपोकपी, थौबल और चुराचांदपुर में इंटरनेट-मोबाइल सर्विस लगा बैन 20 नवंबर बढ़ा दिया। इंफाल पश्चिम, इंफाल पूर्व जिलों में 17 नवंबर को लगाया गया कर्फ्यू भी अगले आदेश तक बढ़ाया गया। साथ ही सभी 7 जिलों स्कूल-कॉलेज और दूसरी संस्थाएं 20 नवंबर तक बंद रखने के आदेश दिए हैं।

सुरक्षाबलों सड़कों पर गश्त कर रहे हैं। सीएम बीरेन सिंह के आवास और राजभवन की सुरक्षा और बढ़ाई गई है। इधर, दिल्ली में गृह मंत्री शाह ने अधिकारियों संग मणिपुर हिंसा पर लगातार दूसरे दिन रिव्यू मीटिंग की। इसमें इसमें सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्स की अतिरिक्त 50 कंपनियां (5 हजार जवान) मणिपुर भेजने का फैसला किया गया। 8 नवंबर और 11 नवंबर की हुई घटनाओं की जांच नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी को सौंपी गई। दरअसल, 11 नवंबर को सुरक्षाबलों ने जिरिबाम में 10 कुकी उग्रवादियों को मार गिराया था। मुठभेड़ के दौरान कुकी उग्रवादियों ने 6 मैतेई (3 महिलाओं, 3 बच्चों) को किडनैप किया था।

जी-20 में राष्ट्रपति बाइडेन और प्रधानमंत्री मोदी की मुलाकात, ब्राजील में जुटे दुनियाभर के नेता

ब्रासीलिया ■

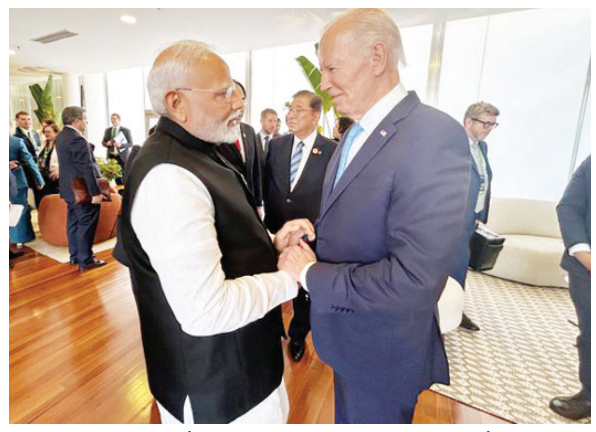

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ब्राजील के दौरे पर हैं. सोमवार को वह रियो डी जनेरियो में जी20 शिखर सम्मेलन में शामिल हुए. यहां पीएम मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन से मुलाकात की. प्रधानमंत्री ने बाइडेन के साथ तस्वीर ट्वीट करते हुए लिखा कि आपसे मिलकर हमेशा खुशी होती है. इस दौरान पीएम मोदी ने संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस समेत कई देशों के राष्ट्राध्यक्षों से मुलाकात की.

प्रधानमंत्री अपनी तीन देशों की विदेश यात्रा के दूसरे चरण में शिखर सम्मेलन के लिए ब्राजील पहुंचे हैं. पीएम मोदी 16-21 नवंबर तक नाइजीरिया, ब्राजील और गुयाना की पांच दिवसीय यात्रा पर हैं. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नाइजीरिया की यात्रा के बाद सोमवार को ब्राजील पहुंचे. रियो डी जनेरियो पहुंचने पर भारतीय समुदाय द्वारा संस्कृत मंत्रोच्चार के साथ उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया. 2014 और 2019 में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के बाद यह पीएम मोदी की ब्राजील की तीसरी यात्रा है. पिछले साल, भारत ने नई दिल्ली में जी20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी की थी.

'ब्राजील ने दिल्ली के फैसलों को आगे बढ़ाया'

जी20 को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, 'नई दिल्ली में जी20 शिखर सम्मेलन में लिए गए फैसलों को ब्राजील की अध्यक्षता के दौरान आगे बढ़ाया गया है. यह बहुत संतोष की बात है कि हमने एसडीजी लक्ष्यों को प्राथमिकता दी. हमने समावेशी विकास, महिला नेतृत्व वाले विकास और युवा शक्ति पर ध्यान केंद्रित किया. यह साफ है कि एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य, इस शिखर सम्मेलन में उतना ही प्रासंगिक है जितना पिछले वर्ष था.'उन्होंने कहा, 'पिछले 10 वर्षों में हमने 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला है. 80 करोड़ से ज्यादा लोगों को मुफ्त अनाज दिया जा रहा है. दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य बीमा योजना से 5.5 करोड़ लोग लाभान्वित हो रहे हैं.

रीट पेपर लीक घोटाले की अभ्यर्थी इमरती को दबोचा

जोधपुर। जोधपुर रेंज की स्पेशल साइक्लोनर टीम ने रीट पेपर लीक घोटाले मामले में फरार आरोपी इमरती बिश्नोई को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसे बम्बोर स्थित पिता के भोजनालय से दबोचा, जहां वह छिपकर रह रही थी। वह तीन बार पुलिस को चकमा देकर फरार हो गई थी। ढाबे के पीछे रहवास बना हुआ था। इस बार पुलिस दो-दो की टीम में ग्राहक बनकर ढाबे पर पहुंची और इमरती को दबोच लिया। उसकी गिरफ्तारी पर 25 हजार का इनाम घोषित था। साल 2021 के रीट परीक्षा घोटाले को लेकर इमरती के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। इसके बाद से वह फरार चल रही थी। जोधपुर रेंज आइजी विकास कुमार ने बताया कि उमरलाई निवासी इमरती पत्नी रमेश बिश्नोई को गिरफ्तार किया गया है।

उप्र में आमने सामने हुए SP-AIMIM अध्यक्ष

वैसे तो उत्तर प्रदेश उपचुनाव में योगी वर्सेज अखिलेश की सीधी जंग मानी जा रही है लेकिन इस जंग में एक और किरदार है जो अखिलेश यादव को टेंशन दे रहा है और वो हैं असदुद्दीन ओवैसी. आज चुनाव प्रचार के आखिरी दिन अखिलेश और ओवैसी मुजफ्फरनगर में थे, दोनों मीरापुर सीट पर चुनाव प्रचार कर रहे थे. अखिलेश यादव ने मीरापुर और कुंदरकी दोनों जगह रोड शो भी किया और रैली भी. असदुद्दीन ओवैसी ने भी मीरापुर में चुनावी सभा की और अखिलेश यादव पर जी भरकर कटाक्ष किये. वैसे समझने वाली बात ये है कि यूपी उपचुनाव हो या महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव, अखिलेश यादव और असदुद्दीन ओवैसी के बीच छत्तीस का आंकड़ा है. यूपी में ओवैसी अखिलेश का और महाराष्ट्र में अखिलेश यादव ओवैसी का गेम कैसे चौपट करने में जुटे हैं ये पूरी चुनावी मुहिमों में देखा गया है.

राहुल ने जाति जनगणना का उठाया मुद्दा एक हैं तो सेफ हैं नारे का उड़ाया मजाक

रांची ■

झारखंड विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के लिए 20 नवंबर को वोटिंग होगी. आज (18 नवंबर) चुनाव प्रचार के अंतिम दिन कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रांची में मीडिया से बात की. प्रेस कॉन्फ्रेंस में राहुल गांधी ने बीजेपी और केंद्र सरकार पर जमकर हमला बोला. राहुल गांधी ने आरोप लगाया की केंद्र की मोदी सरकार झारखंड का पैसा वापस नहीं कर रही है. उन्होंने जोर देते हुए कहा कि केंद्र को झारखंड का पैसा वापस कर देना चाहिए. इस दौरान राहुल गांधी ने बीजेपी के स्लोगन एक हैं तो सेफ हैं पर भी कटाक्ष किया.

पीसी में राहुल गांधी ने बीजेपी के एक हैं तो सेफ के नारे का भी मजाक उड़ाया. राहुल ने कटाक्ष करते हुए कहा कि अगर मोदी, शाह, अंबानी एक हैं तो वे सेफ हैं. उन्होंने कहा कि हम सरकार गरीबों के लिए चलाना चाहते हैं, अरबपतियों के लिए नहीं. भाजपा झारखंड में खदान, जंगल और जमीन पूंजीपतियों को सौंप रही है. हम इसका पुरजोर विरोध कर रहे हैं.

जाति जनगणना हमारी प्राथमिकता- गांधी

मीडिया से बात करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि मैंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से जाति जनगणना कराने और आरक्षण बढ़ाने का अनुरोध किया, लेकिन उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया. राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि भाजपा आरक्षण बढ़ाने और जाति जनगणना कराने की हमारी योजनाओं के खिलाफ है. उन्होंने कहा कि पीएम मोदी झूठ बोलते हैं कि मैं आरक्षण के खिलाफ हूं. विपक्षी गठबंधन इंडिया आरक्षण को बढ़ाना देना चाहता है. 50 फीसदी की सीमा को इंडिया गठबंधन हटाना चाहता है. राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस संस्थाओं, निजी कंपनियों, न्यायपालिका में अन्य पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति, आदिवासियों का प्रतिनिधित्व जानने के लिए जाति आधारित जनगणना कराएगी.

दिल्ली के पूर्व मंत्री कैलाश गहलोत भाजपा में शामिल

नई दिल्ली ■

आम आदमी पार्टी इस्तीफा देने के ठीक एक दिन बाद दिल्ली के मंत्री कैलाश गहलोत सोमवार को भाजपा में शामिल हो गए। अपने त्याग पत्र में, गहलोत ने दावा किया कि AAP और अरविंद केजरीवाल को निशाने पर लिया था। नजफगढ़ से विधायक कैलाश गहलोत ने रविवार को पत्र लिखकर मंत्रिपरिषद से तत्काल प्रभाव से इस्तीफा दे दिया था और AAP की प्राथमिक सदस्यता भी छोड़ दी थी। बता दें कि दिल्ली में अगले साल फरवरी में विधानसभा चुनाव हैं।

बीजेपी में शामिल होने के बाद कैलाश गहलोत ने कहा, कुछ लोग सोच रहे होंगे कि यह फैसला रातों-रात लिया गया है और किसी के दबाव में लिया गया है। मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि मैंने आज तक कभी किसी के दबाव में कुछ नहीं किय। मैं सुन रहा हूं कि एक यह कहानी गढ़ने की कोशिश की जा रही है कि यह ED और CBI के दबाव में किया गया, लेकिन यह सब गलत है। बीजेपी में शामिल होने के बाद कैलाश गहलोत ने कहा, मैं दिल्ली के लोगों की सेवा करने के उद्देश्य से AAP में शामिल हुआ।

व्यंग्य : बाला साहेब को हिंदू हृदय सम्राट कैसे बोलें राहुल..?

शिवसेना के संस्थापक बाला साहेब ठाकरे जो हिंदुओं के पक्ष में खुलकर बोलते थे, इस कारण वे हिंदू हृदय सम्राट के नाम से भी प्रसिद्ध रहे, लेकिन अब यही शब्द कांग्रेस सांसद राहुल गांधी कैसे बोलेंगे, जबकि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने यही चुनौती दी है. शिंदे जानते हैं कि वोटों के लिए तुष्टिकरण विचारधारा को अपनाने वाले राहुल गांधी को ऐसा बोलने में मुश्किल होगी. खैर शिंदे ने चतुराई के साथ अपना तीर चल दिया है और उन्होंने बाला साहेब के बेटे उद्धव ठाकरे द्वारा कांग्रेस से हाथ मिलाने पर भी तीखा हमला किया है..?

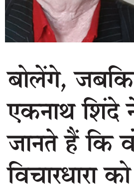

ग्लोबल हेराल्ड न्यूज एनालिसिस

GHNA

दिलीप शर्मा (वरिष्ठ पत्रकार)

सत्ता लोभ में हिंदू नेता हिंदू ना रहे : देख तेरे इंसान की हालत क्या..?

"सत्ता के लोभ में हिंदू, हिंदू ना रहे, देख तेरे इंसान की क्या हालत हो गई भगवान" ये पक्तियां हिंदू हृदय सम्राट कहे जाने वाले शिवसेना के संस्थापक बाला साहेब ठाकरे के पुत्र उद्धव ठाकरे पर तो यथार्थ साबित हो रही हैं, क्योंकि ' गर्व से कहो हम हिंदू है ' यह नारा देने वाले बाला साहेब ठाकरे की 17 नवंबर को पुण्यतिथि पर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने श्रद्धांजलि जरूर दी, लेकिन महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का तंज सटीक रहा कि राहुल गांधी हिंदू हृदय सम्राट बोलकर दिखाएं. स्पष्ट है कि वोटों के लिए तुष्टिकरण में उलझे राहुल ऐसा नहीं कहेंगे, भले ही अपने आप को कश्मीरी ब्राह्मण बताते फिरें और राम के अस्तित्व को नकारने के बाद मंदिर - मंदिर घूमते रहें, लेकिन जनता सब समझती है. इधर उद्धव ठाकरे भी सत्ता के लोभ में मुस्लिम बस्तियों में वोट मांगते फिर रहे हैं, और गरीबों की सबसे बड़ी बस्ती धारावी में अडानी के विकास प्रोजेक्ट का टेंडर रद्द करने की बात करते और राहुल उद्धव का समर्थन कर रहे हैं, लेकिन इसका क्या हश्र होगा, धारावी के हिंदू वोटर्स तय करेंगे.

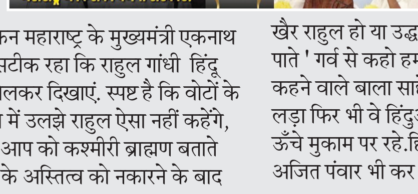

खैर राहुल हो या उद्धव दोनों ही अब नहीं कह पाते ' गर्व से कहो हम हिंदू हैं ' जबकि ऐसा कहने वाले बाला साहेब ने कभी चुनाव नहीं लड़ा फिर भी वे हिंदुओं के दिल में शोहरत के ऊँचे मुकाम पर रहे.हिंदू, हिंदू ना रहे को सार्थक अजित पंवार भी कर रहे हैं.?

सीएम महायुति से ही बनेगा : क्या शिंदे का दावा होगा सच..?- खैर एकनाथ शिंदे ने साफ कहा है कि मैं मुख्यमंत्री की रेस में नहीं हूं, लेकिन मुख्यमंत्री महायुति से ही बनेगा. शिंदे के विश्वास का बड़ा कारण उनकी लाड़ली बहना योजना है जिसके तहत महिलाओं को 1500 रू. हर माह दिए जा रहे हैं जो 2100 किए जाएंगे. इसके विपरीत एमवीए ने 3 हजार देने का वादा किया है, लेकिन भरोसा कम है. महाराष्ट्र में 9.53 करोड़ वोटर्स में महिलाएं 4.6 करोड़ हैं, इनका वोट जिन्हें उसकी ही सरकार. कुल आबादी में 79 फीसदी हिंदू, मुस्लिम सिर्फ 11.54 फीसदी, 32 फीसदी मराठा में भी सभी हिंदू ऐसे में हिंदुत्व कार्ड चला तो महायुति यानी बीजेपी गठबंधन की सरकार के चांस ज्यादा हैं, हालांकि क्या होगा, 23 नवंबर को स्पष्ट हो जाएगा..?

अमेरिका में गिरफ्तार हुआ लॉरेंस बिश्नोई का भाई अनमोल बिश्नोई

नई दिल्ली ■

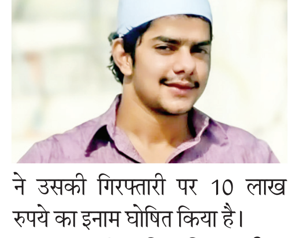

लॉरेंस बिश्नोनी के भाई अनमोल बिश्नोई को गिरफ्तार कर लिया गया है। रिपोर्ट्स के अनुसार अनमोल को अमेरिका के कैलीफोर्निया में हिरासत में लिया गया है। पिछले महीने भारत सरकार ने गैर जमानती धारा के तहत वारंट जारी किया था। जेल में बंद लॉरेंस बिश्नोई के छोटे भाई के प्रत्यर्पण के लिए मुंबई पुलिस ने अमेरिका को प्रस्ताव भेजा था। अमेरिकी अधिकारियों ने बताया थश कि अनमोल उनके देश में मौजूद है। बता दें कि अनमोल बिश्नोई पर 18 आपराधिक मामले दर्ज हैं। एनआईए ने उसकी गिरफ्तारी पर 10 लाख रुपये का इनाम घोषित किया है।

बाबा सिद्दीकी मर्डर केस में है नाम

बाबा सिद्दीकी मर्डर केस समेत कई अन्य हाईप्रोफाइल मामलों में अनमोल बिश्नोई को आरोपी के रूप में नामित किया गया है। इसके अलावा 14 अप्रैल को अभिनेता सलमान खान के घर गैलेक्सी अपार्टमेंट के बाहर हुई फायरिंग के मामले में अनमोल बिश्नोई का नाम सामने आया था। पुलिस ने मामले में दायर आरोप पत्र में लॉरेंस और अनमोल को आरोपी के रूप में दिखाया। इसी मामले में अनमोल के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी किया गया था। सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड में अनमोल वाटेंड है। अनमोल पर हत्या में इस्तेमाल किए गए हथियारों की आपूर्ति करने का आरोप है। अपराध की दुनिया में अनमोल ने अपने भाई लॉरेंस बिश्नोई के नक्शेकदम पर एंट्री ली है।

न्यूज ब्रीफ

इंदौर में स्ट्रीट फूड और होस्टल, कॉलेज के भोजन की जांच हुई, ये निकला सच

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। इंदौर कलेक्टर आशीष सिंह ने खाद्य सुरक्षा अधिकारियों को इंदौर शहर में बिकने वाले स्ट्रीट फूड की जांच के आदेश दिए हैं। कलेक्टर के द्वारा दिए गए आदेश में विशेषकर चायनीस फूड के साथ परोसे जाने वाले विभिन्न प्रकार की सॉस एवं चीज की जांच करने के लिए कहा गया है। यह भी कहा गया है कि सैंपल में कमी मिलने पर तुरंत सख्त कार्रवाई की जाए। कलेक्टर के निर्देश के बाद अपर कलेक्टर गौरव बैनल के मार्गदर्शन में पहले दिन विजय नगर स्थित मेघदूत चौपाटी पर स्ट्रीट फूट विशेषकर चायनीस फूड के साथ परोसे जाने वाले विभिन्न प्रकार की सॉस एवं चीज की सघन जांच की गई। टीम ने कई खाद्य पदार्थ के सैंपल लिए। इनमें मेंयोनीस, चीज, गार्लिक सॉस, पिज्जा, टॉपिंग चीज एंड चिली, टोमेटो कैचप, सेजवान सॉस, पास्ता पिज्जा सॉस, पिज्जा टॉपिंग क्रिमी टोमेटो आदि के सैंपल जांच के लिए लिए गए। इसी तरह एक अन्य कार्रवाई में सेज यूनिवर्सिटी स्थित मेस एवं कैंटीन का निरीक्षण जांच टीम द्वारा किया गया। टीम द्वारा केंटीन से रेड चिल्ली सॉस, जीरावण मसाला, विनेगर, हक्का नूडल्स के सैंपल तथा मेस से तुअर दाल एवं सौंफ के सैंपल लिए गए। जांच के दौरान परिसर में कमियां भी पाई गई, जिनमें सुधार के लिए सुधार सूचना पत्र जारी किया जा रहा है। जांच के लिए लिए गए सभी नमूनों को राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भोपाल भेजा गया है जिनकी विश्लेषण रिपोर्ट प्राप्त होने के पश्चात आगामी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर आशीष सिंह ने कहा है कि आम नागरिकों के स्वास्थ्य के दृष्टिगत खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा सतत्कार्रवाई जारी रखी जाएगी।

विश्व धरोहर सप्ताह आज से

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। विश्व धरोहर सप्ताह 19 नवम्बर से 24 नवम्बर 2024 तक मनाया जाएगा। इस सप्ताह के अन्तर्गत इन्दौर नगर में पुरातत्वीय धरोहर के प्रति जन सामान्य में रूचि के लिए विभिन्न आयोजन होंगे। उपसंचालक पुरातत्व अभिलेखागार एवं संग्रहालय पश्चिम क्षेत्र ने बताया कि 19 नवम्बर को राजवाड़ा स्मारक पर विरासत प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है। इस प्रदर्शनी का शुभारंभ वरिष्ठइतिहासकार डॉ. एस.के. भट्ट द्वारा सुबह 11.30 बजे किया जायेगा। यह प्रदर्शनी 24 नवम्बर 2024 तक रहेगी। व्याख्यानमाला का आयोजन केन्द्रीय संग्रहालय इन्दौर में 22 नवम्बर को किया गया है। यह कार्यक्रम 12 बजे से शुरू होगा। जिसमें मुख्य वक्ता विभागाध्यक्ष ट्रैवल एवं ट्यूरिज्म आईपीएस एकेडमी इंदौर डॉ. हरिराम पाटीदार, विभागाध्यक्ष इतिहास विभाग शासकीय अटल बिहारी कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय डॉ. सुश्री भार्गव तथा प्रोजेक्ट कॉडिलेटर (आई.जी.एन.सी.ए.) श्री आस्तिक भारद्वाज होगें। उक्त आयोजन में प्रवेश निःशुल्क है।

आबकारी विभाग की सख्त कार्यवाही जारी, होटलों, ढाबों सहित अन्य संदिग्ध स्थानों पर की गई कार्यवाही

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। कलेक्टर श्री आशीष सिंह के निर्देश एवं सहायक आबकारी आयुक्त श्री मनीष खरे के निर्देशन में अवैध मदिरा के कारोबार पर लगाम लगाने आबकारी विभाग द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। गत दिवस 16 और 17 नवंबर 2024 को जिले के विभिन्न आबकारी वृत्तों में होटलों, ढाबों और अन्य संदिग्ध स्थानों पर योजनाबद्ध तरीके से कार्यवाही की गई। जिसमें कुल 64 जगहों पर तलाशी कर 101 प्रकरण मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम की विभिन्न धाराओं में दर्ज किये गए। अन्य जगहों पर की गई कार्यवाही में 74.24 बल्क लीटर देशी मदिरा, 24 बल्क लीटर विदेशी मदिरा, 180 लीटर हाथ भट्टी मदिरा, 07 किग्रा भांग तथा 1180 किग्रा महुआ लहान जप्त किया गया। कार्यवाही के दौरान जप्त की गई कुल सामग्री की कीमत दो लाख 20 हजार 613 रुपये है। सहायक आयुक्त आबकारी विभाग ने बताया कि अवैध मदिरा का कारोबार करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई से जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने में मदद मिलेगी। इसके साथ ही अवैध गतिविधियों पर अंकुश भी लगेगा। विभाग की अलग-अलग टीमों द्वारा सघन रूप से अवैध रूप से मदिरा परिवहन होने वाले स्थानों पर भी वाहनों की चैकिंग की जा रही है।

विश्व शौचालय दिवस के अवसर पर जिला पंचायत कार्यालय में होगा जिला स्तरीय समारोह का आयोजन

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के निर्देशानुसार 19 नवम्बर को विश्व शौचालय दिवस पर ₹हमारा शौचालय हमारा सम्मान₹ अभियान प्रारंभ किया जा रहा है। यह अभियान 10 दिसम्बर तक आयोजित होगा। मुख्य कार्यपालन अधिकारी ?जिला पंचायत श्री सिद्धार्थ जैन ने बताया कि 19 नवम्बर को विश्व शौचालय दिवस के अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष की अध्यक्षता में जिला पंचायत कार्यालय के सभाकक्ष में दोपहर 3 बजे से जिला स्तरीय समारोह का आयोजन किया जायेगा। कार्यक्रम में जिले की प्रत्येक जनपद पंचायतों में सक्रिय स्वच्छताग्राही, प्रेरक, सफाई मित्र सहित स्वच्छता के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले नागरिकों को सम्मानित किया जायेगा।

ओ.पी. गोयल से गोयल साहब कहलाए : ऐसी शख्सियत रहे जिन्होंने फिल्मों को देखा नहीं बल्कि जिया

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

स्वर्गीय ओमप्रकाश जी गोयल यानि गोयल साहब एक ऐसी शख्सियत थी जिन्होंने फिल्मों को देखा नहीं बल्कि जिया है.फिल्म उद्योग से उनका नाता फिल्मों की सड़क पर की जाने वाली माउथ पब्लिसिटी से जुड़ा. इसके बाद उन्होंने फिल्म वितरक के साथ ही शहर और प्रदेश के कई सिनेमा के प्रबंधन की जिम्मेदारी भी वहन की. उनकी यात्रा यहीं रुकने वाली नहीं थी,इसके बाद फिल्म प्रोड्यूसर के रूप में 50 से अधिक फिल्मों में अपना योगदान दिया।उनके व्यक्तित्व की यह खासियत थी हर कार्य पूरी मेहनत और लगन के साथ करते थे.अहिल्या की नगरी इंदौर में एक साधारण परिवार में उनका जन्म 19 नवंबर 1949 को हुआ था.पिता स्व. शिवदयाल गोयल स्वदेशी मिल में क्लर्क की नौकरी करते थे.परिवार में उनके सहित 10 भाई-बहन थे.

प्राथमिक शिक्षा छावनी में स्थित शासकीय 2 नंबर स्कूल और माध्यमिक शिक्षा एसजीएचएस स्कूल में हुई. पढाई में वे भले ही साधारण थे लेकिन खेल-कूद, वाद-विवाद, संगीत और सांस्कृतिक गतिविधियों में अपनी प्रतिभा सभी को मनवा देते थे.खेलों में उनका प्रिय खेल फुटबाल था.इसके चलते उन्होंने इस खेल के कई टूनामेंट खेल और बाद में करवाए भी फिर तो लोग उन्हें ओमप्रकाश के स्थान पर ओम कमेटी कहने लगे. छात्र जीवन में आल इंडिया बाय स्काउट भी ज्वाइन कर ढेरो पुरस्कार जीते.इस दौरान वह मोड़ आया जिसके लिए उनका जन्म हुआ था. उन्होंने माउथ पब्लिसिटी विज्ञापन की दुनिया में कदम रखा जिसमें शहर में रिलीज होने वाले फिल्मों की आटो में बैठकर लाउड स्पीकर में बोलकर प्रचार किया जाता था.यह काम परिवार को पसंद नहीं आया तो पिताजी ने उन्हें अपने पास स्वदेशी काटन मिल में क्लर्क की नौकरी पर लगा दिया.इसके बाद 6. मार्च 1974 में उनका विवाह हुआ. विवाह के उपरांत दो बेटियों और

एक बेटे के पिता बने.प्रयास के बाद भी नौकरी में मन नहीं लगा तो फिर अपना पहला प्यार कहिए या पसंद, वे फिल्मों की ओर लौट आए और फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर के रूप में लक्ष्मी पिक्चर्स के नाम से फिल्म कालोनी में स्वयं का आफिस किराए पर लेकर शुरूआत की. कड़ी मेहनत,लगन और ईश्वर कृपा के साथ नि?तर सफलतापूर्वक प्रगति करते हुए सैंट्रल सर्किट सिनेमा एसोसिएशन में विभिन्न पदों पर रहते हुए इन्दौर के सिनेमा जगत को ऊंचाई पर पहुंचाया.11 अप्रैल1985 को सपना संगीता सिनेमा का मैनेजमेंट और एक्जिब्यूशन का काम मिलने से उनकी सफलता तेज गति से बढ़तीं गई.मध्य प्रदेश के पहले मल्टीप्लेक्स वेलोसिटी और इंदौर के जाने-माने सिनेमाघर जैसे आस्था, कस्तूर, अनूप और मध्य प्रदेश के कई सिनेमा का कुशल संचालन किया और काफी सारे सिनेमा की ओपनिंग उनके हाथों से हुई थी सिनेमा की बुकिंग का कार्य भी किया.इतना सबकुछ करने के बाद भी ये शांत नहीं बैठे और लगभग 50 -75 फिल्में बनाई और पहला टीवी सीरियल कबूतर खाना भी बनाया.इसके बाद उनकी ख्याति इंदौर ही नहीं मध्यप्रदेश,महाराष्ट्र और राजस्थान मैं पहुंच गई। वे सीसीसीए के डायरेक्टर पद पर भी रहे.मुंबई के उस समय के जितने भी ख्यात हीरो, संगीतकार, प्रोड्यूसर थे सभी उनके व्यवहार कुशलता के कायल रहे हैं.उनके महान गीतकार-संगीतकार स्व रविंद्र जैन से पारिवारिक संबंध थे. वे 2001 में बनी रविंद्र जैन संगीत एकेडमी ट्र्स्टी बने.उनके पुत्र आशीष गोयल फिल्म द्वारा अग्रवाल समाज की अग्रणी संस्था संस्था अग्रमंच द्वारा उनकी प्रेरणा से विभिन्न सामाजिक और सेवा गतिविधियां संचालित की जा रही है. आपने अपना संपूर्ण जीवन घर परिवार, मित्रों व समाज के सुख-दुख में शामिल होकर अपने स्तर पर सभी की मदद करके बिताया.कई प्राण घातक हमलों के बाद भी अपनी जिम्मेदारी से कभी डिगे नहीं और अपने लक्ष्य की ओर कड़ी नजर गड़ाते हुए ओमप्रकाश ओपी.गोयल फिर सिर्फ गोयल साहब हो गए.जिन्होंने अपने प्रोफेशन को आय का स्त्रोत नहीं बनाया बल्कि इसको कर्मपूजन का रुप दिया जिसके फलस्वरूप प्रोफैशन से संबंधित किसी भी प्रकार के कार्य अपने अनुभवों के आधार पर अपने सहकर्मियों की सहायता करते थे बदले में उनसे किसी भी प्रकार का मेहनताना नहीं लेते थे. सहकर्मी के कार्य को अपना कार्य समझकर परी मेहनत ओर लगन से करते थे.इस गुण के कारण पूरे व्यवसाय जगत में सभी सम्मानित करते थे.

इंदौर में नंदबाग सड़क बनेगी 100 फीट चौड़ी, बाधक बने पचास मकान तोड़े

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर में नंदबाग इलाके में नगर निगम ने सोमवार को बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। एक साथ पचास से ज्यादा मकान तोड़े गए। सुबह-सुबह हुई कार्रवाई से लोग भी भौंचक रह गए। बता दें कि टिगरिया बादशाह से खड़े गणपति मंदिर तक नगर निगम 100 फीट चौड़ी सड़क का निर्माण कर रहा है। सुबह आठ बजे सात पोकलेन और दस जेसीबी की मदद से मकान तोड़ने की मुहिम शुरू की गई। कुछ रहवासियों से स्वेच्छा से भी मकान तोड़ने लगे थे, लेकिन उनके चेहरे पर उदासी थी, क्योंकि वर्षों से वे इन मकानों में रह रहे थे। कुछ लोगों के पूरे मकान सड़क की चौड़ाई की जद में आ रहे थे। ज्यादातर कच्चे मकान बने थे, जो जल्दी टूट गए, लेकिन पक्के निमार्णों को तोड़ने में ज्यादा समय लगा।

नंदबाग सड़क मध्य क्षेत्र को सीधे सुपर कॉरिडोर से जोड़ती है।

एमआर-5 अटकी दूसरी तरफ छोटा बांगड़दा रोड कही जाने वाली एमआर-5 सड़क के काम को गति नहीं मिल पा रही है। यहां भी कई अतिक्रमण बाधक बने हुए हैं। सुपर कॉरिडोर से छोटा बांगड़दा गांव तक सड़क लगभग बन चुकी है। इस एक किलोमीटर की सड़क के आसपास कई टाउनशिप भी कट गई है। उसके आगे इंदौर वायर फैक्टरी तक काम होना है। ये रास्ता शहर के एयरपोर्ट रोड के ट्रैफिक को काफी हद तक कम कर सकता है।

आगे जाकर यह सड़क एमआर- 5 से जुड़ जाती है। इस सड़क की मास्टर प्लान में चौड़ाई 100 फीट है, लेकिन कहीं यह 60 फीट चौड़ी थी, तो कहीं 80 फीट की जगह सड़क के लिए मिल रही थी। बाधक निमार्णों को तोड़ने के लिए दस दिन पहले निगम ने लोगों को नोटिस दिए थे और स्वेच्छा से बाधक हिस्से हटाने के लिए कहा था, लेकिन तय मियाद तक लोगों ने निर्माण नहीं तोड़े थे। इस मार्ग पर 800 फ्लैटों की मल्टी भी प्राधिकरण ने बनाई थी, लेकिन कनेक्टिविटी बेहतर नहीं होने के कारण फ्लैट ज्यादा नहीं बिक पाए। यह सड़क सुपर कॉरिडोर से जुड़ेगी।

रंगदारी दिखा हफ्ता वसूली करने वाले का पुलिस ने निकाला जुलुस

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

खजराना थाना क्षेत्र में हफ्ता वसूली करने वाला पकड़ाया, खजराना पुलिस ने निकाला जुलुस, कैफे संचालक से मांगे थे 10 हजार रुपए इंदौर के खजराना में कैफे संचालक से हफ्ता वसूली करने पहुंचे बदमाश का पुलिस ने जुलूस निकाला। बदमाश के हाथ-पैर में चोट आई थी। जुलूस के दौरान उससे चलते नहीं बन रहा था। इसके बाद इलाके में ले जाकर संचालक से माफी भी मंगवाई गई। खजराना इलाके में पिछले दिनों साजिद अली नाम के कैफे संचालक से इमरान गौरी और उसके साथियों ने नशे और खर्चे के लिए 10 हजार रुपए मांगे थे। पुलिस में शिकायत के बाद सोमवार को आरोपी को गिरफ्तार किया गया। इसके बाद उसका जुलूस निकाला गया।

संभागायुक्त सिंह ने पैराप्लेजिक खिलाडी पूजा का सम्मान किया

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

संभागायुक्त श्री दीपक सिंह ने आज कैंसर जागरूकता की प्रेरक यात्रा में सहभागिता करने वाली अंतरराष्ट्रीय पैराप्लेजिक खिलाडी पूजा गर्ग का सम्मान किया। उन्होंने उनके द्वारा किये जा रहे प्रयासों की प्रशंसा करते हुए कहा कि पूजा समाज के लिए एक प्रेरणा है। विषम स्थिति में भी वे अपने जोश और जुनून से समाज को एक संदेश देने के कार्य में लगी हुई है। संभागायुक्त श्री सिंह ने पूजा को पौधा भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर आईडीए सीईओ श्री आर.पी. अहिरवार सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

इस अवसर पर सुश्री पूजा ने अपने विचार और उनकी जीवन यात्रा के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। उल्लेखनीय है कि पूजा गर्ग इंडिया टीम की कयाकिंग और केनों की पैरा एथलीट है। 2010 में एक स्पाइनल इंजरी होने से शारीरिक रूप से अक्षमता के

बावजूद वे समाज के लिए एक प्रेरणा है। वे कैंसर फाइटर भी है। 25 अक्टूबर 2024 को उन्होंने इंदौर से नाथुला 4500 किलोमीटर की कैंसर जागरूकता यात्रा फोर व्हीलर बाइक से की। एक नेक मकसद के साथ वे कैंसर जैसी भयानक बीमारियों से किस तरह से लड़ना है और डरना नहीं हैं। इस बात का संदेश जन-जन तक पहुंचा रही है। इस यात्रा का शीर्षक उन्होंने ठान लिया तो, ठान लिया रखकर अपनी यात्रा पूरी की। इस यात्रा के तहत वे जिस भी शहर और गांव से गुजरी उन्होंने आमजन को कैंसर जागरूकता का संदेश दिया।

बिजली कंपनी के कर्मचारी को लोकायुक्त ने रिश्वत लेते पकड़ा

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर में लोकायुक्त पुलिस ने भ्रष्टाचार की शिकायत आने पर बिजली कंपनी के कर्मचारी पर कार्रवाई की। इंदौर लोकायुक्त की टीम ने बिजली कंपनी के कर्मचारी को सोमवार को रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा।

सोलर वेंडर की फाइल बढ़ाने के लिए मांगी रिश्वत

लोकायुक्त पुलिस के मुताबिक उसने सोलर वेंडर की फाइल आगे बढ़ाने के लिए रिश्वत की मांग की थी। दीपक हार्डिया पिता धनिराम निवासी सुदामा नगर ने इस संबंध में शिकायत की थी। सीताराम रिन्यूएबल एनर्जी में हार्डिया वेंडर का काम करता है। हार्डिया ने बताया था कि बिजली कंपनी में पदस्थ बाबू जगदीश बरौनिया, पिता किशन लाल ने सोलर प्लांट के नेट मीटर की फाइल आगे

बढ़ाने के लिए 2 हजार रुपए की रिश्वत मांगी थी। कंपनी को ग्राहक मेघराज जायसवाल के घर पर यह नेट मीटर लगाना था।

रंगे हाथ पकड़ा गया

जगदीश द्वारा परेशान किए जाने पर हार्डिया ने लोकायुक्त से इसकी शिकायत कर दी। डीएसपी आरडी मिश्रा, निरीक्षक प्रतिभा तोमर, आदित्य भदौरिया और लोकायुक्त दल के अन्य सदस्यों ने मिलकर बरौनिया को रंगे हाथ पकड़ लिया। आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण संशोधन अधिनियम 2018 की धारा-7 के तहत कार्रवाई की गई है।

नेत्र परीक्षण: स्वस्थ आंखों के लिए अनिवार्य कदम

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

श्री गणेश नेत्रालय के संचालक और प्रसिद्ध नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. महेश अग्रवाल ने कहा कि आंखें हमारे शरीर की प्रमुख ज्ञानेंद्रियों में से एक हैं, जो हमें दुनिया को देखने और समझने की शक्ति देती हैं। उन्होंने बताया कि एक करोड़ रंगों का अंतर करने और प्रकाश के प्रति संवेदनशील आंखों को स्वस्थ रखने के लिए समय-समय पर नेत्र परीक्षण आवश्यक है।

डॉ. अग्रवाल ने यह बात स्वर्गीय गुरुजी बाबूलाल चौधरी स्मृति समिति द्वारा आयोजित निशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर के शुभारंभ अवसर पर कही। यह शिविर एमआईजी कॉलोनी के पंचदेव मंदिर परिसर में आधुनिक साधनों और 11 सदस्यीय प्रशिक्षित टीम के साथ आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में नागरिकों ने लाभ उठाया। मुख्य अतिथि श्री अशोक अधिकारी ने नेत्र शिविर

को ₹नेत्र ज्योति, जीवन ज्योति₹ निरूपित करते हुए कहा कि स्वस्थ आंखें स्वस्थ समाज और राष्ट्र निर्माण की दिशा में पहला कदम हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता गुरु माता पंडित रमा दीदी ने की, जिन्होंने डिजिटल युग में बढ़ती नेत्र समस्याओं पर चिंता जताते हुए नियमित नेत्र परीक्षण को समय की आवश्यकता बताया। विशिष्ट अतिथि पूर्व पार्षद श्रीमती निशा रूपेश देवलिया, पार्षद श्रीमती सोनिला मिमरोट भाटिया, वरिष्ठ पत्रकार मांगीलाल चौहान, और शिक्षाविद राहुल कांतिलाल लोदवाल ने भी अपने विचार रखे।

विश्व में 200 करोड़ नेत्र रोगी

कार्यक्रम में बताया गया कि विश्व में 200 करोड़ से अधिक लोग नेत्र रोग से पीड़ित हैं। भारत में मोतियाबिंद और अन्य बीमारियों के कारण लाखों लोग दृष्टिहीन हो रहे हैं। शिविर में इस दिशा में जागरूकता और समाधान का संदेश दिया गया।

भविष्य की पहल

कार्यक्रम के अंत में एडवोकेट अजय चौधरी ने आभार व्यक्त करते हुए बताया कि विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 5 में निशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर और नेत्रदान अभियान को लगातार जारी रखा जाएगा। इससे जरूरतमंद लोगों को निशुल्क नेत्र ऑपरेशन और चश्मे की सुविधा मिल सकेगी। कार्यक्रम का संचालन कैलाश चौधरी और नयन काकने ने किया। यह शिविर न केवल चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने का माध्यम बना, बल्कि आंखों की देखभाल और नेत्रदान की जागरूकता बढ़ाने का महत्वपूर्ण प्रयास भी सिद्ध हुआ।

पैसे होना ही सब कुछ नहीं...

फिर भी जिंदगी हसीन है...
dreamsachieverspune@gmail.com

आइए दोस्तों, आज के लेख की शुरुआत एक कहानी से करते हैं। बात कई साल पुरानी है, एक कबूतर और कबूतरी का जोड़ा एक पेड़ पर बैठ कर आपस में चर्चा कर रहा था। तभी उन्हें

निर्मल भटनागर (एजुकेशनल कंसलटेंट एवं मोटिवेशनल स्पीकर)
ग्लोबल हेराल्ड

काफ़ी दूर से एक आदमी आता हुआ दिखा। उसे देखते ही कबूतरी के मन में कुछ शंका हुई और उसने तत्क्षण कबूतर से कहा, 'मुझे यह इंसान शिकारी लगता है, चलो हम जल्दी से उड़ जाते है। अन्यथा यह हमें मार डालेगा।' कबूतरी की बात पर कबूतर हँसते हुए बोला, 'कैसी नादानी वाली बात कर रही हो। गौर से देखो उसे कितना समझदार, नेक और सज्जन इंसान लग रहा है। उसके चेहरे से तो शराफ़त टपक रही है, यह क्या मारेगा हमें।'

कबूतर के तर्कों ने कबूतरी को निरुत्तर कर दिया था। अब वह एकदम निश्चित हो चुपचाप बैठी हुई थी। कुछ देर में वह आदमी जैसे ही उस पेड़ के क़रीब पहुंचा, उसने अपने कपड़ों में से छिपाया हुआ तीर-कमान निकाला और झट से कबूतर का शिकार कर लिया। बेचारे कबूतर के प्राण पखेरू उसी क्षण उड़ गए। असहाय कबूतरी ने किसी तरह भाग कर अपनी जान

बचाई और शाम को रोते-बिलखते राजमहल पहुंची और राजा को पूरा किस्सा कह सुनाया। राजा जो की बड़ा ही दयालु इंसान था, उसने खोजबीन कर उस शिकारी को जल्द ही ढूँढ लिया और फिर अपने सिपाहियों को उसे राज दरबार में पेश करने का आदेश दिया। राज दरबार में राजा के तेवर को देखते ही, शिकारी ने डर के कारण अपना जुर्म कुबूल कर लिया। राजा ने कबूतरी को अपने पास बुलाया और उसे ही शिकारी को कबूतर की हत्या की सजा सुनाने का अधिकार देते हुए कहा, 'तुम्हारा गुनहगार तुम्हारे सामने है और उसने अपना जुर्म भी कबूल लिया है। अब तुम इसे जो भी सजा देना चाहो, दे सकती हो। तुम्हारी सुनाई सजा पर तत्काल अमल किया जाएगा।' कबूतरी ने शिकारी की ओर देखते हुए बड़े दुखी मन से कहा, 'हे राजन, मेरा जीवन साथी तो अब इस दुनिया से चला गया और अब वह कभी भी लौटकर नहीं आएगा। इसलिए इसे दी गई कोई भी सजा मेरा दुख, मेरी परेशानी दूर नहीं कर पाएगी। मेरा तो मानना है कि जब हम किसी को जीवन दे नही सकते तो हमें किसी का जीवन लेने का अधिकार भी नहीं है। इसलिए मेरे विचार से इस शिकारी को बस इतनी ही सजा दी जानी चाहिए कि जब वह शिकार करने जाये, तब शिकारी के भेष में ही जाये। अर्थात् इस शिकारी को शिकारी का ही लिबास पहनकर घूमना चाहिए, जिससे किसी के साथ कोई धोखा ना हो सके। दोस्तों, उक्त कहानी मुझे पिछले कुछ दिनों में मानवता को शर्मसार कर देने वाली घटनाओं को पढ़ कर याद आई। जिसमें इंसानों की खाल में मौजूद भेड़ियों ने भोले भाले बच्चों, सीधे-साधे युवाओं का विश्वास तोड़ा था। उन घटनाओं को पढ़ते वक्त मेरे मन में एक ही विचार चल रहा था कि कहीं ना कहीं समाज के तौर पर हम अपने बच्चों और युवाओं को ना तो सही मूल्य सिखा पा रहे हैं और ना ही उन्हें यह समझा पा रहे हैं कि शराफ़त और ईमानदारी का लिबास ओढ़कर धोखे से घिनौने कर्म करने वाले सबसे बड़े नीच होते हैं और यही लोग समाज के लिए सबसे ज्यादा हानिकारक भी होते हैं। यह बात बिल्कुल सही है कि हमें अपने जीवन को ऐसे लोगों से बदला लेने की आग में बर्बाद नहीं करना है। बल्कि उन्हें पूरे मन से माफ कर जीवन में आगे बढ़ना है। इसलिए नहीं कि हम कोई संत हैं, बल्कि इसलिए ताकि हम अपने जीवन को शांति से जी सकें। लेकिन इससे समस्या ख़त्म या कम नहीं होगी, उसके लिए हमें आधुनिक शिक्षा को और अधिक जीवन मूल्य और इंसानियत पर आधारित बनाना पड़ेगा और साथ ही बच्चों को सही उम्र से यह भी सिखाना होगा कि पैसा जीवन के लिए जरूरी है, लेकिन पैसे वाला होना ही सब कुछ नहीं है। एक बार विचार करियेगा...

करुणा भाई का अभिनन्दन समारोह संपन्न

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी संस्था ओर कोठारी इंस्टिट्यूट के संयुक्त तत्वाधान में आज राजयोगी ब्रह्माकुमार करुणा भाई,मीडिया विंग अध्यक्ष का अभिनंदन जाल सभागृह में किया गया.

इस अवसर पर परिवार और हम पर एक आध्यात्मिक चर्चा भी की गई जिसमें करुणा भाई ने कहा कि भारत के अंदर पहले गुरुकुल परम्परा थी , जिस पर हम गुरु को सम्मान देते थे और भारत को वर्तमान में ऐसी जरूरत है कि भारत वापस में एक विश्व गुरु बन सके इसके लिए एक आध्यात्मिक शिक्षा का होना बहुत जरूरी है परमात्मा एक है और हर धर्म में परमात्मा को एक ही माना गया है. हम परमात्मा की प्रेयर करें उसकी शिक्षाओं को अपने जीवन में धारण करें कोरोना महामारी ने हमें समझा दिया है कि कौन हमारा है कौन पराया है. आज प्रकृति ने हमें पांच तत्व फ्री में दिए थे उसकी वैल्यू हमें कोरोना में मालूम पड़ी की हवा भी बिकने लगी थी पानी भी

बिकने लगा था तो परमात्मा ने हमें पांच तत्व निशुल्क दिए गए हैं हम जीवन में परमात्मा का शुक्रिया अदा करें कि परमात्मा ने हमें यह पांच तत्व निशुल्क दिए हम उनकी केयर करें इंदौर संभाग की कमिश्नर श्री दीपक सिंह ने कहा कि परिवार की भाषना आने पर हम एक सुरक्षित माहौल में रहते हैं और भारतीय संस्कृति में परिवार को बहुत महत्व दिया गया है. वर्तमान समय की आवश्यकता है कि हम अपने परिवार की ओर और समाज की ओर ध्यान दें इस अवसर पर कमिश्नर साहब ने कहा कि मैं इंदौर के कोठारी परिवार जिनकी शैक्षणिक इंस्टिट्यूट में मेने अध्ययन किया ओर आज इस मुकाम पर पहुंचा. इंदौर जोन की इंचार्ज राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी आरती दीदी ने कहा कि राजयोग एक रसगुल्ला के समान है जब तक हम इसको टेस्ट ना करेंगे तब तक हमें मालूम नहीं पड़ेगा ,राजयोग का अभ्यास करेंगे तो हम उसके रस में डूब सकेंगे . इस अवसर पर लांयस इंटरनेशनल, रोटरी इंटरनेशनल , गायत्री परिवार विभिन्न संस्थाओं के द्वारा आदरणीय करुणा भाई का नागरिक अभिनंदन किया गया. इस अवसर पर मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस बी डी राठी जी, अमेरिका से पधारी बीके मेघना जैन, श्रीमती लक्ष्मी गुप्ता ने भी संबोधित किया.

मुद्रा महोत्सव 6 से 8 दिसम्बर तक होगा

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। देश के सबसे स्वच्छ शहर में मुद्रा विद्वान और संग्राहकों का जमावड़ा दिसम्बर माह में होगा। इंदौर फिलेटलिक सोसाइटी एव इंदौर मुद्रा सोसाइटी के बैनर तले 6,7 और 8 दिसंबर को मुद्रा उत्सव होगा। यह जानकारी वरिष्ठ मुद्रा एवं डाक टिकट संग्राहक गणों की सभा में दी गयी। मुख्य संरक्षक गिरीश शर्मा आदित्य द्वारा सिक्कों पर जानकारी एवं आगामी दिसंबर माह की एग्जीबिशन की विस्तृत जानकारी दी। सभा के सभापति लक्ष्मीकांत जैन की मौजूदगी में महत्वपूर्ण कार्यक्रम की जानकारी साझा की गई।

न्यूज ब्रीफ

मशहूर शायर नौशाद इंदौरी दर-दर भटक रहे, 6 बच्चे, कोई नहीं रख रहा

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। राहत इंदौरी, मुनव्वर राणा जैसे बड़े-बड़े शायरों के साथ देश का नाम रोशन करने वाले नौशाद इंदौरी 90 वर्ष की उम्र में दर-दर भटकने को मजबूर हैं।

6 बच्चे होने के बावजूद भी उन्हें देर रात तक सड़कों पर भटकते हुए पाया गया। रविवार रात को वे सदर बाजार थाना क्षेत्र में अकेले भटक रहे थे। आसपास के लोगों ने जब उनसे बात की तो पता चला कि वे नौशाद इंदौरी हैं। उनकी हालत देख लोगों ने आसपास के समाजसेवियों को बुलाया। महाकाल संस्था के जय्यू जोशी और करीम पठान उनके पास पहुंचे और उन्हें वैन से निराश्रित सेवा आश्रम पहुंचाया। इसके साथ ही पुलिस को भी मामले की सूचना दी। जय्यू जोशी ने बताया कि पुलिस की काउंसलिंग टीम संभवतः उनके परिजन को बुलाकर उन्हें समझाने का प्रयास करेगी। तब तक वे वृद्ध आश्रम में ही रहेंगे। मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी ने नौशाद इंदौरी के ऊपर शोखए परवाज नामक किताब लिखी थी। नौशाद 90 वर्ष की आयु में 6 संतानों के पिता हैं और कोई भी बच्चा उन्हें साथ में नहीं रखना चाहता है। जय्यू जोशी ने बताया कि वे बहुत बुजुर्ग हो गए हैं और उनकी शारीरिक स्थिति को देखते हुए बच्चे अब उन्हें अपने घर में नहीं रखना चाहते।

बाइक चुराते गुंडे को पोहे वाले ने पकड़ा, गुंडा पुलिस कर्मियों को काटकर पुलिस वाहन से भागा

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। इंदौर में गुंडे छोटे दुकानदारों को भी नहीं छोड़ रहे है। इंदौर में महूनाका चौराहा के पास एक गुंडे ने पोहे का ठेला लगाने वाले गणेश गुर्जर की बाइक चुरा ली। गणेश ने बाइक को धक्का देकर गिराया और गुंडे पर काबू पाने की कोशिश की। उसने चाकू और पिस्टल निकाल ली, लेकिन गणेश ने पकड़ ढीली नहीं होने दी। इस दौरान गुंडे ने गणेश के हाथ और पैर पर काट लिया। इस बीच उसकी मदद के लिए एक सिख परिवार के लोग आ गए औ गुंडे को रस्सियों से बांध दिया। सूचना देने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। दो पुलिसकर्मी गुंडे को उठाने पहुंचे तो उसने उनके भी पैरों में काट लिया। उसे पुलिस वाहन में बैठाया। घटना स्थल से अन्नपूर्णा पुलिस थाना आधा किलोमीटर भी दूर नहीं था, लेकिन पांच पुलिस जवान भी गुंडे को नहीं संभाल पाए और वह पुलिस वाहन से उतरकर भाग गया। पुलिसकर्मी उसका पीछा करने में भी असफल साबित हुए। फरियादी गणेश गुर्जर ने बताया कि गुंडा रविवार को पोहा खाने आया था, लेकिन पैसे नहीं चुकाए। इस बात पर कहासूनी हो गई। सोमवार दोपहर वह फिर आया और धीरे से दूसरी चाबी से बाइक का लॉक खोल लिया और उसे लेकर जाने लगा। मैं उसके पीछे दौड़ा और बाइक को जोर से धक्का दिया। इसके बाद गुंडा सड़क पर गिर पड़ा तो मैंने उसे पकड़ लिया। उसकी जेंब में चाकू और पिस्तौल भी थी। उसे मदद के लिए आए लोगों ने निकाल लिया। हमने उसे रस्सी से बांध दिया और पुलिस के हवाले कर दिया, लेकिन पुलिस वाहन से वह भाग गया।

400 से ज्यादा युवाओं को मिलेगा शहर में रोजगार

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। इंदौर के 400 से ज्यादा युवाओं को आने वाले 20 नवंबर को रोजगार मिलने वाला है. इंदौर के कलेक्टर आशीष सिंह ने 20 नवंबर को रोजगार मेला लगाने के दिशा-निर्देश दिए हैं. इस रोजगार मेला को औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था और रोजगार कार्यालय के अधिकारियों के माध्यम से आयोजित किया जा रहा है रोजगार मेले की सबसे खास बात ये है कि इसमें कंपनियों के प्रतिनिधियों की ओर से प्रत्यक्ष तौर पर इंटरव्यू के माध्यम से लोगों को चुना जाएगा. रोजगार मेले में शामिल होने वाले आवेदको की उम्र 18 साल से लेकर 40 साल के बीच में होनी चाहिए. इसके साथ ही शिक्षा हाई स्कूल से लेकर स्नातकोर किसी भी विषय में पास होना जरूरी है. इसके साथ ही तकनीकी योग्यता जैसे आईटीआई पास अभ्यर्थी भी अपनी योग्यतानुसार रोजगार के लिए आवेदन दे सकते हैं. रोजगार मेले में शामिल होने वाले आवेदक अपनी समस्त शैक्षणिक योग्यता अनुसार प्रमाण पत्रों, बॉयोडेटा की प्रतियों और अन्य सभी आवश्यक प्रमाण पत्र की प्रतियां भी साथ ले जाए। कलेक्टर आशीष सिंह ने कहा तकनीकी रूप से कुशल युवाओं के रोजगार के लिए ये मौका बेहद महत्वपूर्ण है, जिसमें कई तरह की कंपनियां भाग ले रही है. रोजगार मेला में शामिल होने वाली कंपनियों में मोजेक वर्क स्कील, जस्ट डायल, श्याम मोटर, बालाजी सुरक्षा, पटेल मोटर, डी.डी. इंडस्ट्रीज, फार्मा ग्रोथ, मेडप्लस दीप्ति इंटरप्राइजेज, डीएंडएच सेचरौन समेत कई कंपनियां शामिल है. इनमें 400 से ज्यादा अलग-अलग पोस्ट जिसमें सेल्स एग्जीक्यूटिव, टेलीकॉलर, मशीन ऑपरेटर, पैकिंग, सेल्स, टीम लीडर, ड्राइवर, बैंक ऑफिस वर्क, हेल्पर, इलेक्ट्रीशियन, फिटर वेल्डर पदों पर भर्ती की जा रही है।

सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणों के निराकरण में अधिकारी अपने-अपने विभाग की रैंकिंग में लाये सुधार- अन्यथा होगी कार्यवाही

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने निर्देश दिए है कि सीएम हेल्पलाईन के अधिक से अधिक प्रकरणों का निराकरण सुनिश्चित किया जाए। अधिकारी अपने-अपने विभाग की रैंकिंग में सुधार लाए। हर विभाग की रैंकिंग 40 से अधिक नहीं हो। 40 से अधिक रैंकिंग आने पर संबंधित विभाग के अधिकारियों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही की जाएगी। कलेक्टर श्री आशीष सिंह की अध्यक्षता में आज यहां समय-सीमा के पत्रों के निराकरण (टीएल) की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री शिवम वर्मा, स्मार्ट सिटी के सीईओ श्री दिव्यांक सिंह, अपर कलेक्टर श्री गौरव बेनल तथा श्रीमती ज्योति शर्मा, इंदौर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आर.पी. अहिरवार, अपर कलेक्टर श्री रोशन राय, श्री राजेन्द्र रघुवंशी, श्रीमती निशा डामोर सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे। बैठक में कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने सीएम हेल्पलाईन के तहत दर्ज प्रकरणों के निराकरण की विभागवार समीक्षा की। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी प्रतिदिन सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणों को देखें और उसी दिन निराकरण की प्रक्रिया प्रारंभ करें। एक भी आवेदन नान अटेंड नहीं रहे। अगर एक भी शिकायत ऐसी मिलती है जिसमें कोई भी कार्रवाई नहीं हुई है तो संबंधित अधिकारी के विरूद्ध कार्रवाई की जायेगी।

इंदौर में 4 लेन से 8 लेन होगा रेलवे ओवर ब्रिज, 80 करोड़ रुपए आएगी लागत

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

सिंहस्थ 2028 की इंदौर में तैयारियां शुरू हो गई हैं। उज्जैन की ओर जाने वाली अहम सड़क एमआर-10 पर बने रेलवे ओवर ब्रिज पर बॉटलनेक की स्थिति हो जाती है। आइडीए अब इसे 4 लेन से 8 लेन करने जा रहा है। इसके लिए रेलवे को प्रस्ताव भेज दिया है। 27 लाख रुपए जमा भी करा दिए गए हैं। 2026 के अंत तक ब्रिज तैयार करने का लक्ष्य है।

विजय नगर सहित शहर के पूर्वी क्षेत्र को एयरपोर्ट और उज्जैन रोड से जोड़ने में एमआर-10 सड़क अहम है। यहां दो लाख से अधिक वाहनों की नियमित आवाजाही है। दो दशक पहले आइडीए ने ओवर ब्रिज का निर्माण कराया था, जिस पर वाहन चालकों को 17 साल तक टोल चुकाना पड़ा। आइडीए ने तीन माह पहले टोल बंद कर दिया और अब रेलवे ओवर ब्रिज को 8 लेन बनाने जा रहा है।

सिंहस्थ 2028 में होगा वाहनों का भारी लोड

दरअसल, पूरी सड़क 8 लेन है, लेकिन ओवर ब्रिज के यहां बॉटलनेक की स्थिति बन जाती है। वाहन अधिक होने से कई बार लंबी कतार लग जाती है। आइडीए सीईओ रामप्रसाद अहिरवार ने बताया कि सिंहस्थ 2028 में वाहनों का भारी लोड रहेगा। इसे देखते हुए आइडीए ने इसे 8 लेन करने का फैसला किया है। रेलवे ओवर ब्रिज होने से योजना जनरल अरेंजमेंट ड्राइंग रेलवे से एप्रूव होगी। इसका प्रस्ताव रेलवे को भेजकर 27 लाख

रुपए प्रोसेसिंग फीस जमा कर दी है। रेलवे की क्यूरी भी पूरी कर दी है।

उत्तरी हिस्से में बनेगा ब्रिज

ओवर ब्रिज की लागत 75 से 80 करोड़ रुपए आएगी। पूर्व में बने ओवर ब्रिज का काम पार्थ कंस्ट्रक्शन कंपनी को दिया था, जिसने शर्त के अनुसार वर्षों तक टोल वसूला। संभावना है कि इस बार आइडीए बनाएगा। आइडीए आमतौर पर ओवर ब्रिज पूरा करने के लिए 18 माह समय दे रहा है, लेकिन रेलवे ओवर ब्रिज होने से 24 माह का समय दिया जाएगा। 6 माह का अतिरिक्त समय इसलिए भी होगा, क्योंकि पटरी के ऊपरी हिस्से का निर्माण रेलवे की निगरानी में होता है, जिससे काम की गति धीमी होती है और ट्रेनों की आवाजाही का भी ध्यान रखा जाता है।

एमआर-10 के दक्षिणी हिस्से में मेट्रो ट्रेन का ट्रैक व स्टेशन बन गए हैं इसलिए रेलवे ओवर ब्रिज उत्तरी हिस्से में बनेगा यानी लवकुश चौराहे से विजय नगर आने वाले रास्ते के बाईं तरफ होगा। इसके बनने के बाद मौजूदा मार्ग लवकुश चौराहे की ओर जाने वाला हो जाएगा।

इसलिए भी जरूरी

सुपर कॉरिडोर और उज्जैन रोड पर तेजी से नई टाउनशिप बस रही हैं और भविष्य में अहिल्या पथ भी आकार लेगा। शहर के पूर्वी क्षेत्र व देवास की ओर से आकर विजय नगर, चंद्रगुप्त चौराहा से सुपर कॉरिडोर होकर एयरपोर्ट जाने वाले यात्री एमआर-10 का ही इस्तेमाल करते हैं। इसके चलते यह मार्ग अति महत्वपूर्ण हो गया है।

ऑस्ट्रेलियाई सर्वर इस्तेमाल कर रहा था ठग का सरगना, छह राज्यों की पुलिस जांच में जुटी

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

डिजिटल अरेस्ट के जरिए करोड़ों रुपये वसूलने वाला ठग जयसिम्हा रेड्डी ऑस्ट्रेलिया का सर्वर का उपयोग कर रहा था। उसकी गैंग के कई सदस्य दुबई में रहते हैं। यह बात जयसिम्हा के भाई के. कृष्ण कुमार ने अपराध शाखा के अधिकारियों को पूछताछ में बताई है।

विदेश भागने की आशंका पर जयसिम्हा के लिए पुलिस एलओसी जारी करवा रही है। एडिशनल डीसीपी (अपराध) राजेश दंडोतिया के मुताबिक, सॉफ्टवेयर इंजीनियर के साथ हुई 12 लाख 10 हजार रुपये की धोखाधड़ी के मामले में के. कृष्णकुमार निवासी साइबराबाद (तेलंगाना) को गिरफ्तार किया था। आयकर विभाग में मल्टी टास्किंग

की नौकरी करने वाला कृष्ण कुमार गैंग का अहम सदस्य है। वह जयसिम्हा के इशारे पर रुपये इधर-उधर करता था। कृष्ण कुमार को पांच दिन के लिए रिमांड पर लिया है। एडीसीपी के मुताबिक, कृष्ण कुमार ने बताया कि जयसिम्हा अक्सर दुबई जाता रहता था। साइबर अपराध में माहिर जयसिम्हा दुबई से ही गैंग को ऑपरेट करता था। अपनी पत्नी श्वेता और कृष्ण कुमार से इंटरनेट कालिंग के जरिए ही बात करता था। जयसिम्हा जांच एजेंसियों को चकमा देने के लिए ऑस्ट्रेलिया के सर्वर का उपयोग करता था। पुलिस को शक है आरोपित टेक्स्ट एप या वीपीएन का उपयोग कर रहा था। हाई टेक प्रकरण की जांच के लिए साइबर एक्सपर्ट की सहायता ली जा रही है। जयसिम्हा के नंबर और सर्वर की जांच जारी है। पुलिस को शक है आरोपित गिरफ्तारी के डर से विदेश भाग सकता है। पासपोर्ट विभाग से जानकारी लेकर एलओसी जारी करवाया जाएगा।

साइबर अपराध में शामिल पत्नी की भूमिका संदिग्ध

कृष्ण कुमार ने पुलिस को बताया कि जयसिम्हा की पत्नी श्वेता को उसके कारनामों की जानकारी रहती थी। बुटिक चलाने वाली श्वेता पहले जयसिम्हा के साथ धोखाधड़ी करती थी। विशाखापट्टनम में उसकी गिरफ्तारी हो चुकी है। जयसिम्हा पूरे देश में ठगी कर रहा था। छह राज्यों की पुलिस उसकी जांच कर रही है। उसके 111 से अधिक बैंक खातों को फ्रीज करवाया जा चुका है। पुलिस ने श्वेता की भूमिका की जांच शुरू कर दी है। एक प्रकरण में गुजरात पुलिस श्वेता से पूछताछ भी कर चुकी है। उधर, इसी तरह के एक अन्य मामले में साइबर अपराधियों ने एक व्यक्ति को जाल में फंसाने का प्रयास किया। अपराधियों ने ट्राई-सीबीआई और मुंबई क्राइम ब्रांच का अधिकारी बनकर धमकाया और रुपयों की मांग की। अपराधी डिजिटल अरेस्ट करते, इसके पहले ही उनकी असलियत सामने आ गई। पीड़ित ने पुलिस को बताया कि अपराधियों ने सिमकार्ड बंद करने का नोटिस भेजा और कहा कि अवैध गतिविधियों में उनके नंबरों का उपयोग हुआ है। इसके बाद मुंबई क्राइम-ब्रांच के नाम से आए फोन पर धमकाया गया कि उसके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

शहर में बनेगा ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर तीन स्टेशनों से सीधा जुड़ेगा

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

मध्यप्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर में पहला ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर बनने जा रहा है। इससे यात्रियों को बेहद खास सुविधा मिलेगी। इस ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर में दो बस स्टैंड, तीन रेलवे स्टेशन और दो मेट्रो स्टेशन शामिल होंगे। बताया जा रहा है कि ये कॉरिडोर 6.5 किलोमीटर लंबा होगा।

ये नया ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर सरवटे बस स्टैंड से शुरू होकर कुमेड़ी में स्थित आईएसबीटी पर खत्म होगा। कॉरिडोर बनने से यात्रियों को भारी राहत मिलेगी। इसके साथ ही बीआरटीएस, विजयनगर, सुखलिया में जाम से बड़ी निजात मिलेगी। नया कॉरिडोर इंटर स्टेट और इंटरसिटी बस के संचालन में भी मदद करेगी।

3 रेल्वे स्टेशन से जुड़ेगा ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर- नए ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर में सरवटे बस स्टैंड, कुमेड़ी आईएसबीटी जैसे दो बस स्टैंड आएंगे। इसके अलावा इंदौर रेलवे स्टेशन, नेहरू पार्क रोड रेलवे स्टेशन और लक्ष्मी बाई नगर स्टेशन के अंदर ही कॉरिडोर आएंगे। कुमेड़ी में कॉरिडोर के साथ ही मेट्रो स्टेशन भी रहेगा।

कैसे होगा ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर का काम

पहले चरण में लगभग 6.5 किलोमीटर का काम पूरा होगा। जिसमें सरवटे बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, राजकुमार मिल ब्रिज, वल्लभ नगर, भंडारी मिल ब्रिज, भागीरथपुरा, पोलोग्राउंड, लक्ष्मीबाई नगर स्टेशन से कुमेड़ी आईएसबीटी तक इलाका कवर होगा। दूसरे चरण में सरवटे सरवटे, अग्रसेन प्रतिमा (वाया गाड़ी अड्डा ब्रिज या लुनियापुरा), नौलखा, तीन इमली, पालदा चौक से नायता मुंडला आईएसबीटी तक 5 किलोमीटर लंबा कॉरिडोर बनाया जाएगा।

थार में आए गांव वाले और लाइनमैन को किडनैप कर ले गए

महू-गौतमपुरा (इंदौर)। गौतमपुरा थाना क्षेत्र में शनिवार को मध्य प्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के लाइनमैन को गांव के कुछ लोग कार्यालय से उठाकर वाहन में जबरन बैठाकर ले गए। पुलिस ने तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। दरअसल, लाइनमैन ने तीन दिन पहले गांव में अवैध बिजली कनेक्शन काटा था। पुलिस के अनुसार गौतमपुरा के चंबल नाका निवासी राजेंद्र सिंह मस्कोले गौतमपुरा जोन में लाइनमैन के पद पर कार्यरत हैं। शनिवार को मस्कोले सुनाला गांव गए थे। वहां उन्होंने अवैध बिजली कनेक्शन को काटा था। इस पर गांव के विनोद, जयराम और विशाल से विवाद हो गया।

दरवाजा खोलते ही घर में घुसी नशे में चूर अनजान युवती, लेटकर कपड़े उतारने लगी

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

संविद नगर में शनिवार रात एक युवती ने जमकर हंगामा किया। महिलाओं से हाथापाई और बाइक सवारों के साथ अभद्रता की। पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे, लेकिन महिला बल नहीं होने से असहाय खड़े रहे। घटना रात करीब तीन बजे की है। जींस-टीशर्ट पहनी इस युवती ने सबसे पहले मूलचंद कौशल के घर दस्तक दी। दरवाजा खोलते ही जबरन अंदर घुसने लगी। इसके बाद विमला खरे के घर में घुस गई और उनके बेटे को पकड़ लिया।

पलंग पर सो गई

युवती को बाहर निकालने का प्रयास किया, लेकिन वह पलंग पर सो गई। लोगों ने एक-दूसरे को कॉल कर

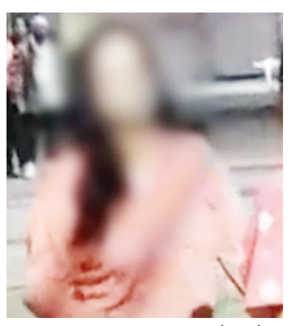

महिलाओं को एकत्र किया। जैसे-तैसे उसे बाहर निकाला, युवती ने समझाने वाली महिलाओं से मारपीट करना शुरू कर दी।

कपड़ों का भी होश नहीं था

युवती को कपड़ों का भी होश नहीं था। उसने जूते खोल दिए और कपड़े उतारने लगी। भाजपा नेता राजा कोठारी के मुताबिक तिलक नगर थाने से पुलिसकर्मियों को बुलाया, लेकिन उन्होंने कहा कि महिला को नहीं पकड़ सकते। महिला बल नहीं होने से पुलिसकर्मी भी असहाय बने रहे। इस दौरान वहां से गुजर रहे एक बाइक वाले को उसने रोका और उसके पीछे बैठ गई। किसी तरह उसे नीचे उतारा गया। इसके बाद वो सड़क पर ही लेट गई। युवती ने वहां रुके एक ऑटो रिक्शा वाले का मोबाइल भी छीन लिया था। महिलाओं ने किसी तरह उससे मोबाइल छुड़ाया और ऑटो वाले को वापस लौटाया। इंदौर में कार चालक द्वारा राहगीरों व वाहनों को टक्कर मारने का मामला सामने आया है। लोगों ने चालक को जमकर पीटा। लोगों का आरोप है कि कार चालक शराब के नशे में था। ब्रेक की जगह एक्सीलरेटर दबाने से नियंत्रण खो बैठा था।

स्मृति शेष-कुशल वक्ता और यारबाज थे सुनील माकोड़े

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। सामाजिक कार्यकर्ता और अभ्यास मंडल के पूर्व महासचिव सुनील माकोड़े का सोमवार को निधन हो गया। 78 वर्षीय माकोड़े कुछ दिनों पहले घर पर ही हादसे का शिकार हो गए थे। उनके पैर और हाथ में फ्रेक्चर हो गया था। इस हादसे से वे उभर नहीं पाए और सोमवार रात को उन्होंने अंतिम सांसे ली।

सुनील ने हमेशा शहर की बेहतरी के बारे में सोचा और इंदौर से जुड़े अभियानों में भाग लिया। वे कुशल वक्ता थे और दोस्ती निभाने के लिए भी जाने जाते थे। उनके मित्र शिवाजी मोहिते कहते है कि सुनील जमीन से जुड़े थे। शहर के लिए कुछ करने का जज्बा रहता था। अभ्यास मंडल की

व्याख्यानमाला हो गया अन्य कोई जिम्मेदारी, सुनील को पुरी तन्मयता से निभाना आता था। वे पेशे से अभिभाषक थे। प्रोफेसर भी रहे और रैनबैक्सी के जीएम के पद पर भी रहे। सुनील माकोड़े की शवयात्रा मंगलवार सुबह 9 बजे उनके निवास श्रेयस अपार्टमेंट, ओल्ड पलासिया से रामबाग मुक्तीधाम जाएगी। उनके निधन पर शहर के गणमान्य नागरिकों ने शोक व्यक्त किया है।

आदिवासी को नग्न कर गांव में घुमाया, अवैध संबंध का लगा आरोप, महिला आई सामने

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

आलीराजपुर जिले के छोटी मालपुर गांव में हुई यह घटना हमारे समाज में व्याप्त सामाजिक कुरीतियों और कानून की अनदेखी का उदाहरण है। 14 नवंबर की रात एक 48 वर्षीय आदिवासी व्यक्ति के साथ जिस तरह का अमानवीय व्यवहार किया गया, उसने मानवता को शर्मसार कर दिया है। ग्रामीणों ने इस व्यक्ति को अवैध संबंधों के शक में पीटा, नग्न किया और रस्सी से बांधकर पूरे गांव में घुमाया। घटना का वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 6 आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया, जिनमें से 5 को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है, जबकि एक आरोपी अभी फरार है।

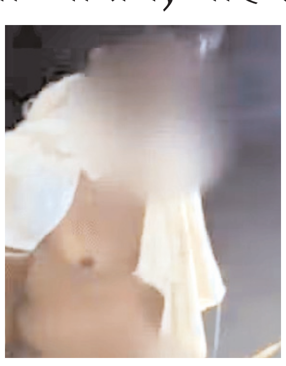

पीड़ित व्यक्ति, जो सेजावाड़ा गांव का निवासी है, 14 नवंबर की रात को अपनी गिरवी रखी जमीन को देखने छोटी मालपुर गया था। इसी दौरान ग्रामीणों ने उसे घेर लिया और एक महिला के साथ अवैध संबंधों का आरोप लगाकर उसे पीटना शुरू कर दिया। आरोपियों ने उसके हाथ बांध दिए और उसे नग्न कर गांव में घुमाया। पीड़ित व्यक्ति ने बार-बार छोड़ने की गुहार लगाई, लेकिन किसी ने उसकी बात नहीं सुनी। इतना ही नहीं, जब महिला ने बीचबचाव करने की कोशिश की तो आरोपियों ने उसे भी पीटा। यह घटना रात के करीब 11 बजे हुई और कुछ लोगों ने इसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर अपलोड कर दिया।

पति की मृत्यु के बाद दिया सहारा

महिला का कहना है कि उसके पति की मृत्यु चार साल पहले हो चुकी है, और उसके बच्चों और घर की देखभाल करने वाला कोई नहीं था। इसी दौरान पीड़ित व्यक्ति ने उसकी मदद करना शुरू किया। वे दोनों दोस्त बन गए और महिला के बच्चों की जिम्मेदारी भी उस व्यक्ति ने ले ली। महिला ने पुलिस को बताया कि जब उसके पति की मृत्यु हुई थी, तब न तो कोई रिश्तेदार और न ही गांव का कोई व्यक्ति उसकी मदद के लिए आगे आया।

मेट्रो रेल स्टेशन के लिए बनाया जाएगा मल्टी मॉडल इंटीग्रेशन प्लान

इंदौर। इंदौर में मेट्रो रेल के स्टेशनों तथा उसके आसपास के क्षेत्र में यात्रियों तथा संबंधित क्षेत्र के निवासियों आदि के लिए सुविधायें विकसित करने के मद्देनजर मल्टी मॉडल इंटीग्रेशन प्लान तैयार किया जाएगा। यह जानकारी आज यहां कलेक्टर श्री आशीष सिंह द्वारा ली गई मेट्रो स्टेशनों की लोकल एरिया प्लानिंग की बैठक में दी गई। बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री शिवम वर्मा, स्मार्ट सिटी सीईओ श्री दिव्यांक सिंह सहित मेट्रो कंपनी के अधिकारी आदि मौजूद थे। बैठक में बताया गया कि मेट्रो रेल परियोजना का कार्य तेजी से जारी है। मेट्रो रेल के स्टेशन भी निर्मित किये जा रहे हैं। मेट्रो रेल स्टेशन में यात्रियों तथा इसके आसपास के नागरिकों के लिए पार्किंग, कनेक्टिविटी और अन्य जरूरी सुविधाएं विकसित करना है। इसके लिए मल्टी मॉडल इंटीग्रेशन प्लान तैयार किया जाना होगा। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने निर्देश दिए कि यह प्लान अति शीघ्र तैयार कर लिया जाए।

80 लाख बांग्लादेशी घुसपैठियों के विरोध में मप्र में जागरण, जनहित पार्टी ने शुरू की प्रदेश यात्रा

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

जनहित पार्टी ने 80 लाख बांग्लादेशी घुसपैठियों के विरोध में मध्य प्रदेश की यात्रा शुरू की है। दिनांक 18 नवंबर सोमवार को प्रातः 10 बजे भिंड जिले के किशुपुरा गांव में स्वयंसेवक संघ के पूर्व प्रांतप्रचारक रणवीर सिंह जी भदोरिया की समाधि पर से यात्रा शुरू हुई। भारत माता पूजन से प्रारंभ होकर यह यात्रा मध्य प्रदेश के सभी जिलों में जन जागरण करेगी। 110 दिन के बाद 7 मार्च 2025 को ग्वालियर में पार्टी के राष्ट्रीय अधिवेशन में यह यात्रा समाप्त होगी।

जनहित पार्टी के संस्थापक अभय जैन ने बताया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्व प्रांतप्रचारक रणवीर सिंह जी भदोरिया के समाधि स्थल पर यज्ञ हवन के साथ यात्रा प्रारंभ की। इसमें केंद्र सरकार से मांग रखी गई कि वह संसद में कानून बनाकर राजीव गांधी द्वारा किए असम समझौते में घुसपैठियों को 1951 से 1971 तक भारतीय बनने के प्रावधान 6 अ को निरस्त करें। अभय जैन ने कहा कि असम सरकार राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर, (एनआरसी) में भ्रष्टाचार के चलते शामिल हुए असम के 80 लाख घुसपैठियों को नागरिकता से रोकने के लिए तुरंत इस एनआरसी को खारिज करे। अभय जैन ने कहा कि नए सिरे से घुसपैठियों की पहचान कर, इनको बाहर निकालने की व्यवस्था करें। प्रदेश व्यापी इस यात्रा में एक टाटा वाहन में आंदोलनकारी जन जागरण करते हुए पत्रक, बैनर, नुक्कड़ सभा करते हुए मध्य प्रदेश के सभी जिलों में 110 दिन, भ्रमण करते हुए ग्वालियर में, जनहित पार्टी के राष्ट्रीय अधिवेशन तक लगातार चलते रहेंगे। उसके बाद दिल्ली में जंतर मंतर पर केंद्र सरकार को ज्ञापन देंगे और धरना देंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की प्रदेश में निवेश के लिये यूके-जर्मनी की 6 दिवसीय विदेश यात्रा

भोपाल ■

मध्यप्रदेश को औद्योगिक हब बनाने के संकल्प को लेकर आगे बढ़ रहे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 24 से 30 नवंबर तक यूके और जर्मनी प्रवास पर रहेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का यह विदेश दौरा मध्यप्रदेश में औद्योगिक विकास को नई ऊंचाई देने और वैश्विक निवेश आकर्षित करने के उद्देश्य से किया जा रहा है।

उज्जैन, जबलपुर, ग्वालियर, सागर और रीवा में आयोजित रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव के साथ मुंबई, बैंगलुरु, कोयंबटूर और कोलकाता में 4 रोड-शो की अभूतपूर्व सफलता के बाद, यह दौरा अंतर्राष्ट्रीय निवेशकों के बीच मध्यप्रदेश में निवेश अवसरों को प्रभावी रूप से प्रस्तुत करने का एक अभूतपूर्व प्रयास है। उद्योग वर्ष 2025 के प्रदेश में निवेश बढ़ाने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री डॉ. यादव 6 दिवसीय इस विदेश यात्रा में यूके के लंदन, बर्मिंघम तथा जर्मनी के म्यूनिख और स्टटगार्ट का दौरा करेंगे। इन स्थानों पर वे प्रदेश में निवेश और औद्योगिक सहयोग के अवसरों को बढ़ाने के लिये औद्योगिक संगठनों के प्रतिनिधियों और उद्योगपतियों से चर्चा करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव 24 नवम्बर को भोपाल से मुम्बई होते हुए लंदन के लिये प्रस्थान करेंगे तथा रात 8 बजे लंदन पहुँचेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव 25 नवम्बर को वेस्टमिंस्टर स्थित ब्रिटिश संसद का दौरा करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव किंग्स क्रॉस और पुनर्विकास स्थलों दौरा करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव लंदन में फ्रेंड्स ऑफ मध्यप्रदेशप्रवासी भारतीयों द्वारा आयोजित रात्रि-भोज कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसमे 400 से अधिक प्रवासी भारतीय सम्मिलित होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव

उद्योग वर्ष 2025 के लक्ष्य प्राप्ति की दिशा में निर्णायक कदम

26 नवम्बर को ब्रेकफास्ट पर उद्योगपतियों एवं भारत के उच्चायुक्त श्री विक्रम के दोरईस्वामी से संवाद करेंगे। इसके बाद इन्वेस्टमेंट अपॉर्चुनिटीज इन मध्यप्रदेश, इंटरैक्टिव सेशन में लगभग 120 प्रतिभागियों से चर्चा करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव लंच ब्रेक के बाद राउण्ड टेबल मीटिंग्स में इलेक्ट्रिक व्हीकल एवं ऑटो, एजुकेशन, रिन्युएबल एनर्जी और फूड प्रोसेसिंग सेक्टर्स में निवेश पर चर्चा करेंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री डॉ. यादव उद्योगतियों के साथ वन-टू-वन मीटिंग करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव 27 नवंबर को वारविक यूनिवर्सिटी का भ्रमण करेंगे इसके बाद वारविक मैन्युफैक्चरिंग ग्रुप के डीन, फैकल्टी मेम्बर्स और शोधार्थियों से संवाद करेंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री डॉ. यादव बर्मिंघम हवाई अड्डे से जर्मनी के लिए प्रस्थान कर रात 8:20 बजे म्यूनिख पहुंचेंगे।

डॉ. यादव का जर्मनी दौरा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव 3 दिवसीय यूके के दौरे के बाद 28 और 29 नवंबर को जर्मनी प्रवास पर रहेंगे। यात्रा के दौरान म्यूनिख और स्टटगार्ट में कई महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री डॉ.यादव 28 नवंबर को सुबह बवेरिया राज्य सरकार के नेताओं और म्यूनिख में कौंसुल जनरल ऑफ इंडिया से चर्चा करेंगे। इसके बाद डॉ. यादव SFC Energy का भ्रमण करेंगे। वे बेयरलोचर ग्रुप द्वारा आयोजित लंच में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव इन्वेस्टमेंट अपॉर्चुनिटीज इन मध्यप्रदेश, इंटरैक्टिव सेशन में शामिल होंगे, जिसमें कौंसुल जनरल ऑफ इंडिया, सीआईआई और इन्वेस्ट इंडिया, इंडो जर्मन चैम्बर ऑफ कॉमर्स के प्रतिनिधि भी मौजूद रहेंगे। इसमें लगभग 80 प्रतिनिधियों से मध्यप्रदेश में निवेश संबंधी चर्चा होगी। डॉ. यादव इन्टरैक्टिव सेशन के बाद उद्योग प्रतिनिधियों से वन-टू-वन मीटिंग में भी निवेश संबंधी चर्चा करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव फ्रेंड्स आर्फ एमपी के प्रतिनिधियों के साथ बैठक करेंगे, जिसमे लगभग 100 प्रतिनिधि शामिल होंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री डॉ. यादव कौंसुल जनरल ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित रात्रि भोज में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव 29 नवम्बर को स्टटगार्ट स्थित LAPP Group की फैक्ट्री का दौरा करेंगे और अधिकारियों से निवेश संबंधी चर्चा करेंगे। उद्योग प्रतिनिधियों से इन्वेस्टमेंट अपॉर्चुनिटिज इन मध्यप्रदेश विषय पर राउंडटेबल मीटिंग होगी, जिसमें लगभग 20 प्रतिनिधि शामिल होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव स्टटगार्ट के स्टेट म्यूजियम ऑफ नेचुरल हिस्ट्री का भ्रमण भी करेंगे। यह म्यूजियम जर्मनी का एक प्रमुख प्राकृतिक ऐतिहासिक म्यूजियम है, जिसमें प्राचीन जीवाश्म और डायनासोर के अवशेषों का विशाल संग्रह है। म्यूजियम की स्थापना 1791 में हुई थी, इसमें 11 मिलियन से अधिक वस्तुएं संग्रहित है। यह जर्मनी का सबसे बड़ा म्यूजियम है। इसके बाद मुख्यमंत्री डॉ. यादव फ्रैंकफर्ट के लिए रवाना होंगे। वे फ्रैंकफर्ट से रात 8 बजे नई दिल्ली के लिये रवाना होंगे।

निर्यापक मुनि सुधा सागर ने बच्चों के सिर पर चंदन से लिखे जैन धर्म के मंत्र, 7000 से ज्यादा को बना दिया श्रावक

सागर ■

भाग्योदय तीर्थ में रविवार को उत्साह भरा माहौल नजर आया। यहां सुबह से ही माता-पिता अपने बच्चों का मुंडन कराकर मौजी बंधन संस्कार लिए ला रहे थे। करीब 7 हजार बच्चे और उनके परिवार के लोग यहां एकजुट हुए। चारों ओर भीड़ नजर आ रही थी। दोपहर 1 बजे मुख्य पंडाल में विधि-विधान के साथ मौजी बंधन संस्कार की विधि आरंभ की गई।

आचार्यश्री विद्यासागर महाराज के 53 वें पदारोहण दिवस के अवसर पर कार्यक्रम संपन्न हुआ। निर्यापक मुनि सुधा सागर महाराज ने सर्वप्रथम णमोकार मंत्र और मंगल मंत्र बच्चों को सुनाया। मुनि कहा कि आज से हर शुभ कार्य करने पहले आपको णमोकार मंत्र पढ़ना है। यह मंत्र आज से सभी का गुरु मंत्र है। इसके बाद महाराज ने बच्चों संस्कार विधि प्रारंभ की। जिसमें बच्चों के सिर पर चंदन से मंत्र लिखे गए।

बारी-बारी के साथ संस्कार की विधि संपन्न की गई। महाराज ने कहा कि 8 वर्ष की उम्र में बच्चे अभिषेक और पूजन के पात्र होते हैं। अब यह श्रावक बन गए हैं। आज यहां श्रावक संस्कार विधि हुई है।देशभर के बच्चे हुए शामिलकार्यक्रम में शामिल होने के लिए सिर्फ सागर ही नहीं बल्कि देशभर से बच्चे पहुंचे। बच्चों के साथ उनके भी संस्कार हुए जो अविवाहित हैं। मौजी बंधन संस्कार में गुजरात, हरियाला, कर्नाटक, महाराष्ट्र, उत्तरप्रदेश और पूरे मप्र के जिलों से बच्चे शामिल हुए। कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने के पहले सभी को हथकरघा का धोती-दुपट्टा, मुकुट और बैच सहित अन्य सामान की किट प्रदान की गई। पंडाल में कतार से बैठे बच्चों के बारी-बारी संस्कार किए गए।

जैन धर्म की है प्राचीन परंपरा

जैन-धर्म में मौजी बंधन की परंपरा अतिप्राचीन है। इसका प्रथम उल्लेख राष्ट्रकूट वंशी राजा अमोघवर्ष के गुरु आचार्य जिनसेन ने किया है। उनके अनुसार प्रत्येक जैन बालक को विद्यारंभ से पहले मौजी बंधन संस्कार कराना चाहिए। मुनियों के निर्देशन में महिला एवं पुरुष भी प्रौढ़ सम्यक संस्कार विधि संपन्न करवा सकते हैं। मौजी बंधन में मुंडन करवाकर मुनियों के हाथों से उनपर जैन-धर्म संबंधी मंत्र से चंदन लिखे जाते हैं। जैन-धर्म के मूल एवं अनिवार्य नियमों का प्रण दिलाया जाता है। मौजी बंधन कराने के बाद एक बालक पूर्ण रूप से जैन श्रावक बन जाता है। वह जैन धर्म संबंधी धार्मिक अनुष्ठान करने का पात्र होता है।

वर्षों से ही संस्कार कराने की इच्छा

मुंबई से आए आयुष जैन ने बताया कि वर्षों की इच्छा आज पूरी हो गई। उन्होंने बताया कि वे मुनि सुधा सागर के हाथों से मौजी बंधन संस्कार कराकर धन्य हो गए। पूरे परिवार के साथ यहां संस्कार कराने आया था। उन्होंने बताया कि यहां अविवाहित युवकों को मौका मिला है।

गुजरात से आकर कराए संस्कार

गुजरात के अहमदाबाद के पर्व जैन और अतिशय जैन ने बताया कि वे गुजरात से यहां संस्कार कराने के लिए पहुंचे। उन्होंने बताया कि माता-पिता उन्हें लेकर आए हैं। अतिशय ने बताया कि अहमदाबाद से उनके दोस्त भी संस्कार कराने के लिए यहां आए हैं।

अपनी मांगों को लेकर विश्व विद्यालय गेट पर धरने पर बैठे छात्र-छात्राएं

अनूपपुर ■

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय अमरकंटक में व्यवस्थाओं को सुधारने की मांग समय में पूरा नहीं होने पर सोमवार से विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राएं मुख्य गेट के सामने अनिश्चितकालीन हड़ताल में बैठ गए हैं। छात्र-छात्राओं ने बताया कि इंगांराजवि प्रशासन ने पूर्व में सौंपे गए ज्ञापन पर समय से समस्याओं का समाधान नहीं होने पर सोमवार से विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राएं मुख्य गेट के सामने अनिश्चितकालीन हड़ताल में बैठ गए हैं।

छात्र छात्राओं ने पूर्व में ज्ञापन सौंपते हुए गौरेला, अमरकंटक एवं राजेंद्र ग्राम से विश्वविद्यालय की बस पुनः शुरू करने, क्षेत्रीय विद्यार्थियों को भी छात्रावास आवंटित किया जाए। सभी मेस का टेंडर किया जाए, ताकि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण भोजन मिल सके। छात्रावास के छात्रों से विश्वविद्यालय द्वारा 1000 रुपये की

अवैध वसूली की गई है। वापस लेने केंद्रीय पुस्तकालय 24 घंटे खोलने, छात्राओं का छात्रावास से बाहर रहने का समय बढ़ाने, ग्लुट नर्मदा नामकरण को वापस लिया जाए, जो मां नर्मदा की भक्ति के साथ खिलवाड़ है। नर्मदा शोध छात्रावास का गैरकानूनी कब्जा समाप्त कर उसे वापस छात्रावास बनाया जाए। कैट परीक्षा केंद्र की स्थापना विश्वविद्यालय में की जाए, जिसका लाभ स्थानीय विद्यार्थियों को मिल सके। विश्वविद्यालय में कार्यरत क्षेत्रीय सुरक्षा कर्मियों एवं हाउस कीपिंग स्टॉफ को नियमित किया जाए। छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश बोर्ड से 12वीं पास विद्यार्थियों का स्नातक में 40 प्रतिशत कोटा तय किया जाए। विश्वविद्यालय में चल रही गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों की भर्ती पर तत्काल रोक लगाई जाए और पहले स्थानीय कोटा तय कर भर्ती की जाए। विश्वविद्यालय प्रशासन ने मांगों की अनदेखी करने पर समस्याओं का समाधान नहीं होने पर सोमवार को छात्र छात्राएं मुख्य गेट के सामने अनिश्चितकालीन हड़ताल में बैठ गए है।

मां नर्मदा स्वच्छ रखना हम सब की नैतिक जिम्मेदारी है : केशव गिरी महाराज

सागर ■

गृहस्थ संत पंडित देव प्रभाकर शास्त्री दद्दा महाराज के शिष्य राम दरबार मंदिर के महंत गृहस्थ संत केशव गिरी महाराज करीब 1 वर्ष से लगातार नदी एवं जल संरक्षण अभियान चला रहे हैं। अभियान के तहत 1 वर्ष पूर्व मां नर्मदा की पैदल परिक्रमा भी कर चुके हैं। रविवार को मकरोनिया राम दरबार मंदिर से करीब 150 लोगों बस एवं निजी वाहन से में दक्षिण तट पर स्थित मधू पालीवाल के द्वारा निर्मित आश्रम के खामघाट में पहुंचे। यहां भक्तों ने पूरे घाट एवं मां नर्मदा के तट की सफाई की। जिसमें प्लास्टिक का कचरा, गाजर घास एवं पॉलिथीन इत्यादि घाट से अलग की गई। जिला झांसी के अस्पताल में नव जात शिशुओं के साथ हुई हृदय विदारक दुर्घटना पर गहरा शोक व्यक्त कर दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए शांति पाठ किया गया।

शिवमय हुई अवंतिका पुरी, श्री चंद्रमौलेश्वर भगवान प्रजा का हाल जानने निकले

उज्जैन ■

उज्जैन में श्री महाकालेश्वर मंदिर से भगवान श्री महाकालेश्वर की मार्गशीर्ष माह की पहली व कार्तिक मार्गशीर्ष (अगहन) माह की तीसरी सवारी सोमवार 18 नवंबर को शाम चार बजे निकली। श्री महाकालेश्वर के दर्शन कर भक्त आनंदित व स्वयं को भाग्यशाली मान रहे थे।

सवारी के दौरान अवंतिकापुरी शिवमय हो गई। सवारी निकलने के पूर्व श्री महाकालेश्वर मंदिर परिसर स्थित सभामंडप में मुख्य पुजारी पंडित घनश्याम शर्मा द्वारा भगवान श्री महाकालेश्वर के श्री चन्द्रमौलेश्वर स्वरूप का विधिवत पूजन-अर्चन किया गया। पूजन-अर्चन के दौरान मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष नीरज कुमार सिंह,

पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा, प्रशासक गणेश कुमार धाकड़ आदि उपस्थित रहे। पूजन उपरांत भगवान श्री चन्द्रमौलेश्वर रजत पालकी में विराजित होकर नगर भ्रमण पर प्रजा का हॉल जानने नगर भ्रमण पर निकले। सवारी में आगे तोपची, कडाबीन, पुलिस बैण्ड, घुडसवार दल, सशस्त्र पुलिस बल के जवान नगर वासियों को बाबा के आगमन की सूचना देते चल रहे थे। पालकी को मुख्य द्वार पर सशस्त्र पुलिस बल के जवानों द्वारा भगवान को सलामी (गॉड ऑफ ऑनर) दी गई। सवारी श्री महाकालेश्वर मंदिर से महाकाल चौराहा, गुदरी चौराहा, बक्षी बाजार, कहारवाडी होते हुए रामघाट पहुंची। रामघाट पर मां क्षिप्रा के जल से भगवान श्री चन्द्रमौलेश्वर के अभिषेक तत्पश्चात आरती की गई। आरती उपरांत सवारी रामघाट से गणगौर दरवाजा, मोढ की धर्मशाला, कार्तिक चौक, खाती का मंदिर, सत्यनारायण मंदिर, ढाबा रोड, टंकी चौराहा, छत्री चौक, गोपाल मंदिर पहुंची। गोपाल मंदिर पर पालकी में विराजमान श्री चंद्रमोलेश्वर भगवान के परम्परागत पूजन उपरांत सवारी पटनी बाजार, गुदरी बाजार होते हुए पुनः श्री महाकालेश्वर मंदिर पहुंची। जहां श्री महाकालेश्वर मंदिर के सभामंडप में पुनः पूजन-आरती उपरांत सवारी का विश्राम हुआ। मार्गशीर्ष माह (अगहन) की दूसरी व अंतिम सवारी राजसी (शाही) सवारी के रूप में 25 नवम्बर 2024 को निकाली जाएगी।

एमपी बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी जोरों पर, पेपर बनाने का आधा काम पूरा, नकलचियों पर होगी कड़ी कार्रवाई

भोपाल ■

एमपी बोर्ड 10वीं और 12वीं की परीक्षाएं पेपर तैयार करवाने का काम शुरू कर दिया है। जानकारी के मुताबिक आधा से ज्यादा काम पूरा कर लिया है। वहीं परीक्षाओं के दौरान नकलचियों को पकड़ने के लिए विशेष व्यावस्था की जा रही है। अनुमान है कि इस बार करीब 18 लाख से ज्यादा छात्र परीक्षाओं में शामिल होंगे। बोर्ड के अधिकारियों के अनुसार नवंबर अंत तक इन दोनों कक्षाओं के सभी विषयों पेपर तैयार हो जाएंगे। हर सब्जेक्ट के 4-4 सेट बनेंगे। सभी का पेटर्न इस बार पूरी तरह से अलग रहेगा क्योंकि सभी सेट में प्रश्न तो एक जैसे ही रहेंगे लेकिन नकल ना हो इसके लिए इनका सीक्वेंस बिल्कुल अलग-अलग रहेगा। इस बार भी एमपी बोर्ड के मॉडल पेपर तैयार करेगा और मंडल की ऑफिशियल वेबसाइट अपलोड किया जाएगा। इन पेपरों की मदद से बोर्ड परीक्षाओं में आने वाले पेपरों का पेटर्न समझने में आसानी होगी।

मोबाइल फोन के उपयोग पर रहेगा प्रतिबंध

मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल ने प्रश्न पत्र लीक जैसी घटनाओं को रोकने के लिए केंद्र पर मोबाइल फोन के उपयोग पर प्रतिबंद लगा दिया है। यह नियम केंद्राध्यक्ष, सहायक केंद्राध्यक्ष, पर्यवेक्षक सहित सभी स्टाफ पर लागू किया जाता है। इस

दौरान अगर कोई नियमों का उल्लंघन करते हुए पाया जाता है। तो उसके विरुद्ध कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही अपराधी को तीन वर्ष की सजा और पांच हजार रुपये जुमार्ना भी भरना पड़ सकता है।

बनाए जाएंगे चार हजार से अधिक परीक्षा केंद्र

इसके साथ ही इस बार परीक्षा केंद्रों में सीसीटीवी कैमरे से निगरानी रखी जाएगी। जिसका चयन कलेक्टर करेंगे। इस बार परीक्षा का आयोजन साधन संपन्न स्कूलों में ही किया जाएगा। दरअसल, पिछले वर्ष कुछ जिलों में पेपर लीक सहित कई तरह की शिकायत मिली थी। जिसको देखते हुए कलेक्टर द्वारा यह फैसला लिया गया है। बता दें कि इस साल 18 लाख विद्यार्थी एमपी बोर्ड की परीक्षा में शामिल होंगे। जिसके लिए राज्य में चार हजार से अधिक परीक्षा केंद्र बनाए जाएंगे। एमपी बोर्ड से मिली जानकारी के मुताबिक इस बार हर सब्जेक्ट के 4-4 सेट बनेंगे। सभी का पेटर्न इस बार पूरी तरह से अलग रहेगा क्योंकि सभी सेट में प्रश्न तो एक जैसे ही रहेंगे लेकिन नकल ना हो इसके लिए इनका सीक्वेंस बिल्कुल अलग-अलग रहेगा।

सफर आसान बना देंगे 8 एक्सप्रेस-वे, 2025 तक होंगे पूरे

भोपाल ■

मध्य प्रदेश में कई प्रमुख एक्सप्रेस-वे परियोजनाओं पर काम चल रहा है। ये एक्सप्रेस-वे मध्य प्रदेश और देश के अन्य राज्यों के साथ आर्थिक विकास, औद्योगिक क्लस्टर और रोजगार के अवसर को बढ़ाने के उद्देश्य से बनाए जा रहे हैं। इन्हीं में से 8 एक्सप्रेस-वे प्रोजेक्ट्स के बारे में हम आपको बता रहे हैं।

महाकाल एक्सप्रेस-वे

मध्य प्रदेश के उज्जैन में इसी साल 1-2 मार्च 2024 को हुए रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में अडानी समूह ने महाकाल एक्सप्रेस-वे के निर्माण की घोषणा की थी। अडानी समूह ने कहा था कि वह धर्मनगरी उज्जैन को राजधानी भोपाल से जोड़ने वाले इस एक्सप्रेस-वे के निर्माण में 5000 करोड़ रूपए का निवेश करेंगे। यह रास्ता इंदौर होते हुए निकलेगा, जिससे उज्जैन और इंदौर के बीच यात्रा 45 मिनट कम हो जाएगी। इस एक्सप्रेस-वे की कुल दुरी 198 किलोमीटर होगी।

नर्मदा एक्सप्रेस-वे

नर्मदा एक्सप्रेस-वे प्रोजेक्ट कुल 30,000 करोड़ रूपए की लागत से अमरकंटक से अलीराजपुर तक पूरे राज्य के 13 क्षेत्रों में बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। ये 1300 किलोमीटर लंबा एक्सप्रेस-वे आगे जाकर एमपी को अमरकंटक के रास्ते छत्तीसगढ़ और अलीराजपुर के रास्ते गुजरात से जोड़ेगा। इस प्रोजेक्ट से अमरकंटक, डिंडोरी, शाहपुरा, मंडला, जबलपुर, नरसिंहपुर, हरदा, खिरकिया, पुनासा, हरसूद, खंडवा, मुंडी, ओंकारेश्वर, कुक्षी, बड़वाह और अलीराजपुर को फायदा पहुंचेगा।

विंध्य एक्सप्रेस-वे

यह एक्सप्रेस-वे राजधानी भोपाल को सिंगरौली से जोड़ेगा। 13,500 करोड़ रूपए की लागत से बनने वाला 660 किलोमीटर का यह विंध्य एक्सप्रेस-वे एमपी के भोपाल, दमोह, सीधी, कटनी, रीवा, सागर और सिंगरौली जिलों से होकर निकलेगा। एक्सप्रेस-वे औद्योगिक क्लस्टर और रोजगार

के अवसर पैदा करके विंध्य क्षेत्र में आर्थिक विकास को बढ़ावा देने में मदद करेगा।

मालवा निमाड़ विकास पथ

यह एक्सप्रेस-वे 450 किलोमीटर लंबा होगा, जो मंदसौर, उज्जैन, इंदौर, धार, अलीराजपुर और बुरहानपुर को जोड़ेगा। इसे मालवा निमाड़ विकास पथ के नाम से भी जाना जाएगा। साल 2028 में होने वाले सिंहस्थ को लेकर यह एक्सप्रेस-वे काफी अहम है। इसके निर्माण में 7972 करोड़ रुपए की लागत आएगी।

अटल प्रगति पथ

चंबल एक्सप्रेस-वे के नाम से जाना जाने वाले इस प्रोजेक्ट को 23,700 करोड़ की लागत से राजस्थान, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के बीच बनाया जाएगा। यह 404 किलोमीटर की दूरी तय करेगा। यह एक्सप्रेस-वे भारतमाला परियोजना का एक हिस्सा है, जो राजस्थान के कोटा से होते हुए एमपी के ग्वालियर, श्योपुर, भिंड और मुरैना (चंबल क्षेत्र) को कवर करते हुए यूपी के इटावा तक जाएगा।

इंदौर-हैदराबाद इकोनॉमिक कॉरिडोर

मध्य भारत और दक्षिणी राज्यों के बीच माल और यात्रियों की आवाजाही को सुगम बनाने के लिए इस इकोनॉमिक कॉरिडोर की घोषणा की गई थी। यह एमपी के इंदौर, खंडवा और बुरहानपुर से होकर महाराष्ट्र के नांदेड़ और वाशिम के रास्ते तेलंगाना के हैदराबाद तक जाएगा। मध्य प्रदेश में इसकी लंबाई 300 किमी होगी और कुल लंबाई 713 किलोमीटर की होगी। इसकी लागत 6000 करोड़ रुपए आने का अनुमान है।

भोपाल-कानपुर इकनोमिक कॉरिडोर

भोपाल को कानपुर से जोड़ने के लिए इस इकोनॉमिक कॉरिडोर का निर्माण हो रहा है। इसकी अनुमानित लागत लगभग 12,000 करोड़ रुपए है। यह कॉरिडोर भोपाल से शुरू होगा और फिर सांची, विदिशा, ग्यासपुर, राहतगढ़, सागर, छतरपुर के सतई घाट और ओरछा से होते हुए उत्तर प्रदेश के कानपुर तक जाएगा। इसकी कुल दूरी 526 किलोमीटर है, जिसका 360 किलोमीटर का हिस्सा मध्य प्रदेश में है। इससे भोपाल से कानपुर तक जाने का समय काफी घट जाएगा।

आगरा-ग्वालियर एक्सप्रेस-वे

मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के बीच परिवहन को ज्यादा मजबूत करने के लिए आगरा-ग्वालियर एक्सप्रेस-वे की नींव रखी गई है। इसकी लागत करीब 2500 करोड़ रुपए होगी, जो 88 किलोमीटर की दूरी तय करेगा। यह ग्वालियर के निरवाली तिराहा से शुरू होकर झांसी, शिवपुरी, भिंड, मुरैना और दतिया से होते हुए उत्तर प्रदेश के आगरा तक जाएगा। इस एक्सप्रेस-वे से ग्वालियर से आगरा की 3 घंटे की दूरी 2 घंटे में तब्दील हो जाएगी।

कार्यालय वनमण्डलाधिकारी,इन्दौर वनमण्डल,इन्दौर
फॉरेस्ट केम्पस,नवरतनबाग, इन्दौर, म.प्र. – 452001
Tel. (O) 0731-2490239 E-mail : dfotindo@mp.gov.in

अनुपयोगी सामग्री के निर्वतन हेतु निविदा सूचना

सर्वसाधारण को एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि सामान्य वनमंडल इंदौर के अंतर्गत वनमण्डल परिसर नवरतनबाग स्थित शासकीय गोदाम एवं काष्ठागार डिपो रालामण्डल में रखी अनुपयोगी सामग्री जहां है जैसी है, की स्थिति में अनुपयोगी सामग्री पडी हुई है। जिसका निर्वतन दिनांक 28.11.2024 को दोपहर 03:00 बजे को किया जाना है। निलामी की शर्ते एवं अन्य जानकारी वन विभाग की वेबसाईट पर उपलब्ध है।

वनमण्डलाधिकारी,
इन्दौर वनमण्डल इन्दौर

G-19151/24

न्यूज ब्रीफ

ठेकेदार और मकान मालिक सहित पांच पर मामला दर्ज, बिल्डिंग से गिरकर हुई थी मजदूर की मौत

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा में भरता देव रोड में एक निमार्णाधीन बिल्डिंग से गिरकर एक मजदूर की मौत हो गई थी। इस मामले में पुलिस ने पांच लोगों पर एफआईआर दर्ज की है। कोतवाली के एसआई नारायण बघेल से मिली जानकारी के मुताबिक, पुलिस ने मकान मालिक बलराम विश्वकर्मा, रामु चरपे पिता रामजी चरपे, ठेकेदार प्रवीण सूर्यवंशी पिता श्यामलाल सूर्यवंशी, शेरखान पिता फिरोज खान, लिफ्टर मशीन के मालिक गड्डा और सुखदास भारती के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया है। कोतवाली टीआई के मुताबिक, ठेकेदार के द्वारा किसी भी तरह से कोई सुरक्षा के इंतजाम नहीं किए गए थे। वहीं, मकान मालिक की भी लापरवाही उतनी ही पाई गई, जिसके चलते ठेकेदार लिफ्ट मशीन संचालक और मकान निर्माण कर्ता धारा-106 के तहत कार्रवाई की गई। यहां पर 5वीं मंजिल में निर्माण के दौरान जामुन झिरी निवासी अमन पिता मनोज ऊइके 19 साल अचानक नीचे गिर गया, जिसे गंभीर हालत में जिला अस्पताल लाया गया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने जांच के बाद मामला दर्ज किया। आज उसके परिजन इस मामले की गुहार लगाते हुए पुलिस के पास पहुंचे थे, जिसके बाद पुलिस ने मामले की जांच करते हुए आरोपियों के खिलाफ मामला कायम कर लिया।

विजयपुर और बुधनी में मतदान से वंचित करने तथा अंबेडकर प्रतिमा तोड़ने का मामला

उमरिया। उमरिया में कांग्रेस ने मध्यप्रदेश के विजयपुर एवं बुधनी में संपन्न उपचुनाव के दौरान सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी पर लोकतंत्र की हत्या करने का आरोप लगाया है। पार्टी द्वारा इसे लेकर कल 19 नवंबर 2024 को धरना प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा। आशय की जानकारी देते हुए जिला कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता अशोक गौंटिया ने बताया कि भाजपा के नेताओं ने विजयपुर विधानसभा क्षेत्र में आम मतदाताओं में भय का वातावरण निर्मित कर उन्हें वोट डालने से वंचित किया। इतना ही नहीं सत्तापक्ष के असामाजिक तत्वों द्वारा संविधान निमार्ता डॉ. भीमराव अंबेडकर की मूर्ति को क्षतिग्रस्त भी कर दिया। साथ ही दलित समाज के लोगों के साथ मारपीट की गई। उनकी फसलों को जला कर नुकसान पहुंचाया गया। इससे यह साबित होता है कि भाजपा लोकतंत्र एवं दलित विरोधी पार्टी है। इन घटनाओं के विरोध में कांग्रेस 11 बजे नगर के स्टेशन रोड पर सिंचाई विभाग विश्रामगृह के समीप स्थित बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा के समक्ष धरना-प्रदर्शन कर जिला प्रशासन को महामहिम राज्यपाल के के नाम ज्ञापन सौंपेगी। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक अजय सिंह के नेतृत्व में आयोजित इस प्रदर्शन में संगठन के पदाधिकारी, वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहेंगे। समस्त कांग्रेसजनों से कार्यक्रम में साथियों सहित सहभागी बनने की अपेक्षा की गई है।

कलश यात्रा के साथ शुरू हुई श्रीराम कथा, 2100 महिलाएं कलश यात्रा में हुई शामिल

अनूपपुर। अनूपपुर जिला मुख्यालय में अमरकंटक रोड चंदास नदी के पास नौ दिवसीय श्रीराम कथा का आयोजन श्रीराम सेवा समिति अनूपपुर की ओर से किया जा रहा है। इसकी शुरूआत सोमवार को भव्य कलश यात्रा के साथ हुई। जहां हजारों की संख्या में श्रद्धालु जैतहरी रोड शिव मंदिर तिपान नदी तुलसी कॉलेज के पास एकत्रित हुए और कलश यात्रा प्रारम्भ हुई, जहां इस कलश यात्रा में जिले भर से आई हुई 2100 महिलाएं कलश यात्रा में सम्मिलित हुई। शोभा यात्रा में महिला और पुरुष पीले वस्त्र धारण किए हुए थे। कलश यात्रा में भगवान श्रीराम की झांकियां भी शामिल की गई। कलाकारों ने हनुमान का रूप धारण किया। इस शोभायात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु सम्मिलित हुए, जिसको देखते हुए एक किलोमीटर तक लंबी लाइन मुख्य मार्ग पर लग गई, जहां सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस भी उपस्थित रही। कलश यात्रा से पूर्व आयोजन समिति और नगर के गणमान्य लोगों की यजमानी में पुरोहितों और आचार्य मंडल ने पूर्ण विधि विधान से देवी-देवताओं की पूजा करवा कर मंगल कलशों में तिपान नदी के पावन अभिमंत्रित जल से भर कर कन्याओं को दिया। कलश पूजन उपरांत कलश यात्रा का शुभारंभ तिपान नदी के तट से प्रारंभ हुआ। 19 से 27 नवंबर को दोपहर 3 से 6 बजे तक प्रेम भूषण जी महाराज के मुखारबिन्द से रामकथा का रसपान जिले वासियों को मिलेगा। इसमें 19 नवंबर को श्रीराम कथा महिमा, 20 को शिव पार्वती विवाह महोत्सव, 21 को भगवान के अवतार के कारण, प्रकाट्य महोत्सव, 22 को बाल लीला व अहिल्या उद्धार, 23 को धनुष भंग व श्री सीताराम विवाह महोत्सव, 24 को वन प्रदेश की मंगल यात्रा, केवट प्रेम, 25 को भगवान के 14 निवास स्थान, भरत मिलाप, 26 को शबरी प्रेम, नवधा भक्ति व हनुमान जी से मिलन और 27 नवंबर को सुंदरकांड व श्रीराम राज्याभिषेक का आयोजन होगा।

पानी का दबाव बढ़ते ही टूटी मुख्य नहर, खेतों में भरा पानी

सिवनी/कान्हीवाड़ा ■

जिले में अफसरशाही इस कदर हावी है कि कलेक्टर के आदेश को भी ताक पर रखकर अधिकारी मनमाना काम कर रहे हैं। इसका नुकसान जिले में आमजनों, किसानों को उठाना पड़ रहा है। ताजा मामला सिंचाई विभाग से जुड़ा है। कलेक्टर संस्कृति जैन ने बैठकों और निरीक्षण के दौरान कई बार अधिकारियों को नहरों का निरीक्षण करने, नहरों पर उगी झाड़ी-कचरे की सफाई, जरूरी मरम्मत और अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए थे। लेकिन अधिकारियों ने महज खानापूर्ति किया। नतीजा ये हुआ कि बांध से पानी छोडने पर मुख्य नहर का एक हिस्सा बह गया। जिससे किसानों के खेतों में पानी भरने से नुकसानी उठानी पड़ रही है।

संजय सरोवर भीमगढ़ बांध के दांयी तट नहर की मुख्य नहर (कैनाल) को किसानों की मांग पर 15 नवम्बर को खोलकर 200 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। यह नहर कान्हीवाड़ा क्षेत्र

के जामुनटोला के पास 16 नवम्बर की रात पानी का दबाव बढने पर टूट गई। जिससे काफी पानी आसपास के खेतों में भर गया है। इससे किसानों में नाराजगी है। रबी फसलों की बुआई का कार्य प्रारंभ हो रहा है। किसानों को सिंचाई के लिए पानी की आवश्यकता है। ऐसे में जिले से सबसे बड़े कृषि क्षेत्र को सिंचित करने वाले भीमगढ बांध की नहर से पानी छोड़ा गया था। लेकिन नहर की सही मरम्मत और सफाई नहीं होने के कारण एक ओर से नहर की मेढ़ कमजोर होने से मिट्टी बही और किनारे के काफी दूर तक के खेत पानी में डूब गए।

पहले भी टूटती रही है नहरें

क्षेत्रीय किसानों ने नहर फूटने पर सिंचाई विभाग के अफसरों पर आरोप लगाए हैं। कहा कि नहरों में पानी छोडने से पहले व्यापक पैमाने पर साफ.-सफाई और मरम्मत का कार्य किया जाता है। लेकिन इस क्षेत्र में कच्ची नहरों की मेढ़ को न तो मजबूत किया गया और न ही उचित सफाई हुई। यही स्थिति पूर्व के वर्षों में भी बनती रही है। इस बार भी काम में भारी लापरवाही और चूक की गई है, इसका नतीजा है कि यह नहर फूटी है।

बांध के गेट बंद, मरम्मत जारी

नहर टूटने की खबर पाकर भीमगढ़ बांध की आरबीसी नहर को शनिवार की रात बंद कराया गया। लेकिन नहर में छोड़े गए पानी का बहाव रविवार को भी क्षतिग्रस्त नहर के हिस्से तक बना रहा। दोपहर बाद जब जल स्तर कम हुआ, तब नहर में सिंचाई विभाग के अमले ने मरम्मत की शुरूआत की है। हालांकि देर शाम तक मरम्मत पूरी नहीं हो पाई। पुनः नहर से पानी छोडने का समय फिलहाल तय नहीं है।

नहरों का नहीं हो पाया सीमेंटीकरण

इस वर्ष अच्छी बारिश होने से वैनगंगा नदी पर बना भीमगढ़ बांध अधिकतम जल संग्रहण क्षमता 519.30 मीटर तक भरा है। ऐसे में किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी मिलने की उम्मीद की जा रही है, लेकिन जिस तरह से नहरों की बदहाली नजर आ रही है। उससे पानी की बबार्दी और किसानों की नुकसानी का अंदेशा भी बना हुआ है। किसानों ने बताया कि बड़ी नहरों के किनारे हर साल सीपेज होने, टूट-फूट के कारण काफी पानी बर्बाद होता है। मुख्य व सहायक नहरों के काफी हिस्से में अब भी सीमेंटीकरण नहीं हुआ है। वर्षों पुरानी-कच्ची नहरों को दुरुस्त किया जाना चाहिए। अभी शुरूआती समय पर सिंचाई की मांग कम है, इसलिए तत्परता से निरीक्षण करते हुए मुख्य व सहायक नहरों में जरूरी मरम्मत कार्य कराए जाएं।

इनका कहना है -

भीमगढ़ क्षेत्र की नहर टूटने की खबर मिलने पर देर रात को बांध के गेट बंद किए गए हैं। नहर टूटने के कई कारण हो सकते हैं। फिलहाल मरम्मत की जा रही है। जब निर्देश मिलेंगे, तब बांध से पानी छोड़ा जा सकेगा।

उदयभान मर्सकोले,
एसडीओ, भीमगढ़ बांध

एमपी पुलिस के बड़े अधिकारियों के ट्रांसफर

भोपाल ■

मध्यप्रदेश के गृह विभाग ने सोमवार को सुबह बड़े स्तर पर भारतीय पुलिस सेवा आफिसरों के ट्रांसफर किए हैं। इन अफसरों की नई पदस्थापना के आदेश जारी भी हो गए हैं। इनमें एडीजी से लेकर आईडी, डीआईजी और एसपी स्तर के अधिकारी शामिल हैं। इन्हें नई जिम्मेदारी दी गई है।

गृह विभाग के अवर सचिव अन्नू भलावी के हस्ताक्षर से जारी आदेश के मुताबिक 1995 बैच की आईपीएस आफिसर मीनाक्षी शर्मा को अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक पुलिस मुख्यालय भोपाल से अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक सामुदायिक पुलिसिंग एवं आरटीआई पुलिस मुख्यालय भोपाल पदस्थ किया गया है।

भारतीय पुलिस सेवा के 2004 बेच के अधिकारी इरशाद वली नर्मदापुरम जोन के पुलिस महानिरीक्षक थे, जिन्हें विसबल भोपाल पीएचक्यू में पुलिस महानिरीक्षक के पद पर पदस्थ किया गया है।

2006 बेच के आइपीएस आफिसर मिथिलेश कुमार शुक्ला को विसबल रेंज ग्वालियर के पुलिस महानिरीक्षक से नर्मदापुरम जोन का पुलिस महानिरीक्षक पदस्थ किया गया है।

2009 बैच के आईपीएस तुषारकांत विद्यार्थी जो जबलपुर रेंज के उप पुलिस महानिरीक्षक के पद पर पदस्त हैं, उन्हें भोपाल पुलिस मुख्यालय में उप पुलिस महानिरीक्षक पदस्थ किया गया है।

2009 बैच के अतुल सिंह जो जबलपुर रेंज में विसबल उप पुलिस महानिरीक्षक के पद पर पदस्थ थे, उन्हें उप पुलिस महानिरीक्षक, जबलपुर रेंज, जबलपुर एवं उप पुलिस महानिरीक्षक, विसबल, रेंज जबलपुर का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

2012 बैच के श्री कुमार प्रतीक को शहडोल पुलिस अधीक्षक से सेनानी 23वीं वाहिनी विसबल भोपाल पदस्त किया गया है।

2013 बैच के आइपीएस आफिसर रामजी श्रीवास्तव जो सेनानी 8वीं वाहिनी, विसबल छिंदवाड़ा में पदस्थ थे, उन्हें शहडोल का पुलिस अधीक्षक बनाया गया है।

2015 बैच के बैच की निवेदिता गुप्ता को सिंगरौली पुलिस अधीक्षक के पद से सेनानी 8वीं वाहिनी, विसबल छिंदवाड़ा पदस्थ किया गया है।

2016 बैच के आईपीएस आफिसर मनीष खत्री को छिंदवाड़ा पुलिस अधीक्षक के पद से हटाकर सिंगरौली का पुलिस अधीक्षक बनाया गया है। इसी प्रकार 2016 बैच के अजय पांडे को सेनानी 23वीं वाहिनी, विसबल भोपाल को छिंदवाड़ा का पुलिस अधीक्षक बनाया गया है।

अतिरिक्त प्रभार दिया

भारतीय पुलिस सेवा 1999 बैच के राकेश गुप्ता को अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक/विशेष कर्तव्यस्त अधिकारी मुख्यमंत्री को अस्थाई रूप से अगले आदेश तक वर्तमान कार्य के साथ-साथ अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, विसबल, पुलिस मुख्यालय भोपाल का अतिरिक्त प्रभार एवं 2006 बैच के आईपीएस आफिसर अरविंद कुमार सक्सेना को पुलिस महानिरीक्षक ग्वालियर जोन को अस्थाई रूप से अगले आदेश तक पुलिस महानिरीक्षक विसबल रेंज ग्वालियर के पद का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

राज्य पुलिस सेवा में भी तबादले

इसके अलावा राज्य पुलिस सेवा के संदीप भूरिया जो सहायक पुलिस महानिरीक्षक पीएचक्यू भोपाल में पदस्थ थे, उन्हें नरसिंहपुर का अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बनाया गया है। वहीं डा. सलील शर्मा को एसडीओपी खजुराहो जिला छतरपुर से सहायक सेनानी 9वीं वाहिनी विसबल रीवा पदस्थ किया गया है।

एक्सपर्ट सहयोग लेते तो नहीं होती बांधवगढ़ में हाथियों की मौत

जबलपुर ■

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में हुई 11 हाथियों की मौत का मामला मध्यप्रदेश हाईकोर्ट में उठने के बाद सरकार को बैकपुट में आना पड़ा। सरकार की तरफ से हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस सुरेश कुमार कैत तथा जस्टिस विवेक जैन की युगलपीठ को बताया कि दूसरे प्रदेश से एक्सपर्ट की मदद ली जाएगी। युगलपीठ ने सुनवाई के बाद किस प्रदेश से एक्सपर्ट की मदद ली जाएगी, इस संबंध में जवाब पेश करने के निर्देश जारी किए हैं। युगलपीठ ने याचिकाकर्ता को सुझाव पेश करने के आदेश जारी करते हुए अगली सुनवाई 25 नवंबर को निर्धारित की है।

रायपुर निवासी नितिन सिंघवी द्वारा दायर याचिका में कहा गया है कि केंद्रीय पर्यावरण विभाग की गाइड लाइन्स के अनुसार जंगली हाथियों को पकड़ने का कदम अंतिम उपाय के रूप में होना चाहिए। लेकिन मध्यप्रदेश में इसे पहले विकल्प के रूप में अपनाया जा रहा है। छत्तीसगढ़ से जंगली हाथियों के झुंड मध्यप्रदेश के जंगलों में प्रवेश करते हैं, जिससे किसानों की फसलें बर्बाद होती हैं और घरों में तोड़फोड़ की घटनाएं बढ़ रही हैं। कुछ मामलों में जंगली हाथियों द्वारा किए गए हमलों में लोगों की मृत्यु भी हो चुकी है। जंगली हाथियों को प्रिंसिपल चीफ कंजरवेटर फॉरेस्ट (पीसीसीएफ) वाइल्ड लाइफ के आदेश पर ही पकड़ा जा सकता है। जंगली हाथी संरक्षित वन्य प्राणियों की प्रथम सूची में आते हैं और पकड़े जाने के बाद उन्हें टाइगर रिजर्व में भेजकर प्रशिक्षण दिया जाता है। ट्रेनिंग के दौरान हाथियों को यातनाओं का सामना करना पड़ता है। याचिका की सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने सरकार को निर्देशित किया था कि पिछले 30 वर्षों में पकड़े गए हाथियों का पूरा विवरण पेश किया जाए।

भाजपा में वॉट्सएप चीफ की नियुक्ति

भोपाल। हम सबके जीवन में सोशल मीडिया ने किस तरह से असर डाला है। ये किसी से छुपा नहीं है। चाहे चुनाव में वोटरों को लुभाने की बात हो या विपक्षी दल की टांग खींचने की सोशल मीडिया का इस्तेमाल जमकर हो रहा है। ऐसा ही सोशल मीडिया का वाक्या भोपाल से सामने आया है। जहां बीजेपी ह्यवॉट्सएप चीफह्ल की नियुक्ति कही है। ये एमपी में पहली बार हो रहा है। इसका उद्देश्य है कि 20 नवंबर तक राज्य के सभी बूथों में डिजिटल नेटवर्क को स्थापित करना।

भाजपा ने बीएससी पासआउट रामकुमार चौरसिया को व्हाट्सऐप चीफ बनाया है। यह नियुक्ति कोलार के डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी नगर स्थित बूथ 223 पर की है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा की मौजूदगी में इसी बूथ पर सर्वसमति से पहला निर्वाचन हुआ था, जिसमें अध्यक्ष अर्चना गोस्वामी को चुना गया। शर्मा खुद भी इस बूथ के पन्ना प्रमुख बनाए गए हैं। भोपाल जिला भाजपा अध्यक्ष सुमित पचौरी ने बातचीत में पहले बूथ स्तरीय वाट्सएप प्रमुख की नियुक्ति करने की पुष्टि की है।

स्वास्थ्य विभाग में खाली पदों को भरने में हो रही देरी पर डिप्टी सीएम हुए नाराज, GAD और विभाग की ली बैठक

भोपाल ■

मध्य प्रदेश के अस्पतालों में चिकित्सकों और अन्य स्टॉफ की कमी पूरी करने के लिए भर्ती की जा रही है। भर्ती प्रक्रिया में विभाग देरी की जा रही है। इसे लेकर डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ल जीएडी और विभाग के आला अधिकारियों की बैठक ली। इस दौरान उन्होंने असंतोष जताया है। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग और सामान्य प्रशासन विभाग के अफसरों की बैठक में इस बारे में साफ कहा कि विभागों में कोआर्डिनेशन बना रहना चाहिए। संजीवनी क्लीनिक में पद

रिक्त हैं और नए जिलों में जिला अस्पतालों में रिक्त पदों की पूर्ति की जानी है, इसके लिए पीएससी को प्रस्ताव भेजने के काम में तेजी लाने के लिए कहा। अधिकारियों की बैठक में उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और सुधार के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएं। राज्य सरकार प्रदेश को उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं के बेहतर सुधार के लिए अंतर्विभागीय समन्वय आवश्यक है ताकि तेज गति से स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार किया जा सके।

ये अधिकारी रहे मौजूद

मंत्रालय में स्वास्थ्य विभाग के महत्वपूर्ण कार्यों और अंतर्विभागीय समन्वय विषयों की समीक्षा बैठक में अपर मुख्य सचिव सामान्य प्रशासन विभाग संजय दुबे, प्रमुख सचिव वित्त मनीष रस्तोगी, प्रमुख सचिव स्वास्थ्य संदीप यादव और आयुक्त स्वास्थ्य तरुण राठी की मौजूदगी में उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने संजीवनी क्लीनिक में रिक्त पदों पर जल्द से जल्द नियुक्तियां करने के निर्देश दिए।

क्या भारत एक स्वस्थ युवाओं का देश भी है ?

वर्तमान भारत जिसके विषय में हम गर्व से कहते हैं कि यह एकयुवा देश है, क्या हम उसके विषय में यहभी कह सकते हैं कि भारत स्वस्थ युवाओं का देश है? यह प्रश्न अनायास नहीं है अपितु यह प्रश्न उन सर्वेक्षणोंके आधार पर है जिनमें हमारे बच्चों में टाइप 2 मधुमेह के बढ़ते मामलों का गम्भीर विषय सामने आया है। कभी वयस्कों में देखी जाने वाली बीमारी मधुमेह अब युवाओं औरबच्चों तक को एक बड़ी संख्या में अपनी चपेट में ले चुकी है। विडम्बना यह है कि खानपान की आदतों के कारण होने वाली मधुमेह जैसी बीमारी के ये बढ़ते आँकड़े ऐसे देश मेंसामने आ रहे हैं जहाँ बचपन की स्वास्थ्य समस्याएँ पहले मुख्य रूप से कुपोषण औरसंक्रामक रोगों से संबंधित थीं। लेकिनअधिक चिंताजनक विषय यह है कि देश के युवाओं में मधुमेह रोग जिस प्रकार अपने पैरपसार रहा है उसके दूरगामी प्रभाव सिर्फ इन युवाओं के स्वास्थ्य पर ही नहीं बल्किदेश के भविष्य पर भी निश्चित तौर पर पढ़ेंगे।

डॉ नीलम महेंद्र
लेखक
ग्लोबल हेराल्ड

इस विषय में सबसे निराशाजनक पहलू यह है कि देश की युवा पीढ़ीमें मधुमेह के बढ़ते मामले आधुनिक जीवनशैली से जुड़े हैं। क्योंकि एक तरफ वर्तमानजीवन शैली के चलते हमारी शारीरिक गतिविधियां सीमित हो रही हैं वहीं दूसरी तरफडिजिटलाईजेशन के परिणामस्वरूप हमारास्क्रीन टाइम बढ़ जा रहा है। आज मोबाइल फोन, वीडियो गेम और डिजिटल मनोरंजन के साधन बच्चों के जीवन का मुख्य केंद्र बन गए हैं। इनसब के बीच शारीरिक खेल और बाहरी गतिविधियाँ बच्चों के जीवन में से कहीं पीछे छूटगई हैं। जैसे-जैसे तकनीक अधिक सुलभ होती जा रही है, बच्चे स्क्रीन के सामने अधिक समय व्यतीत रहेहैं और दौड़ने या खेल में कम समय बिता रहे हैं। यह वाकई में चिंताजनक है कि जीवनशैली का यह बदलाव सिर्फ. बच्चों के समय बिताने के तरीके को ही नहीं बदल रहा हैबल्कि यह उनके स्वास्थ पर भी प्रतिकूल असर डाल रहा है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की हालिया रिपोर्ट से यह गम्भीरविषय सामने आया है। राष्टीय स्वास्थ्यमिशन द्वारा किए गए एक अध्ययन में यह पाया गया कि पिछले पाँच वर्षों में 5-14 वर्ष की आयु के बच्चोंमें टाइप 2 मधुमेह की घटनाओं में 65% की वृद्धि हुई है। इस रिपोर्ट में यह चौंकाने वाली बात भी सामनेआई है कि यह वृद्धि केवल शहरी क्षेत्रों तक ही सीमित नहीं है बल्कि देश के ग्रामीणऔर अर्ध-शहरी इलाकों में भी देखी जा रही है। नेशनल हेल्थ मिशन की इस रिपोर्ट कोपढ़ने पर यह विचलित करने वाला तथ्य सामने आया कि ग्रामीण जिलों में, बच्चों में बढ़ते मोटापेके कारण उनमें टाइप 2 मधुमेह होने का खतरा एकसे तीन गुना बढ़ गया है। बल्कि वास्तविकता तो यह है कि कई बच्चे अब वयस्क होने सेबहुत पहले ही इस बीमारी की शुरूआत (प्री डाइबेटीस) का सामना कर रहे हैं। विभिन्न रिसर्चों के माध्यम से आज यह बात सिद्ध हो चुकी हैकि टाइप 2 मधुमेह एक जीवनशैली सेजुड़ी बीमारी है। यह तब होती है जब हमारा शरीर इंसुलिन के प्रति प्रतिरोधी हो जाताहै या जब अग्न्याशय सामान्य रक्त शर्करा के स्तर को बनाए रखने के लिए पर्याप्तइंसुलिन का उत्पादन करने में असमर्थ होता है। अधिकांश तौर पर यह बीमारी वयस्कों सेजुड़ी होती है, लेकिन गतिहीन जीवनशैली, अस्वास्थ्यकर आहार औरमोटापे के कारण आज यह बच्चों में भी तेजीसे अपने पैर पसार रही है। बच्चों में बाल्यावस्था में ही मधुमेह का बढ़ना चिंताजनकहै क्योंकि न सिर्फ यह तात्कालिक स्वास्थ्य सम्बन्धी उलझने पैदा करती है बल्कि इस बीमारी के साथ होने वालीदीर्घकालिक जटिलताओं के कारण हृदय संबंधी समस्याएं, गुर्दे की बीमारी, तंत्रिका क्षति और यहांतक कि दृष्टि हानि भी हो सकती है। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के अनुसार, पिछले दशक में टाइप 2 मधुमेह से पीड़ित बच्चों की संख्या दोगुनी से अधिक हो गईहै। 2023 में, भारत में अनुमानित 2 मिलियन बच्चे इस बीमारीसे पीड़ित थे, और विशेषज्ञों का अनुमानहै कि अगले कुछ वर्षों में यह संख्या अप्रत्याशित रूप से बढ़ जाएगी। यह समस्याविशेष रूप से शहरों में अधिक गंभीर है, जहाँ बच्चों के पास चीनी और वसा से भरपूर फास्ट फूड के अनेकविकल्प उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त प्रतिस्पर्धा के इस दौर में बेहतर शैक्षणिकप्रदर्शन के दबाव के कारण उनकी खेल कूद जैसी शारिरिक गतिविधियां न के बराबर होतीहो चुकी हैं। परिणामतः जो बच्चे कभी क्रिकेट, फुटबॉल खेलने या अपने दोस्तों के साथ बस इधर-उधर दौड़ने कासपना देखते थे, वे अब इंसुलिन इंजेक्शन, डॉक्टर के पास जाने औरआहार प्रतिबंधों की दिनचर्या तक सीमित रह गए हैं। जिन बच्चों को अपने बचपन का आनंदलेना चाहिए, वे जीवन भर की बीमारी सेनिपटने के भारी बोझ के साथ बड़े हो रहे हैं। माता-पिता के लिए, यह स्थिति और भी ही दुखद है। अपने बच्चों को स्वस्थ औरमजबूत होते देखने की खुशी की जगह एक जटिल बीमारी से निपटने की जद्दोजहद ने ले लीहै। क्योंकि औसत भारतीय बच्चा आज औसतन 4-5 घंटे प्रतिदिन डिजिटलउपकरणों पर बिताता है। जबकि यह अनुशंसित स्क्रीन समय से काफी अधिक है। क्योंकिवैश्विक स्वास्थ्य दिशानिदेशों के अनुसार बच्चों के लिए यह समय प्रतिदिन दो घंटेसे अधिक नहीं होना चाहिए। मोबाइल फोन, टैबलेट और कंप्यूटर का अत्यधिक उपयोग हमारी शारीरिकगतिविधियों को सीमित कर देता है। शारिरिक गतिहीन जीवन शैली के अतिरिक्त आहार की हमारी बदलतीआदतें भी इन परिस्थितियों में अपनामहत्वपूर्ण योगदान देती हैं। पारंपरिक, घर का बना खाना, जो कभी भारतीय परिवारों की पहचान था, आज उसकी जगह फास्ट फूड औरपैकेज्ड स्नैक्स ने ले ली है। ये खाद्य पदार्थ न केवल कैलोरी बहुल होते हैंबल्कि वसा, शर्करा और लवण जैसेतत्वों से भी भरपूर होते हैं जो मानव शरीर में इंसुलिन के प्रतिरोध और मोटापे कोबढ़ाने का अहम कारण हैं। दुर्भाग्यपूर्ण है कि एक रिपोर्ट के अनुसार शहरी क्षेत्रोंमें लगभग 40% बच्चे नियमित रूप सेफास्ट फूड का सेवन कर रहे हैं। गौरतलब है कि बचपनमें होने वाले मधुमेह का असर सिर्फ. बच्चों पर ही नहीं पड़ता, बल्कि परिवारों पर, उनके माता पिता पर भीपड़ता है। और कालांतर में युवा रोगियों की बढ़ती संख्या का प्रभाव कहीं न कहीं देशकी उन्नति और उसके भविष्य पर भी पड़ता है। लेकिन अच्छी खबर यहहै कि मधुमेह, खास तौर पर टाइप 2 मधुमेह को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है। स्वस्थजीवनशैली को बढ़ावा देकर और शारीरिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करके, हम मौजूदा आंकड़ों को पलटसकते हैं। अनेक रिसर्चों में यह बात सिद्ध हो चुकी है कि जिन लोगों ने स्वस्थ आहारविहार और शारीरिक गतिविधियों को अपनी दिनचर्या में शामिल करके अपनी जीवन शैली मेंबदलाव किया वे काफी हद तक मधुमेह से लड़कर जीते भी हैं। आज जब हम इस संकट का सामना कर रहे हैं तो एक देश के रूप में, एक समाज के रूप में, इस देश के एक जागरूकनागरिक के रूप में,माता पिता के रूप मेंहमें यह समझना चाहिए कि इस देश के हर बच्चे को स्वस्थ, सक्रिय जीवन जीने का मौकामिलना चाहिए। आइए सुनिश्चित करें कि वे मैदानों में खेलें, दोस्तों के साथ तितलियोंके पीछे दौड़ें, अपने बचपन को स्क्रीन केआगे नहीं बाग बगीचों और खुले मैदानों में जिएं ताकि मधुमेह बीमारियों के बोझ सेमुक्त होकर बड़े होने का सपना देख सकें और देश की तरक्की में अपना योगदान दे सकें।

सम्पादकीय

युवा शक्ति के प्रतीक एवं प्रेरणा-स्रोत आईपीएस मनुमुक्त 'मानव'

नियति का यह कैसा दुखद विधान है कि विशिष्ट प्रतिभाओं को यहाँ अत्यल्प जीवन ही मिलता है। आदि शंकराचार्य से लेकर स्वामी विवेकानंद, स्वामी रामतीर्थ, श्रीनिवास रामानुजन, भारतेंदु हरिश्चंद्र और रांगेय राघव तक, एक लंबी सूची है ऐसे महापुरुषों? की, जो अपनी चमक बिखेरकर अल्पायु में ही इस दुनिया से विदा हो गए। भारतीय पुलिस सेवा के युवा अधिकारी मनुमुक्त 'मानव' भी एक ऐसे ही प्रतिभा-पुंज थे, जिन्हें काल ने असमय ही अपना ग्रास बना लिया।

-प्रियंका सौरभ
लेखक

28 अगस्त, 2014 को बहुमुखी प्रतिभा के धनी, अत्यंत होनहार और प्रभावशाली पुलिस अधिकारी मनुमुक्त की 30 वर्ष, 9 माह की अल्पायु में नेशनल पुलिस अकेडमी, हैदराबाद (तेलंगाना) के स्विमिंग पूल में डूबने से, संदिग्ध परिस्थितियों में, मृत्यु हो गई थी। स्विमिंग पूल के पास ही स्थित ऑफिसर्स क्लब में चल रही विदाई पार्टी के बाद, आधी रात को जब मनुमुक्त का शव स्विमिंग पूल में मिला, तो अकेडमी में ही नहीं, पूरे देश में हड़कंप मच गया, क्योंकि यह अकेडमी के 66 वर्ष के इतिहास में घटित होने वाली पहली इतनी बड़ी दुर्घटना थी। यहीं यह बताना भी आवश्यक है कि इतनी मर्मांतक और दुर्भाग्यपूर्ण त्रासदी के बाद भी इस मामले की न तो? ठीक-से जांच हुई और न ही किसी अधिकारी या कर्मचारी की जिम्मेदारी तय कर, उसके विरुद्ध दंडात्मक कार्यवाही की गई। मनुमुक्त के पिता डॉ. रामनिवास 'मानव' भरे मन से बताते हैं कि अधिकारियों की आपराधिक लापरवाही और मनुमुक्त की मृत्यु के षड्यंत्र में शामिल उनके बैचमेट अफसरों की संलिप्तता के दस्तावेजी सबूतों के बावजूद, उनके विरुद्ध कोई कार्यवाही नहीं हुई, बल्कि तेलंगाना पुलिस और सीबीआई ने इसे सामान्य घटना बताकर मामले को रफा-दफा कर दिया। तेलंगाना पुलिस और सीबीआई का पूरा प्रयास दोषियों को बचाने का था, दोषियों को सजा दिलाने का नहीं। ? यही नहीं, मनुमुक्त को ट्रेनी बताकर सभी सरकारों ने पल्ला झाड़ लिया, किसी ने एक रुपये की भी आर्थिक सहायता परिवार को प्रदान नहीं की। उल्लेखनीय है कि मनुमुक्त 2012 बैच और हिमाचल प्रदेश काडर के परम मेधावी और ऊर्जावान पुलिस अधिकारी थे। 23 नवंबर, 1983 को हिसार (हरियाणा) में जन्मे तथा पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ से उच्च शिक्षा प्राप्त मनुमुक्त ने 'सी' सर्टिफिकेट सहित एनसीसी की सभी सर्वोच्च उपलब्धियाँ प्राप्त की थीं। वह बहुत अच्छे चिंतक होने के साथ-साथ बहुमुखी कलाकार और सफल फोटोग्राफर भी थे; सेल्फी के तो मास्टर ही थे। उनकी समाज-सेवा में भी बड़ी रुचि थी। वह अपने दादा-दादी की स्मृति में अपने पैतृक गाँव में स्वास्थ्य-केंद्र तथा नारनौल में सिविल सर्विस एकेडमी स्थापित करना चाहते थे। देश और समाज के लिए उनके और भी बहुत सारे सपने थे, जो उनकी असामयिक मृत्यु के साथ ही ध्वस्त हो गए। इकलौते जवान आईपीएस बेटे की मृत्यु मनुमुक्त के पिता, वरिष्ठ साहित्यकार और शिक्षाविद् डॉ. रामनिवास 'मानव' तथा माता अर्थशास्त्र की पूर्व प्राध्यापिका डॉ. कांता भारती के लिए भयानक वज्रपात से कम नहीं थी। कोई अन्य दम्पत्ति होता, तो शायद टूटकर बिखर जाता, लेकिन 'मानव' दम्पत्ति ने अद्भुत धैर्य और साहस का परिचय देते हुए, न केवल इस अकल्पनीय-असहनीय पीड़ा को झेला, बल्कि अपने बेटे की स्मृतियों को सहेजने और सजीव बनाए रखने के लिए भरसक प्रयास भी प्रारंभ कर दिए। उन्होंने अपनी संपूर्ण जमापूंजी लगाकर 10 अक्टूबर, 2014 को मनुमुक्त 'मानव' मेमोरियल ट्रस्ट का गठन किया और नारनौल में 'मनुमुक्त भवन' का निर्माण कर उसमें वातानुकूलित लघु सभागार, संग्रहालय और पुस्तकालय की स्थापना की। ट्रस्ट द्वारा अढाई लाख का एक अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार, एक लाख का एक राष्ट्रीय पुरस्कार, 21-21 हजार के दो तथा 11-11 हजार के तीन राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार और सौ मनुमुक्त 'मानव' स्मृति-सम्मान प्रारंभ किए। दोनों बड़े पुरस्कार फिलहाल स्थगित? हैं, किंतु शेष सभी पुरस्कार-सम्मान? प्रतिवर्ष, नियमित रूप से, प्रदान किए जा रहे हैं।

गहलोत के इस्तीफे का झटका, बड़े संकट का संकेत

-ललित गर्ग- | लेखक

दिल्ली में विधानसभा चुनावों से पहले आम आदमी पार्टी को एक बड़ा झटका लगा। दिल्ली सरकार के प्रमुख मंत्री कैलाश गहलोत ने जिस तरह से चुनावी वादों को पूरा न करने जैसे ऐसे अनेक मुद्दों का जिक्र करते हुए अपने पद एवं प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दिया है जो अरविंद केजरीवाल की छवि पर सीधी चोट करने वाले हैं। दिल्ली के विकास की बजाय आप सरकार का सारा समय केंद्र सरकार से झगड़ा करने में बीतने की बात कहकर गहलोत ने आम आदमी पार्टी की एक बड़ी कमजोरी को उजागर किया है, जो आप के लिये एक बड़ा राजनीतिक संकट का संकेत है। अरविंद केजरीवाल ने सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे के साथ भ्रष्टाचार के खिलाफ एक बड़ा आंदोलन शुरू करके इस पार्टी का गठन किया, लेकिन खुद एवं उसके अन्य बड़े नेता भ्रष्टाचार के आरोप में जेल की यात्रा कर आये, अनेक मतभेदों, विवादों एवं केजरीवाल के अहंकार, गलत नीतियों के चलते पार्टी के कई दिग्गज नेता पार्टी से दूर होते चले गए, जिनमें किरण बेदी, कवि कुमार विश्वास, आशुतोष, आशीष खेतान, शांति भूषण, प्रशांत भूषण, योगेंद्र यादव, शाजिया इल्मी और कपिल मिश्रा और अब कैलाश गहलोत जैसे नाम शामिल हैं। लगता है अब आम की झाड़ू ही नहीं, बल्कि आप के राजनीतिक मूल्य भी तार-तार हो गये हैं। आम आदमी पार्टी के बढ़ते संकट एवं गिरते राजनीतिक मूल्यों के कारण उसकी चुनौतियां खत्म होने का नाम ही नहीं ले रही है।

कैलाश गहलोत ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अरविंद केजरीवाल और दिल्ली की सीएम आतिशी को इस्तीफा भेजा है। दिल्ली की सीएम आतिशी ने गहलोत का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। गहलोत ने अपने पद और पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देते हुए एक लम्बा पत्र केजरीवाल को भेजा है। उन्होंने इस्तीफे में यमुना की सफाई और शीशमहल निर्माण का मुद्दा उठाया है। गहलोत ने पत्र में आरोप लगाते हुए लिखा है कि जिस ईमानदार राजनीति के चलते वह आम आदमी पार्टी में आए थे, वैसा अब नहीं हो रहा है। उन्होंने पार्टी के संयोजक व पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल के सरकारी आवास को शीशमहल करार देते हुए कई आरोप भी लगाए हैं। ऐतिहासिक भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन से जन्मी इस पार्टी का यह हश्र एवं दूरगति राजनीतिक महत्वाकांक्षा का परिणाम है। आम आदमी पार्टी खुद को ईमानदारी के उच्चतम मानकों पर रखने का दावा भले ही करती रही हो, लेकिन उसने सत्ता का दुरुपयोग करते हुए राजनीतिक एवं नैतिक मूल्यों को ध्वस्त ही किया है। आप का उदय एक ताजी हवा का झोंका था लेकिन आज वह दूषित राजनीति का पर्याय बन गया है।

दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले कैलाश गहलोत का इस्तीफा आम आदमी पार्टी के लिये उल्टी गिनती का द्योतक है, यह राजनीतिक रूप से नुकसान पहुंचाने वाला है, क्योंकि गहलोत ने एक तो यह कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार यमुना को साफ नहीं कर सकी और स्थिति यह है कि वह पहले से अधिक गंदी हो गई है। इसके अलावा उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि आप सरकार का सारा समय केंद्र सरकार से झगड़ा करने में बीतता है। भले ही आप कैलाश गहलोत की इन बातों को यह कहकर खारिज कर सकती है कि वह भाजपा की भाषा बोल रहे हैं और यह भी कहा जा सकता है कि गहलोत पर ईडी-सीबीआइ आदि का दबाव था। निश्चित ही गहलोत के खिलाफ ईडी और इनकम टैक्स के कई मामले चल रहे थे। कैलाश गहलोत पर ईडी और इनकम टैक्स की कई रेड भी हो चुकी थी। वह जांच का सामना कर रहे थे। आप के इन बयानों में कुछ सच्चाई भी हो सकती है कि उनके पास इस्तीफा देने के अलावा कोई और विकल्प नहीं था। लेकिन बड़ा तथ्य है कि आप दिल्ली की जनता के साथ न्याय नहीं कर सकी है, वह केंद्र सरकार से बात-बात में झगड़ा मोल लेने के लिए जानी जाती है। इससे इन्कार नहीं कि केंद्र सरकार भी आम आदमी पार्टी से उलझती हुई दिखती है, लेकिन दिल्ली सरकार की छवि ऐसी बन गई है कि वह केंद्र सरकार पर दोषारोपण करने का मौका ढूंढ़ती रहती है। दिल्ली और केंद्र सरकार के बीच हर मुद्दे पर खींचतान जारी रहने से सबसे अधिक नुकसान दिल्ली की जनता को हुआ है। दिल्ली की कई समस्याएं नहीं सुलझ पाने, दिल्ली का अपेक्षित विकास न हो पाने एवं अपने चुनावी वादों को पूरा न करने के कारणों के लिये आप नेताओं ने हमेशा ही केन्द्र सरकार एवं भाजपा को दोषी ठहराया है। गहलोत ने कहा कि पार्टी से जुड़ी उनकी यात्रा का उद्देश्य दिल्ली के लोगों की सेवा करना था, लेकिन अब उन्होंने महसूस किया कि पार्टी सिर्फ अपने राजनीतिक एजेंडे के लिए लड़ रही है, जिससे दिल्लीवासियों को बुनियादी सेवाएं प्रदान करने में मुश्किलें आ रही हैं। ऐसे में उनके सामने पार्टी से अलग होने के अलावा कोई और विकल्प नहीं था। आप टकराव की राजनीति में व्यस्त रही, अच्छे गवर्नेंस और बेहतर राजनीति का दामन उसके हाथ से लगातार छूटता रहा। दिल्ली में पार्टी ने असंख्य मुद्दे उठाये लेकिन वह इन सबको आखरी मंजिल तक नहीं पहुंचा पायी। यह भविष्य ही बताएगा कि कैलाश गहलोत का त्यागपत्र आम आदमी पार्टी को राजनीतिक रूप से महंगा पड़ेगा या नहीं, लेकिन इसमें दो राय नहीं कि उन्होंने अपने इस्तीफे में जिस तरह आप की गलत नीति एवं केजरीवाल की अति-महत्वाकांक्षाओं का जिक्र किया, वह अरविंद केजरीवाल के साथ-साथ पूरी आम आदमी पार्टी की साख को करारा आघात देने वाला है। यह एक तथ्य है कि आम आदमी पार्टी आज तक इस प्रश्न का कोई संतोषजनक उत्तर नहीं दे सकी कि आखिर अरविंद केजरीवाल को मुख्यमंत्री रहते अपने सरकारी आवास की साज-सज्जा पर 45 करोड़ रुपये खर्च करने की क्या जरूरत थी? कैलाश गहलोत ने अपने पत्र में यह भी आरोप लगाया है कि आप अपनी रीति-नीति से भटक गई है। केजरीवाल और उनके सहयोगी इससे सहमत नहीं होने वाले, लेकिन इसमें कोई दो राय नहीं कि आप की भ्रष्टाचार विरोधी राजनीतिक दल की छवि का बहुत अधिक क्षरण हुआ है। आप ने नई तरह की एवं मूल्यों की राजनीति करने के जो तमाम दावे किए थे, वे दावे यदि खोखले नजर आने लगे हैं तो इसके लिए अरविंद केजरीवाल और उनके सहयोगी अन्य किसी को जिम्मेदार नहीं ठहरा सकते। एक बड़ा सवाल है कि आप की इस दुर्दशा के चलते क्या वह दिल्ली पर अपनी मजबूत पकड़ को क्या कायम रख पायेगी? क्या दिल्ली में भाजपा या अन्य दलों के लिये अब सत्ता तक पहुंचने की संभावनाएं बढ़ गयी है? आप एवं उसकी सरकार के लिये अभी भी देर नहीं हुई है, जरूरत है कि वह जन मुद्दों के बीच प्राथमिकता तय करे। अनावश्यक टकराव से बचते हुए अपने एजेंडे को अमलीजामा पहनाये। जहां सत्ता में है, वहां अच्छा शासन दें और जहां विपक्ष में है, वहां ज्यादा रचनाशील और प्रतिरोधात्मक ताकत बने। एक बड़ा मुद्दा है कि वह नेतृत्व और सांगठनिक संरचना को लोकतांत्रिक तरीके से मजबूत बनाये। अभी तक पूरी पार्टी अरविन्द केजरीवाल-केंद्रित है, वह पार्टी भले बन गई हो पर उसकी सांगठनिक संरचना एक ऐसे एनजीओ जैसी है, जिसका एक सर्वशक्तिमान निदेशक है और पूरा संगठन उसके निर्देश और रहमोकरम पर चलता है। यही कारण है कि एक से बढ़कर एक कद्दावर के आप नेता पार्टी छोड़ते रहे हैं। अगर आप को राजधानी दिल्ली के दायरे में या इस दायरे के बाहर अपनी सुसंगत राजनीति से लोगों को लंबे समय तक प्रभावित करना है तो कथनी और करनी में समानता दिखानी होगी। आप को अपना दोगलापन दूर करना होगा। आप के जीवन में सत्य खोजने पर भी नहीं मिलता। दोहरे मापदण्ड अपनाने के कारण आप की हर नीति, हर निर्णय एवं हर कथन समाधानों से ज्यादा समस्याएं पैदा करता रहा है। जिन्दा कौमें पांच वर्ष तक इन्तजार नहीं करती, दिल्ली की जनता ने कई गुणा इंतजार कर लिया है। यह विरोधाभास नहीं, दुर्भाग्य है या सहिष्णुता कहें? जिसकी भी एक सीमा होती है। जो पानी की तरह गर्म होती-होती 50 डिग्री सेल्सियस पर भाप की शक्ति बन जाती है।

मणिपुर हिंसा का असर केंद्र और मणिपुर की सरकार पर ?

समय तेजी के साथ बदलता है। समय के साथ कैसे चीजें बदलती हैं। इसका उदाहरण है, मणिपुर में जिस तरह से हिंसा फैली है। वहां के 17 विधायकों ने सरकार से समर्थन वापस लेने की घोषणा कर दी है। जब मणिपुर की सरकार बनी थी, उस समय 60 सदस्यों की विधानसभा में 52 विधानसभा सदस्यों का समर्थन मुख्यमंत्री वीरेन सिंह को प्राप्त था। अब 17 विधायकों के समर्थन वापस लेने के बाद केवल 35 विधायक सरकार के समर्थन में बचे थे। वर्तमान हिंसा के बाद 14 भाजपा विधायकों ने वीरेन सिंह को मुख्यमंत्री पद से हटाने के लिए भाजपा हाईकमान को अल्टीमेटम दे दिया है। मणिपुर में जिस तरह से विधायकों, मंत्री और मुख्यमंत्री के घरों पर हमला हो रहा है। भारी सुरक्षा बल तैनात होते हुए भी भीड़ पर सुरक्षा बल काबू नहीं कर पा रहा है। इससे मणिपुर की स्थिति बहुत विस्फोटक हो गई है। पूर्वोत्तर राज्यों में भी इसका असर देखने को मिलने लगा है। केंद्र ने यदि इन्हें जल्द नहीं हटाया, तो वीरेन सिंह के पक्ष में केवल 21 विधायक बचे रहेंगे। जबकि मुख्यमंत्री बने रहने के लिए उन्हें 31 विधायकों का समर्थन आवश्यक होगा। विधायक लगातार मुख्यमंत्री वीरेन सिंह को हटाने की मांग कर रहे थे। लेकिन उनकी मांग केंद्र सरकार द्वारा नही माने जाने पर अब विद्रोह की स्थिति बन गई है। मणिपुर में नगा पीपुल्स फ्रंट के 5, एनपीपी के 7, जदयू के 5 और 3 निर्दलीय विधायक समर्थन वापस ले चुके हैं। अब 14 भाजपा विधायकों ने विद्रोह कर दिया है। इससे तय है, मणिपुर के मुख्यमंत्री वीरेंद्र सिंह को तत्काल नहीं हटाया गया, तो मणिपुर की सरकार एक-दो दिन के अंदर गिर जाएगी। ऐसी स्थिति में केंद्र के पास एक ही रास्ता रह जाएगा, मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू करे और मणिपुर की सारी जिम्मेदारी केंद्र सरकार स्वयं अपने हाथ में ले। मणिपुर में पूर्णकालिक राज्यपाल की नियुक्ति नहीं की गई है। भाजपा के प्रति पूर्वोत्तर के राज्यों में भारी नाराजी देखने को मिल रही है। पूर्वोत्तर के राज्य, केंद्र सरकार के साथ इसलिए रहते हैं कि उन्हें केंद्र से अधिक से अधिक आर्थिक सहायता मिलेगी। पूर्वोत्तर राज्यों के छात्र-छात्राओं को बेहतर सुरक्षा और शिक्षा मिलेगी। केंद्र में भाजपानीत सरकार होने के कारण पूर्वोत्तर के राज्यों की क्षेत्रीय पार्टियों ने भाजपा को समर्थन दिया। लेकिन पिछले महीनों से लगातार हिंसा को देखते हुए पूर्वोत्तर के राज्यों का मिथक भाजपा को लेकर टूट गया है। 25 नवंबर से संसद का शीतकालीन सत्र शुरू होने जा रहा है। मणिपुर की हिंसा, वक्फ बोर्ड विधेयक, महंगाई, बेरोजगारी, झारखंड महाराष्ट्र और उपचुनाव के परिणाम का असर इस शीतकालीन सत्र में देखने को मिलेगा। शेयर बाजार में भारी गिरावट, डॉलर के मुकाबले रुपए की कीमत में गिरावट, आर्थिक मंदी, बैंकों में नगदी की कमी, सेबी प्रमुख माधुरी बुच को लेकर संसद में भारी हंगामा होना तय माना जा रहा है। केंद्र सरकार पर चारों तरफ से हमले हो रहे हैं। इंडिया गठबंधन आज भी एकजुट बना हुआ है। एनडीए गठबंधन और भाजपा के अंदर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह को चुनौतियां मिलना शुरू हो गई हैं। महाराष्ट्र, झारखंड के चुनाव परिणाम और विभिन्न राज्यों में जो उपचुनाव हो रहे हैं। यदि उनके परिणाम अनुकूल नहीं रहे तो विपक्ष और आक्रामक मुद्रा में होगा। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में जिस तरह का छात्र आंदोलन शुरू हुआ है। उससे लोगों को 1975 के छात्र आंदोलन की यादें आने लगी हैं। केंद्र सरकार की स्थिति मे बदलाव आना तय माना जा रहा है। चुनाव आयोग द्वारा जिस तरह से चुनाव में भाजपा को समर्थन करने का आरोप लग रहा है। उसके कारण अब चुनाव आयोग की साख आम जनता के बीच खत्म हो चुकी है। एक सर्वे में 73 फीसदी मतदाता चुनाव आयोग पर अविश्वास जता चुके हैं। बांग्लादेश जैसी स्थिति भारत में बनने की आशंका जाहिर की जा रही है। चुनाव आयोग के बारे में लोग मुखर होकर विरोध कर रहे हैं। सड़कों पर आंदोलन पहले से ही शुरू हो चुके हैं। चुनाव आयोग की कार्य प्रणाली को लेकर अब इंडिया गठबंधन के सभी राजनीतिक दल ईवीएम से चुनाव करने के पक्षधर नहीं हैं। चुनाव आयोग और ईवीएम मशीन के खिलाफ राष्ट्रव्यापी आंदोलन छेड़ने की बात शुरू हो गई है। वक्फ बोर्ड विधेयक पर जेपीसी बनाई गई थी। जेपीसी अध्यक्ष को लेकर जिस तरह से सारे विपक्ष ने एकजुट होकर उनके ऊपर अविश्वास व्यक्त करते हुए, लोकसभा अध्यक्ष को पत्र लिखा है। ऐसी स्थिति में सरकार यदि वक्फ बोर्ड विधेयक लेकर आती है तो एनडीए गठबंधन के सहयोगी दल सरकार को मतदान के समय तगड़ा झटका दे सकते हैं। पिछले कुछ समय से हिंदू धर्म संसद एवं मुसलमान द्वारा वक्फ बोर्ड के समर्थन में उत्तेजित बयान देखने और सुनने को मिल रहे हैं। मणिपुर में फैली हिंसा का असर पूर्वोत्तर के सभी राज्यों में देखने को मिलने लगा है। मणिपुर में 60000 से ज्यादा सेना, सीमा सुरक्षा बल और पुलिस के जवान तैनात किए जाने के बाद भी स्थितियां नियंत्रण से बाहर हो गईं हैं। शेयर बाजार में लगातार गिरावट से अब तक लगभग 60 लाख करोड रुपए का नुकसान पिछले 1 महीने में निवेशकों को हो चुका है। इसका असर आम जनता पर भी पड़ना तय है। अर्थशास्त्री कह रहे हैं जिस तरह की स्थिति अमेरिका में 2008 में बनी थी वही स्थिति भारत में भी जल्द आ सकती है। इतनी तेजी के साथ इतने सारे बदलाव देखने को मिल रहे हैं। जिनके बारे में पहले सोचा भी नहीं गया था। निश्चित रूप से इसका असर केंद्र की वर्तमान सरकार पर पडना तय है। संसद के शीतकालीन सत्र पर इसका असर देखने को मिल सकता है। इसने सरकार की चिंता को बढ़ा दिया है। स्थिति ऐसी बन रही कि चाह कर भी सरकार कुछ नहीं कर पा रही है। जिस तरह मुट्ठी से रेत फिसलती है। कुछ वैसी ही स्थिति केंद्र सरकार की देखने को मिल रही है। जो भी प्रयास सरकार द्वारा किये जा रहे हैं। उसके सार्थक परिणाम सरकार को नहीं मिल पा रहे हैं। राजनीतिक और आर्थिक उथल-पुथल को देखते हुए कब क्या हो जाएगा, यह नहीं कहा जा सकता है।

सनत जैन
लेखक

आहार का असर

आदमी बीमार हो गया। रक्त चढ़ाने की जरूरत हुई। डॉक्टर रक्त चढ़ाता है, तो पहले वह ग्रुप मिलाता है। किस ग्रुप का रक्त है? ठीक मिलेगा या नहीं? सेठ को रक्त चढ़ाना था- एक कंजूस आदमी का रक्त ठीक मिला, चढ़ाया गया। सेठ को पता चला कि उसको कंजूस का रक्त चढ़ाया जा रहा है। सेठ बड़ा उदार था। अपने मुनीम को कहा, उसको तीन हजार रूपए दे दो। भाग्य की बात, दूसरी बार फिर खून चढ़ाने की जरूरत हुई। उसी कंजूस का रक्त। सेठ ने कहा, उसे सौ रूपए दे दो। तीसरी बार जरूरत हुई तो सेठ ने एक कागज लिया और उस पर लिखा साधुवाद, धन्यवाद!

ऐसा क्यों हुआ? सेठ तो उदार था, किन्तु जिसका रक्त चढ़ाया जा रहा था, वह कंजूस था। उसका इतना प्रभाव हुआ कि जब तक रक्त का पूरा प्रभाव नहीं हुआ तो तीन हजार रूपए दिए, थोड़ा प्रभाव हुआ तो सौ रूपए और पूरा प्रभाव हुआ तो धन्यवाद दिया। कहने का अर्थ यह कि चाहे रक्त हो, चाहे कोई दूसरी वस्तु हो, हमारे शरीर में बाहर के जो परमाणु प्रवेश पाते हैं, वे परमाणु जिस प्रकार के होते हैं, अपना प्रभाव डाले बिना नहीं रहते। इसलिए यह विषय हमारे लिए इतना महत्व का है कि बाहर से क्या आ रहा है, हम पूरा विवेक करें, पूरी छानबीन करें, तब ही किसी बात को स्वीकार करें। हम इस बात को अस्वीकार नहीं करेंगे कि भोजन के परमाणुओं में अनेक तत्व विद्यमान होते हैं, अनेक संस्कार मिले होते हैं। उन संस्कारों का असर हमारे जीवन के दैनिक क्रियाकलापों पर पड़ता है। इससे हम अछूते नहीं रह सकते।

ग्लोबल हेराल्ड में प्रकाशित होने वाले लेख लेखकों के निजी विचार है

व्यापार

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुम्बई ■

घरेलू शेयर बाजार सोमवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबार दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कामजोर संकेतों के साथ ही आईटी और उर्जा शेयरों में बिकवाली विशेष रुप से हावी रहने से आई है। बाजार में गिरावट का एक और कारण विदेशी निवेशकों का इससे दूरी बनाना भी है। निवेश अमेरिका में आर्थिक नीतियों को लेकर आशंकित हैं अनका इंतजार कर रहे हैं।

बाजार जानकारों के अनुसार गिरावट का कारण टीसीएस, इन्फोसिस के अलावा उर्जा शेयरों में बिकवाली रही। विदेशी निवेशकों की भारतीय शेयर बाजारों से बिकवाली जारी है। इसकी वजह से भी निवेशकों की चिंता बढ़ गई है और उसका प्रभाव भी बाजार में देखने को मिला। इसके अलावा कंपनियों के दूसरी तिमाही के परिणाम उम्मीदों के अनुसार नहीं रहने से भी बाजार पर दबाव आया है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स आज दिन भर के कारोबार के बाद अंत में 0.31 फीसदी तकरीबन 241.30 अंक नीचे आकर 77,339.01 पर बंद हुआ। इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी भी 0.34 फीसदी तकरीबन 78.90 अंक नीचे आकर 23,453.80 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी की 50 कंपनियों में से 29 के शेयर गिरावट पर जबकि 21 के शेयर लाभ पर बंद हुए। आज कारोबार के दौरान सैंसेक्स की 30 कंपनियों में से टीसीएस का शेयर सबसे अधिक 3 फीसदी से ज्यादा नीचे आया। वहीं इन्फोसिस का शेयर भी 2.82 फीसदी गिरावट पर बंद हुआ इसके अलावा एनटीपीसी, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक, एक्सिस बैंक, बजाज फिनसर्व, सनफार्मा, इंडसइंड बैंक, रिलायंस, भारती एयरटेल, अल्ट्रा सीमेंट के शेयर नीचे आये। वहीं दूसरी ओर टाटा स्टील का शेयर 2 फीसदी से ज्यादा बढ़त पर बंद हुआ। साथ ही हिंदुस्तान यूनिलीवर, महिंद्रा एंड महिंद्रा, नेस्ले इंडिया, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, अदाणी पोर्ट्स, जेएसडब्ल्यू स्टील, कोटक बैंक, मारुति, एचडीएफसी बैंक के शेयर भी ऊपर आये। इससे पहले आज सुबह विदेशी कोषों की लगातार निकासी, आईटी शेयरों में बिकवाली और अमेरिकी बाजारों से कमजोर संकेत के कारण सोमवार को शुरूआती कारोबार में इक्विटी बेंचमार्क सूचकांक फिर फिसल गए। सुबह की शुरूआत में बीएसई सेंसेक्स 511 अंक गिरकर 77,058 पर कारोबार कर रहा था, जबकि निफ्टी 50 162 अंक गिरकर 23,370 पर था।

भारत 2030 तक अपनी ऊर्जा जरुरत का 50 प्रतिशत अक्षय ऊर्जा से पूरा करेगा

नई दिल्ली ■

भारत ने 2030 तक अपनी प्राथमिक ऊर्जा जरुरत का 50 प्रतिशत अक्षय ऊर्जा से पूरा करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। इसके साथ ही देश में लिथियम-आयन बैटरी की मांग वित्त वर्ष 2027 तक 54 गीगावाट घंटे (जीडब्ल्यूएच) और वित्त वर्ष 2030 तक 127 गीगावाट घंटे तक तेजी से बढ़ने की उम्मीद है।

वर्तमान में, 15 गीगावाट घंटे की घरेलू लिथियम-आयन बैटरी भंडारण मांग करीब पूरी तरह से लिथियम-आयन सेल और बैटरी के आयात से पूरी होती है। भारत अपनी लिथियम आयन बैटरी की जरूरत आयात से पूरी करता है। रिपोर्ट के अनुसार देश की बैटरी को लेकर यह आयात जरूरत वित्त वर्ष 2027 तक घटकर 20 प्रतिशत रह जाएगी। हालांकि, लिथियम आयन बैटरी स्टोरेज के लिए बड़े पैमाने पर इंटीग्रेटेड कैपेसिटी पैदा करने की वजह से मांग में तेजी जारी रहेगी। रिपोर्ट में कहा गया हैं कि मांग में वृद्धि मुख्य रूप से ईवी के प्रवेश में वृद्धि और बिजली ग्रिड के डीकार्बोनाइजेशन से प्रेरित है, जिसे केंद्र और राज्य दोनों सरकारों की महत्वाकांक्षी सरकारी लक्ष्यों और नीतियों/ प्रोत्साहनों से समर्थन मिला है। सरकार इलेक्ट्रिक वाहनों को तेजी से अपनाने और विनिर्माण योजना (एफएएमई), बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम के लिए वीडीएफ योजना पर ध्यान दे रही है.

बोइंग कंपनी अपने 10 फीसदी कर्मचारियों की छंटनी करेगी

नई दिल्ली। एयरोस्पेस कंपनी बोइंग आगामी वर्ष में 8 अरब डॉलर का घाटा होने के चलते अपने कर्मचारियों में 10 फीसदी की कटौती कर सकती है, कटौती की घोषणा कंपनी ने हाल ही में की है। इसके परिणामस्वरूप करीब 17000 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल देने का फैसला किया गया है। यह फैसला मानव संसाधन में सबसे बड़ी छंटनी माना जा रहा है। कंपनी की यह कदम बढ़ती लागत को कम करने और वित्तीय स्थिति में सुधार करने की कोशिश का हिस्सा है। इसके अलावा बोइंग ने 2027 से 767 और 777एक्स विमानों के उत्पादन में रुकावट की घोषणा की है। यह डिसेशन बोइंग के उद्योग में शांतिपूर्ण और सुरक्षित माहौल को बनाए रखने के लिए किया गया है। हालांकि कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इस कदम को केवल अनिवार्य परिस्थितियों में लिया है और वह परियोजनाओं पर काम जारी रखने की कोशिश कर रही है।

केंद्र सरकार इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के आयात पर लगाएगी रोक

नई दिल्ली ■

केंद्र सरकार वर्तमान में लैपटॉप और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के आयात पर रोक लगाने के तौर-तरीकों पर विचार कर रही है, जिससे देश में उत्पादन को बढ़ावा देने के लक्ष्य को प्रोत्साहित किया जा सके। सरकार की ओर से शुरूआत में आयात को मौजूदा स्तर से 5 फीसदी कम करने की संभावना तलाश की जा रही है ताकि जब आयात सीमा लागू हो, तो देश में उपकरणों की आपूर्ति में कोई व्यवधान न हो। अगस्त 2023 में, चीन पर निर्भरता कम करने के लिए चुनिंदा आईटी हार्डवेयर उत्पादों के आयात के लिए लाइसेंस की योजना की गई थी, लेकिन उद्यमों और अमेरिका जैसे व्यापारिक भागीदारों की चिंताओं के बाद सरकार ने नवंबर 2023 से ऑनलाइन आयात परमिट के लिए नई प्रबंधन प्रणाली की घोषणा की थी। नई व्यवस्था में 7 आईटी हार्डवेयर उत्पादों को शामिल किया गया था, जिसे 31 दिसंबर तक के लिए लागू किया गया था। इस सावधानी की प्रक्रिया के साथ, सरकार के द्वारा नई योजना के तहत विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए आयात को घटाने और घरेलू उत्पादन को मजबूत करने के लिए नए उपायों का परीक्षण किया जा रहा है। सरकारी सूत्रों के अनुसार यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि यह प्रक्रिया पूरे संकेतों के साथ संभव है और राष्ट्रीय सुरक्षा के पहलुओं को भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

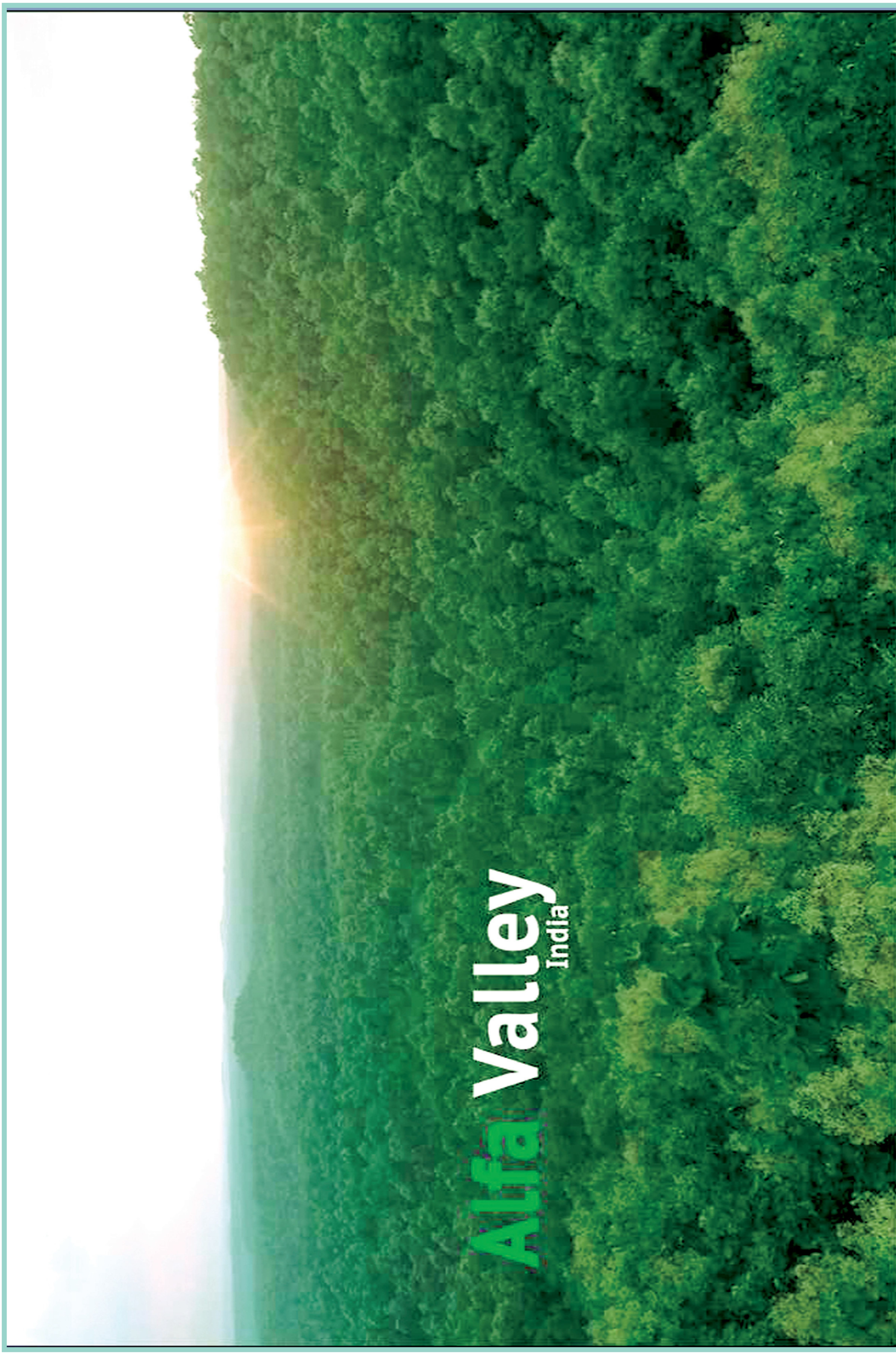
Alfa Valley
India

मनोरंजन

नेहा धूपिया ने की गोफ्लो रन 2024 की शुरुआत

प्रसिद्ध अभिनेत्री और फिटनेस इन्फ्लूएंसर नेहा धूपिया ने गोफ्लो रन 2024 की शुरुआत की है। इसका उद्देश्य महिलाओं और किशोरियों के बीच मासिक धर्म स्वास्थ्य, शारीरिक फिटनेस और समुदायिकता को बढ़ावा देना है। नेहा धूपिया ने इस आयोजन के प्रति अपने जुड़ाव को साझा करते हुए कहा, दौड़ना हमेशा मेरे लिए एक गहरा अनुभव रहा है, चाहे मैं खुश हूँ, उदास हूँ या व्यस्त। यह मेरे शरीर और मन को सुनने और खुद को स्वतंत्र महसूस करने का जरिया है। गोफ्लो रन न केवल फिटनेस को बढ़ावा देता है, बल्कि यह एक मजबूत धावक समुदाय से जुड़ने का भी अवसर है। गोफ्लो रन 2024 का प्रमुख उद्देश्य महिलाओं में फिटनेस की आदत को बढ़ावा देना और मासिक धर्म से जुड़े संकोच को दूर करना है। यह कार्यक्रम 12 वर्ष और उससे अधिक आयु की लड़कियों और महिलाओं के लिए खुला है, और उन्हें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करता है। इस कार्यक्रम में भाग लेने वाली महिलाओं को दौड़ने और चलने के साथ-साथ मासिक धर्म स्वास्थ्य और उससे जुड़े मुद्दों पर जागरूकता बढ़ाने का अवसर मिलेगा। अनीता लोबो के साथ इस पहल को आगे बढ़ाते हुए, नेहा ने कहा, हमने गोफ्लो रन के माध्यम से एक ऐसा मंच तैयार किया है जहां महिलाएं न केवल शारीरिक रूप से सशक्त होंगी बल्कि मानसिक और सामाजिक रूप से भी मजबूती का अनुभव करेंगी। यह एक ऐसा कदम है जिससे महिलाएं और लड़कियां एक स्वस्थ आज और कल की दिशा में जुड़ेंगी।

विक्रांत के परिवार में होता है सभी धर्मों का सम्मान

एक इंटरव्यू में बॉलीवुड अभिनेता विक्रांत मैसी ने अपने धर्मनिरपेक्ष परिवार का जिक्र करते हुए बताया कि उनके परिवार में सभी धर्मों का सम्मान किया जाता है। एक्टर ने कहा कि उनके परिवार में हर धर्म की पूरी आस्था और श्रद्धा रखी जाती है, और यह परिवार की विविधता का हिस्सा है। विक्रांत ने बताया कि उनकी मां सिख हैं, लेकिन वह बिंदी लगाती थीं और करवा चौथ के दिन हमारे साथ खड़ी रहती थीं। उनका कहना था, हमारे परिवार में सभी धर्मों का सम्मान किया जाता है और यह हमारे लिए बहुत सामान्य है। बचपन से हम मंदिरों में जाते थे और माता रानी के पंडाल में हिस्सा लेते थे। एक्टर ने बताया कि उनके पिता ईसाई होने के बावजूद भी वैष्णो माता के मंदिर जाते हैं और हफ्ते में दो बार चर्च भी जाते हैं। उन्होंने कहा, यही तो इंडिया है। हमारे घर में एक मंदिर भी है, और मेरे बेटे का नाम वरदान है। यह हमारी भारतीय संस्कृति और एकता का हिस्सा है।विक्रांत ने अपने भाई मोइन का भी जिक्र किया, जिन्होंने 17 साल की उम्र में इस्लाम धर्म अपनाया था। फिर भी, विक्रांत के परिवार में कोई भी धार्मिक दीवार नहीं है। वह और उनका भाई दोनों ही हर त्योहार को मिलकर मनाते हैं। विक्रांत ने कहा, मेरा भाई दिवाली पर लक्ष्मी पूजा करता है, और हम सब मिलकर दिवाली और होली मनाते हैं। ईद के दिन हम उनके घर बिरयानी खाकर ईद मनाते हैं। विक्रांत के परिवार की यह धर्मनिरपेक्षता और एकता को लेकर उन्होंने सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का भी सामना किया था, खासकर जब उन्होंने करवा चौथ पर अपनी पत्नी शीतल ठाकुर के साथ एक तस्वीर साझा की थी। हालांकि, विक्रांत ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उनके लिए यह किसी धर्म या परंपरा का पालन करना नहीं, बल्कि परिवार की एकता और प्यार का प्रतीक है।

अभिनेत्री किरण खेर ने भी की अनुपम खेर की तारीफ

हाल ही में नेटफ्लिक्स पर रिलीज़ हुई नई फिल्म विजय 69 में अभिनेता अनुपम खेर ने अपनी अदाकारी से दर्शकों का दिल जीत लिया है। अनुपम खेर की पत्नी और प्रसिद्ध अभिनेत्री किरण खेर ने भी उनके अभिनय की तारीफ करते हुए उनके लंबे सफर को याद किया। फिल्म में उनके किरदार को दर्शकों और समीक्षकों द्वारा खूब सराहा जा रहा है। इस बीच, किरण खेर ने अनुपम के शुरुआती दिनों को याद करते हुए बताया कि किस तरह उन्होंने एक छोटे से शहर शिमला से निकलकर बॉलीवुड में अपनी पहचान बनाई। किरण ने कहा, अनुपम का सफर शिमला से शुरू हुआ, जहां सिनेमा के प्रति उनका गहरा जुनून था। उन्होंने अपनी पहचान बनाने के लिए तमाम कठिनाइयों का सामना किया। अपने करियर के शुरुआती दिनों में उन्हें ऐसे किरदार निभाने पड़े जिन्हें अन्य कलाकार ठुकरा देते थे, लेकिन अनुपम ने कभी हार नहीं मानी।किरण खेर ने अनुपम के जुनून और समर्पण की भी प्रशंसा की, और कहा, कठिनाइयों के बावजूद अनुपम हमेशा आत्मविश्वास से भरे रहे। 40 साल बाद भी वे उसी जोश और लगन के साथ अपने हर किरदार में जान डालते हैं। उनके काम के प्रति यह प्यार और समर्पण ही उन्हें सबसे अलग बनाता है। उन्होंने कहा कि अनुपम की सफलता सिर्फ उनकी प्रतिभा के कारण नहीं, बल्कि उनके संघर्ष और कभी हार न मानने के जज़्बे के कारण है। विजय 69 के बाद अनुपम खेर अब जल्द ही फिल्म इमरजेंसी में नजर आएंगे, जिसका निर्देशन कंगना रनौत ने किया है।

आईपीएल नीलामी में इन स्पिनरों पर मोटी रकम लगा सकती हैं टीमें

मुम्बई ■

इसी माह 24 और 25 नवंबर को साऊदी के जेद्दा में होने वाली आईपीएल मेगा नीलामी में सभी दस फ्रेंचाइजी खिलाड़ियों पर दांव लगाएंगी। वहीं इस मेगा ऑक्शन से पहले सभी 10 टीमें रिटने किए गए खिलाड़ियों की सूची बीसीसीआई को सौंप दी है। कई खिलाड़ी ऐसे भी रहे जिनका आईपीएल में बेहतरीन प्रदर्शन रहा लेकिन उन्हें टीमों ने रिलीज कर दिया। ऐसे ही खिलाड़ियों पर फ्रेंचाइजियों की नजरें रहेंगी। इसमें आर अश्विन, यजुवेन्द्र चहल, वाशिंगटन सुंदर के अलावा श्रीलंका के वानिंद हसरंसा जैसे स्पिनर शामिल हैं।

2025 सत्र के लिए कुल 1574 क्रिकेट खिलाड़ियों ने अपना नाम दर्ज कराया है पर बीसीसीआई ने 574 खिलाड़ियों के नाम को ही छांटा है। इसमें से 366 भारतीय जबकि 208 विदेशी खिलाड़ी है। तीन एसोसिएट देशों के खिलाड़ी भी इसमें शामिल हैं। 204 स्लॉट खाली हैं जिसमें 70 ओवरसीज क्रिकेटर्स के लिए है। वहीं 2 करोड़ की सबसे बड़ी रिजर्व राशि रखी गयी है।

आर अश्विन- आर अश्विन आईपीएल के इतिहास में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में छठे नंबर पर हैं। उन्होंने 7.12 की इकॉनमी और 29.83 के औसत से अब तक 212 मैच में 180 विकेट लिए हैं। अश्विन 2022 से राजस्थान रॉयल्स से जुड़े थे, लेकिन इस बार फ्रेंचाइजी ने उन्हें रिलीज कर दिया। अश्विन इससे पहले सीएसके, राइजिंग सुपर जायंट्स, किंग्स इलेवन पंजाब और दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेल चुके हैं। ऐसे में अब सभी फैंचाइजियों की उनपर नजरें रहेंगी।

युजवेंद्र चहल- आईपीएल इतिहास के सबसे सफल गेंदाबाज युजवेंद्र चहल को उनकी टीम राजस्थान रॉयल्स का रिटेन नहीं करना सबसे ज्यादा हैरानी की बात रही है। वह सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं, जिन्होंने 7.84 की इकॉनमी और 22.45 अब तक 205 मैच में 160 विकेट लिए हैं। वह राजस्थान रॉयल्स के साथ 2022 से जुड़े थे, लेकिन इस बार फ्रेंचाइजी ने उन्हें रिलीज कर दिया। युजवेंद्र चहल आईपीएल में इससे पहले 2014 से 2021 तक रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का हिस्सा रहे थे।

वाशिंगटन सुंदर- वाशिंगटन सुंदर आईपीएल के इतिहास में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले 100 गेंदबाजों में शामिल हैं। उन्होंने 7.54 की इकॉनमी और 35.81 के औसत से अब तक 60 मैच में 37 विकेट लिए हैं। सुंदर आईपीएल 2022 से सनराइजर्स हैदराबाद के साथ जुड़े थे, लेकिन इस बार फ्रेंचाइजी ने उन्हें रिटेन नहीं किया। सुंदर ने आईपीएल में इससे पहले राइजिंग पुणे सुपरजायंट और आरसीबी के लिए खेला है।

मिचेल सैंटनर- न्यूजीलैंड के मिचेल सैंटनर ने आईपीएल इतिहास में 6.92 की इकॉनमी और 28.13 के औसत से अब तक 18 मैच में 15 विकेट लिए हैं। मिचेल सैंटनर आईपीएल 2018 से 2024 तक सीएसके का हिस्सा रहे। हालांकि, फ्रेंचाइजी ने उन्हें इस मेगा ऑक्शन से पहले ही रिलीज कर दिया। इस नीलामी में कई फ्रेंचाइजी उन्हें खरीदने के लिए ऊंची बोली लगा सकती हैं।

वानिंदु हसरंगा- वानिंदु हसरंगा आईपीएल के इतिहास में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में 103वें नंबर पर हैं। उन्होंने 8.13 की इकॉनमी और 21.37 के औसत से अब तक 26 मैच में 35 विकेट लिए हैं। हसरंगा आईपीएल 2024 में सनराइजर्स हैदराबाद के साथ जुड़े थे, लेकिन चोटिल होने के कारण पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गए थे। इस बार फ्रेंचाइजी ने उन्हें रिलीज कर दिया।

सिनर ने जीता एटीपी फाइनल्स का खिताब, इटली के पहले टेनिस खिलाड़ी बने, फ्रिट्ज को हराया

तूरिन (इटली) ■

इटली के यानिक सिनर ने अमेरिका टेलर फ्रिट्ज को सीधे सेटों में 6-4, 6-4 से हराकर एटीपी फाइनल्स का खिताब जीत लिया। श्रेष्ठ आठ खिलाड़ियों के बीच खेले जाने वाले वर्ष के अंतिम टूर्नामेंट को जीतने वाले वह इटली के पहले खिलाड़ी हैं। विश्व नंबर एक सिनर इस वर्ष ऑस्ट्रेलियाई ओपन और यूएस ओपन का खिताब जीत चुके हैं। इस टूर्नामेंट के ही दौरान उन्होंने विश्व नंबर एक की ट्रॉफी भी ग्रहण की थी।

सिनर और फ्रिट्ज के बीच यह हाल के महीनों में तीसरा मुकाबला था। तीनों ही मुकाबलों में सिनर को जीत मिली। दोनों के बीच यूएस ओपन का फाइनल भी खेला गया था। इस टूर्नामेंट के ग्रुप दौर में भी दोनों खिलाड़ी आमने-सामने रहे, जहां सिनर समान स्कोर 6-4, 6-4 से जीते। फाइनल में सिनर को स्थानीय दर्शकों का जबरदस्त समर्थन मिला। उन्होंने दोनों ही सेटों में फ्रिट्ज की एक-एक बार सर्विस तोड़ी।फ्रिट्ज ने सेमीफाइनल में दो बार के विजेता जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव को हराया था। माना जा रहा था कि यह मुकाबला बेहद रोमांचक होगा, लेकिन सिनर ने अपनी फॉर्म को बरकरार रखते हुए फ्रिट्ज को कोई मौका नहीं दिया। सिनर इस वर्ष विवादों में रहे हैं। वह दो बार डोप पॉजिटिव पाए गए, लेकिन उन्हें आरोपों से बरी कर दिया। उन्हें बरी किए जाने के मामले में वाडा ने अपील कर रखी है। जिस पर फैसला वर्ष की शुरुआत में आना है। युगल का खिताब जर्मनी के टिम पुट्ज और केविन क्राविट्ज ने जीता। दोनों ने फाइनल में क्रोएशिया के मैट पेविच और अल सल्वाडोर के मार्सेलो अरेवालो को 7-5 (5), 7-6 (6) से हराया।

सात्विक-चिराग बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर में करेंगे वापसी, नए कोच के आने से बढ़ेगा हौसला

शेनजेन (चीन)। पेरिस ओलंपिक की नाकामी को भुलाते हुए भारत की शीर्ष युगल टीम सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी मंगलवार से यहां शुरू हो रहे चाइना मास्टर्स सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के जरिए वापसी करेगी। दुनिया की पूर्व नंबर एक टीम सात्विक के कंधे की चोट के कारण पेरिस ओलंपिक के बाद से प्रतिस्पर्धा से दूर है।

दोनों आर्कटिक ओपन, डेनमार्क ओपन और चाइना ओपन नहीं खेल सके थे। अगस्त में मथियास बो के जाने के बाद से दोनों के पास कोच भी नहीं है। पिछली बार उपविजेता रहे सात्विक और चिराग पहले दौर में चीनी ताइपै के यांग पो सुआन और ली झे हुइ से खेलेंगे। वहीं पी वी सिंधू और लक्ष्य सेन खराब फॉर्म से उबरकर जीत की राह पर लौटना चाहेंगे। अगस्त में पेरिस ओलंपिक के बाद दोनों ने लंबा ब्रेक लिया था लेकिन खोया फॉर्म हासिल नहीं कर सके। पेरिस ओलंपिक में सेमीफाइनल में हारने के बाद लक्ष्य आर्कटिक सुपर 500 और डेनमार्क ओपन में जल्दी हार गए।

स्वर्ण पदक विजेता विस्मया डोप में फंसीं

नई दिल्ली ■

जकार्ता एशियाई खेलों में जोरदार अंतिम फर्राटा भरते हुए भारत को चार गुणा चार सौ मीटर रिले का स्वर्ण पदक दिलाने वाली 400 मीटर की एथलीट वीके विस्मया डोप में फंस गई हैं। नाडा की ओर से किए गए आउट ऑफ कंपटीशन टेस्ट में उनके सैंपल में स्टीमुलेंट क्लोमिफेन पाया गया है। हांगझोऊ एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीतने वाली शॉटपुटर किरन बालियान के बाद डोप में फंसनी वाली वह दूसरी बड़ी एथलीट हैं।

अस्थाई प्रतिबंध लगा

नाडा के रजिस्टर्ड टेस्टिंग पूल में शामिल विस्मया का सैंपल 24 अगस्त को उनके गृह नगर कन्नूर में लिया गया था। बताया जाता है कि उन्होंने प्रतिबंधित दवा लेने की बात स्वीकार करते हुए अस्थाई प्रतिबंध स्वीकार कर लिया है। विस्मया ने 2018 के एशियाड में हिमा दास, एमआर पूवम्मा, और सरिताबेन गायकवाड़ के साथ मिलकर रिले का स्वर्ण जीता था। उन्होंने 2019 की दोहा एशियाई चैंपियनशिप में महिलाओं की चार गुणा चार सौ मीटर रिले और चार गुणा चार सौ मीटर मिश्रित रिले के रजत पदक भी जीते थे। वह विश्व चैंपियनशिप में 3.15.77 मिनट का समय निकालकर सातवें स्थान पर रहने वाली महिला रिले टीम की भी सदस्य थीं।

तीन अन्य एथलीट भी फंसे

वह पिछले कुछ समय से ट्रैक से गायब थीं। विशेषज्ञों के मुताबिक वाडा की एस-4 कैटेगरी में आने वाला क्लोमिफेन महिलाओं में गर्भ धारण की प्रक्रिया के लिए आवश्यक हार्मोन को उत्तेजित करने का काम करता है। वहीं, नाडा की ओर से की गई अन्य टेस्टिंग में राष्ट्रीय ओपन एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 1500 मीटर का कांस्य जीतने वाली सुनीता ईपीओ के लिए डोप पॉजिटिव पाई गई हैं। दिल्ली राज्य एथलेटिक्स में खेलीं स्प्रिंटर मुस्कान राणा और इंटर रेलवे में डिकेथलन एथलीट प्रवीण कुमार स्टेनोजोलाल के लिए डोप पॉजिटिव पाए गए हैं।

3 तीन के लिए बेहतर विकल्प बनकर उभरे हैं तिलक

मुम्बई। युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा ने जिस प्रकार से दक्षिण अफ्रीका में हुई टी20 सीरीज में नंबर तीन पर उतरते हुए शानदार बल्लेबाज की है। उससे वह आने वाले समय में नंबर तीन पर उतरने के लिए विराट कोहली के सबसे अधिक विकल्प बनकर उभरे हैं। दक्षिण अफ्रीका सीरीज में तिलक ने दिखाया है कि वह लंबी परियां खेलने के साथ ही एक मैच विजेता खिलाड़ी हैं। नंबर-3 पर बल्लेबाजी करते हुए उन्होंने लगातार दो मैचों में दो शतक लगाये। तिलक ने सबसे पहले घरेलू किकेट और आईपीएल में चमक बिखेरी थी। उसके बाद से ही वह अवसर मिलने पर अंतरराष्ट्रीय मंच में भी लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। तिलका का यहां तक का सफर आसान नहीं रहा है। करियर के शुरुआती दौर में खराब आर्थिक स्थिति के कारण तिलक को काफी परेशानियों का सामना किया है पर उन्होंने कभी हार नहीं मानी। तिलक के पास शुरुआती दौर में बेहतर सुविधा नहीं थी लेकिन उनकी बल्लेबाजी काफी अच्छी थी। इसके बाद भी पिता ने तिलक का पूरा साथ दिया।

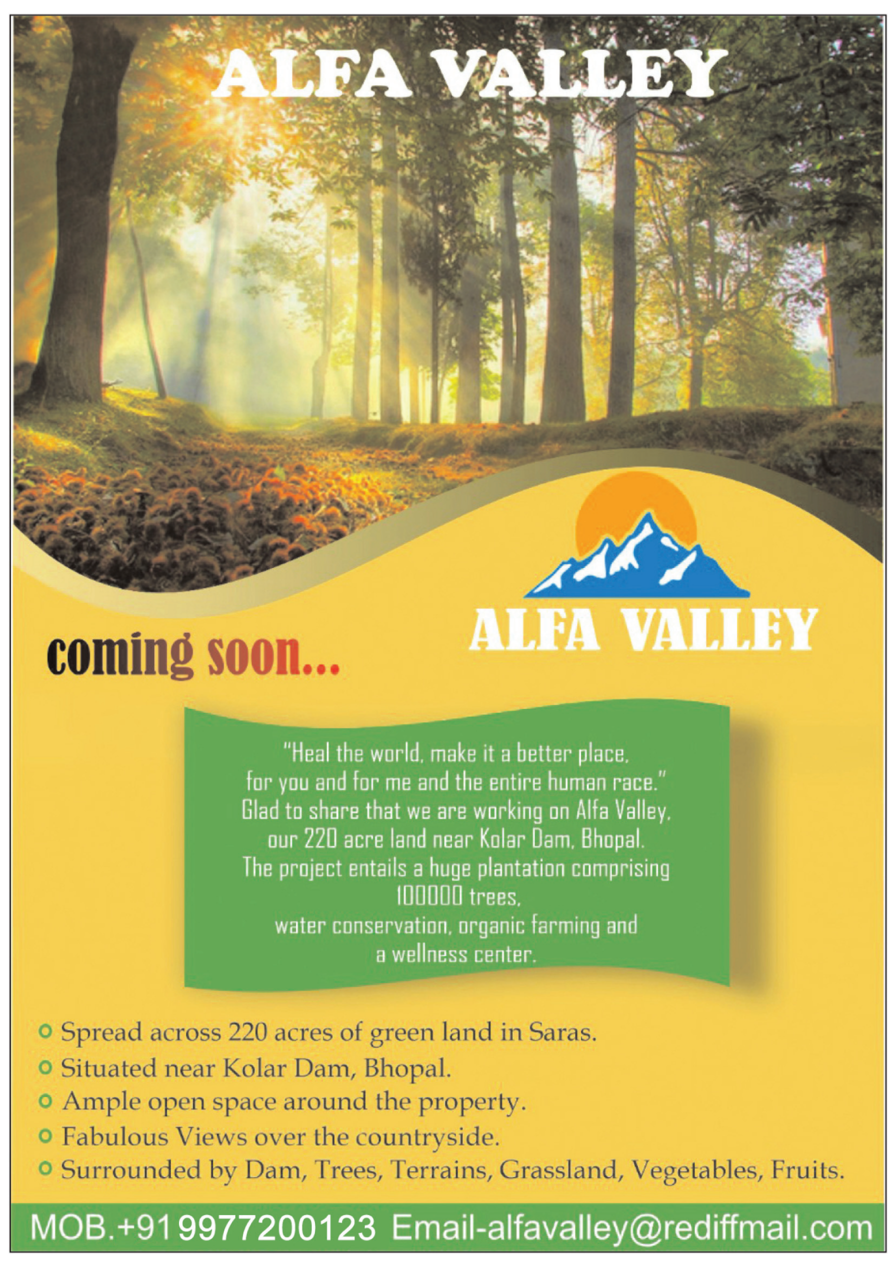

प्रकाशक एवं मुद्रक **विष्णु गोयल** द्वारा स्वामी शिवा पब्लिकेशन के लिए 1-ए, फिरोज गांधी प्रेस काम्प्लेक्स एबी रोड, इंदौर, मध्यप्रदेश से प्रकाशित एवं पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विस प्रा.लि. रिलायंस पेट्रोल पम्प के पीछे, सेंटर पाइंट, मांगलिया बायपास, इंदौर, मध्यप्रदेश से मुद्रित। Epaper_www.globalherald.news
प्रधान संपादक -**विष्णु गोयल**, सलाहकार संपादक- **सौरभ बैनर्जी**, प्रदेश संपादक- **दिलीप शर्मा**, स्थानीय संपादक **सत्येन्द्र जैन***(*समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार)। मोबाइल नं.:-7999509078, आर.एन.आई. नं. MPHIN/2012/41876, email- editor@nationalherald.org/globalheraldeditor@gmail.com